हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 फरवरी, 1989

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 24 फरवरी, 1989

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(4)34
अनुपस्थिति की अनुमति	(4)37
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)37
वाक आउट	(4)37
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)38
वाक आउट	(4)62
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)63
राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर मतदान	(4)79

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 24 फरवरी, 1989

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़, में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहैंबान, अब सवाल होंगे।

Persons died and houses collapsed due to rains/floods.

***668. Shri Rattan Lal Kataria :** Will the Minister for Revenue be pleased to state the number of persons died due to recent heavy rains in the State togetherwith the steps taken by the Government to provide relief to the families of the deceased ?

राजस्व मन्त्री (श्री सूरज भान): बाढ़ के पानी में डूबने अथवा भारी वर्षा से मकान गिरने के कारण राज्य में 40 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। प्रत्येक 'मृतक के निकट सम्बन्धी को 10,000 रुपये का अनुग्रह–पूर्वक अनुदान स्वीकृत किया गया है।

श्री रत्न लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्षा के कारण जो कुओं में जहरीली गैस बन गई थी, उसके कारण हरियाणा प्रदेश के अन्दर कितने आदमियों की मृत्यु हुई है।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न इससे सम्बन्धित नहीं है। इसके लिये अगर ये अलग से नोटिस दें, तो हम बता देंगे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर वर्षा के कारण जो नुक्सान हुआ है उस का जिला वाईज ब्यौरा क्या है और जिला वाईज कितनी–कितनी आर्थिक सहायता सरकार की ओर से दी गयी हैं?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन था कि हाल ही में भारी वर्षा के कारण हरियाणा प्रदेश में कितने आदमी मरे। वह सूचना तो डिस्ट्रिक्ट वाईज मैं दे सकता हूं। लेकिन इसके लिये ये सैपरेट नोटिस दें तो हम सूचना दे देंगे।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर सर, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि वर्षा के दौरान कुंओं में जहरीली गैस बनने से हरियाणा प्रदेश के अन्दर कितने आदमियों की मृत्यु हुई है और ऐसे लोगों को सरकार ने क्या मुआवजा दिया हैं?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मैं मैम्बर साहैंबान की जानकारी के लिये बता देता हूं कि बाढ़ के पानी में डूबने अथवा भारी वर्षा से मकान गिरने के कारण कुल 40 आदमियों की मृत्यु हुई है और मुआवजे के तौर पर केन्द्र सरकार की तरफ से 5 हजार रुपये फी व्यक्ति मरने वालों के सम्बन्धियों को दिया है

लेकिन हरियाणा सरकार ने पांच हजार की बजाये 10 हजार रुपये का मुआवजा फी व्यक्ति दिया है। (तालियां) जहां तक जहरीली गैस कुंओं में बनने के कारण मरने का सवाल है, उससे कुल 79 मौतें हुई हैं। इसके लिये केन्द्र सरकार की तरफ से ऐसे लोगों के सम्बन्धियों को देने के लिये एक पैसा भी नहीं दिया गया है लेकिन हमारे आदरणीय मुख्य मन्त्री महोदय ने रिलीफ फण्ड में से मरने वालों कें परिवारों को भी 10 हजार रुपये फी व्यक्ति के हिसाब से मुआवजा दिया है।

श्री भगवान सहाय रावतः क्या मन्त्री महोदय, बताने की कृपा करेंगे कि राज्य भर में वर्षा व सूखा के कारण हुए नुक्सान को देखते हुए, राज्य हित में कोई ऐसी योजना सरकार के विचाराधीन है जिससे भविष्य में वर्षा के कारण बाढ़ व सूखे के प्रकोप से बचा जा सके?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, यह क्वैश्चन मूल प्रश्न से सम्बन्धित नहीं है। अलग– अलग विभागों से यह प्रश्न सम्बन्धित है जैसे कि इरीगेशन वगैरह लेकिन मैं माननीय सदस्य महोदय की जानकारी के लिये बता देना चाहता हूं कि ऐसे नुक्सान से बचने के लिये सरकार कई बातों का ध्यान रख रही है। जैसे बांध वगैरह बनाये जा रहें हैं।

Construction of new roads in District Ambala

***863. Shri Bhag Mai :** Will the Minister for **P.W.D. (B&R)** be pleased to state—

(a) the constituency-wise number of new roads constructed in Ambala district during the year 1987-88, togetherwith the length of each road separately;

(b) the constituency-wise number of new roads with length proposed to be constructed in. Ambala district during the year 1988-89; and

(c) the number of roads out of those, as referred to in part (b) above, constructed upto 31-12-1988, togetherwith the number of roads which are likely to be completed by 31-3-1989 ?

(d) **Public Works Minister** (Shri Om Parkash Bhardwaj) The information is laid on the Table of the House.

Information

(a) Constituency-wise number of new roads constructed in Ambala District during the year 1987-88 is given as under :-

Sr. No.	Name of Constituency	No. of roads	Length of raod construc-ted (Km.)
1.	Kalka	1	0.63
2.	Naraingarh	1	0.57
3.	Sadhaura	3	1.40
4.	Chhachhrauli	2	0.28

5.	Jagadhri	2	1.52
6.	Yamunanagar	1	1.00
7.	Mullana	16	13.48
8.	Ambala Cantt.		
9.	Ambala City		
10.	Naggal	8	2.76
	Total	34	21.65 Kms.

(e) The details of each road separately are given at Annexure 'A'.

(f) (b) The Constituency-wise number of new roads proposed to be constructed in Ambala District during the year 1988-89 is given as under:-

Sr. No.	Name of Constituency	No. of roads.	Length of roads proposed to be construc-ted. (Km.)
1.	Kalka	1	2.10
2.	Naraingarh	1	0.90
3.	Sadhaura	4	3.33

4.	Chhachhrauli	1	2.46
5.	Jagadhri	7	5.24
6.	Yamunanagar	1	0.50
7.	Mullana	4	5.42
8.	Ambala Cantt.		
9.	Ambala City		
10.	Naggal	8	3.41
	Total	27.	23.36

Road-wise details with length are given at Annexure

(c)(i) The number of roads constructed upto 31-12-1988 out of

roads proposed to be constructed during the year 1988-89 in Ambala District is given as under :-

Sr. No.	Name of Constituency		No. of roads	Length of roads constructed (Km.)
	Kalka			

	Naraingarh		1	0.90
	Sadhaura		1	0.22
	Chhachhrauli			
	Jagadhri			
	Yamunanagar			
	Mullana		3	4.92
	Ambala Cantt.			
	Ambala City			
	Naggal		7	2.91
		Total	12	8.95

(ii) The number of roads which are likely to be completed by 31-3-1989 out of the roads proposed to be constructed during 1988-89 in Ambala District is given as under :-

Sr. No.	Name of Constituency	No. of roads	Length of roads construc-ted. (Km.)
.	Kalka	1	2.10

3.	Naraingarh		
3.	Sadhaura	3	3.11
4.	Chhachhrauli	1	2.46
5.	Jagadhri	7	5.24
6.	Yamunanagar	1	0.50
7.	MuHana	1	0.50
8.	Ambala Cantt.		
9.	Ambala City		
10:	Naggal	1	0.50
	Total	15	14.41

ANNEXURE 'A'

List of Roads completed during 1987-88

Sr.	No. Name of Roads	Cost of	Total	Length	Completed
		A/A (Rs. lacs.)	length (KM)	31-3-1987 (KM)	During 1987-88 (KM)
	Kalka- 1				

1.	Barwala to Bataur	2.74	1.20	0.50	0.63
	Total	2.74	1.20	0.50	0.63
	Naraingarh- 2				
2.	Rampur to Panjewala	6.83	0.57		0.57
	Total	6.83	0.57		0.57
	Sadhaura- 3				
3.	Machhrauli to Bansewala to Mainpur	1.20	0.65		0.65
4.	Chhoti Pabni to Judha Jattan	2.56.	1.38	1.18	0.20
5.	Milk Khas to Shiv Mandir	5.09	2.07	1.10	0.55
	Total	8.85	4.10	2.28	1.40
	Jagadhri- 4				
6.	Kanheri Bari to Kalanpur	4.95	2.30		1.00
7.	Muradpur to Topparpur	1.53	0.52		0.52
	Total	6.48	2.82		1.52

	Yamuna Nagar				
8.	Khandwa to Sukhpura	3.44	1.50		1.00
	Total	3.44	1.50		1.00
	Chhachhrauli				
9.	Kot Darpur to Faquir Majra	0.38	0.24		0.24
10.	Jai Ram Pur Khalsa to Alipur	1.08	0.56	0.52	0.04
	Total	1.46	0.80	0.52	0.28
	Mullana				
11.	Foksa to Bazigar Basti	3.82	2.08		2.08
12.	L./R. to H.B. Zaffarpur	7.19	2.60		2.60
13.	-Do- Chudiala	2.06	0.73		0.73
14.	L/R to Toba	1.75	0.62		0.62
15.	Do Mullana	1.04	0.20		0.20
16.	Do Kesri	1.82	0.56		0.56
17.	Do Sherpur	0.95	0.52		0,52
18.	Do Dhanaura	2.53	1.00		.0.50

19.	Do Sabga	0.85	0.25		0.25
20.	Gola to Sabapur	11.49	3.40	1.00	2.40
21.	Link to G.P.S. Ram Nagar	3.10	1.11		1.11
22.	Do Hara	1.35	0.67		0.67
23.	Do Shergarh	0.19	0.08		0.08
24.	Harijan Chopal Gurudwara Bhita	0.85	0.52	0.30	0.22
25.	Chopal Gujran Bhita.	1.00	0.14		0.14
26	Ambala Ugala to Subri	8.38	3.22	1.00	0.80
	Total	48.37	17.70	2.30	13.48 KM
	Naggal				
27.	Lalyana Panchayat Ghar to Harijan Basti Lalyana	0.30	0.13		0.13
28.	L/R to Harijan Basti Chandpura	0.32	0.11		0-.11
29.	Della Majra to H. Basti & Mandir	1.08	0.35		0.35

30.	Durga Nagar to Radha Swami Mandir	0.82	0.44		0.44
31.	Khanna Majra to School Khanna Majra	0.88	0.30		0.30
32.	Railway crossing upto School Building via Circular road Shahapur	2.40	0.60		0.60
33.	L/R to Gurudwara Babyal	2.41	0.63		0.63
34.	Mohri to Tejan	3.40	1.50	1.00	0.20
	Total	11.61	4.06	1.00	2.76
	G. Total	89.78	32.75	6.6D	21 64

ANNEXURE 'B

Constituencywise List of roads completed from 1-4-88 to 31-12-88 and likely to be completed upto 31-3-89 in Ambala District.

Sr. No.	Name of Roads	Cost 1 of A/A Rs.	Total length (Km.)	Balance length	Length pro-posed	Meta-lling corn-	Meta-Bing to be com-	Re-marks

		Lacs.		to be com-pleted as on 1-4-88 (Km.)	to be metal-led during 1988-89 (Km.)	pleted durin g 1988-89 upto 31-12-88 (Km.)	pleted luring 1988-89 upto 31-3-89 (Km.)	
1	2	3	4	5	6	7	8	
	Kalka							
1.	Dabkheri to Rattewali	7.25	2.10	2.10	2.10		2.10	
	Total	7.25	2.10	2.10	2.10e		2.10	
	Naraingarh							
1.	Shahazadbad to Sadhaura (Sec. Sadiqpur to Jeoli)	11.66	5.64	5.64	0.90	0.90		
	Total	11.66	5.64	5.64	0.90	0.90		
	Sadhaura							
1.	Nayagaon to Sangholivia Chanchak.	2.96	1.32	1.32	1.32		1..32	

2.	Kulchandu to Sitari	6.70	1 .43	1 .43	1.43		1 .43	
3.	G.M.D. road to H.B. Aharwala	0.74	0.36	0 .36	0.36		0.36	
4.	L/R to Milkhas to Shiv Mandir.	5.09	2.07	0.22	0.22	0.22		
	Total	15.49	5.18	3.33	3.33	0.22	3.11	
	Chhachhrauli							
1.	Sankhera to Dariapur	4.16	2.46	2.46	2.46		2.46	
	Total	4.16	2.46	2.46	2 46		2.46	
	Jagadhri							
1.	Damla to Kamboj Ka Majra.	1.78	0.39	0.39	0.39		0.39	
2.	Bhamool to Akalgarh Ka Majra.	3.92	1.80	0.60	0.60		0.60	
3.	Kheri Darshan Singh to School.	1 .26	0.28	0.28	0.28		0.28	
4.	Sabilpur Jattan	1.06	0.43	0.43	0.43		0.43	

	to School							
5.	Talakaur to School	1.10	0.44	0.44	0.44		0.44	
6.	Kamheri Bari to Kalanpur	5.60	2.30	1.30	1.30		1.30	
7.	Pinjore to Nagla Jagir	4.51	1.80	1.80	1.80		1.80	
	Total	19.23	7.44	5.24	5.24		5.24	
	Yamunanagar							
1.	Khandwa to Sukhpura	3.43	1.50	0.50	0.50		0.50	
	Total	3.43	1.50	0.50	0.50		0.50	
	Mullana							
1.	Deen to Saran	11.42	4.00	2.00	2.00	2.00		
2.	Alawalpur to Hudian	4.48	1.50	1.50	1.50	1.50		
3.	Adhoya Chhapar road to Thamber via Rampur Majra	4.72	1.79	1.79	0.50		0.50	
j4.	H.B. Dhanaura	3.43	1.00	0.50				
5.	Ugala to Subri	8.38	3.22	1.42	1.42	1.42		

	Total	32.43	11.51	7.21	5.42	4.92	0.50	
	Naggal							
1.	Bahbalpur Mohri road to H.B. Bhano Kheri	4.02	0.80	0.80				
2.	**H.B.** Mandir Nan- hers	0.76	0.37	0.37	0.37	0.37		
3.	**H.B.** Tepla	3.32	0.55	0.55	0.55	0.45		
4.	Khera Mitlan to Baknaur School.	0.88	0.30	0.30	0.30	0.30		
5,	Ramjola to Panchayat Ghar.	0.23	0.07	0.07	0.07	0.07		
6.	L/R to School Pil- khani	2.64	0.84	0.84	0.84		0.50	
7.	L/R to P. School Rawalon	2.00	0.70	0.70		0.70		
8.	L/R to G.H.S. Dalip- Garh	1.34	0.30	0.30	0.30	0.17		
9.	Shahpur to Machhanda	3.49	0.98	0.98	0.98	0.75		

	Total	18.68	4.91	4.91	3.41	2.91	0.50	
	G. Total	112.33	40.74	31.39	23.36	8.95	14.41	

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन्होंने जो सढ़ौरा में तीन सड़कों के बारे में कहा है कि 31– 3– 1989 तक बन कर तैयार हो जाएंगी, क्या वह वाकई कम्पलीट हो जाएंगी?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, अनैक्चर 'बी' में इस बारे में सारी सूचना दी हुई है।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि हाल हीं की जबरदस्त बरसात और बाढ़ के कारण जो सड़कें टूटी हैं या अस्त–व्यस्त हुई हैं, उनको ठीक करने के लिए क्या कोई विशेष राशि का प्रबन्ध किया गया है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, साढ़े चार करोड़ रुपए का प्रबन्ध किया गया है।

डा० बृज मोहनः लीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जगाधरी में जो सात सड़कें बनाने का जिक्र किया गंवा है ये तो पुरानी सड़कें ही हैं, नई नहीं हैं। क्या इनके अलावा नई सड़कें बनाने का विचार हैं?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, जगाधरी कांस्टीच्यूऐंसी के बारे में डा० साहब का सवाल आरी आएगा उसमें

इनको पूरी डिटेल मिल जाएगी। इन सात सड़कों पर काम चल रहा था जिनमें से तीन कम्पलीट हो चुकी हैं।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, एक सड़क परमौली से जमलावाला है जिसके बीच में गैप है। इसकी सैंक्शन हो चुकी थी लेकिन अब उसे डि–सैक्शन कर दिया है। इसका क्या कारणहै?

श्री अध्यक्षः भाग मल जी हजारों सड़कें हैं। ऐसे औफ हैंड बताना बहुत मुश्किल है।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, माननीय चीफ मिनिस्टर साहब ने कपाल मोचन जाने के लिए उस सड़क को बनाने के लिए कहा था। इसलिए क्या उसे बनाने का कष्ट करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः उसे जरूर बनाया जाएगा।

Replacement of Damaged Electric wires

***857. Shri Kundan Lal Bhatia. :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to replace the damaged/defective electricity wires in the Faridabad Complex area; and

(b) if so, the time by which the wires as referred.to in part (a) above, are likely to be replaced ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) Yes.

(b) At present a scheme involving Rs. 21.30 lakhs is under execution which will be completed in the next 6 months.

सेठ लछमन दास बजाजः अध्यक्ष महोदय, करनाल के अन्दर बिजली की तारे बहुत पुरानी हैं जो बार–बार टूट जाती हैं। इस कारण से कई बौर ऐक्सीडैंट भी हो जाते हैं। क्या वहां पर नई तारें लगाई जाएंगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पुरानी तारे बदलने और नई तारे लगाने का कन्टीन्यूइंग प्रोसैस है। जहां–जहां भी महकमा फील करता है, वहां पुरानी तारों को बदलता रहता है। सारी स्टेट में यह काम चलता रहता है। रनिंग ईयर में हमने इस काम के लिए तीन करोड़ 68 लाख रुपए रखे थे और अगले साल के लिए तीन करोड़ 62 लाख रुपए रखे गये हैं।

श्री कुन्दन लाल भाटियाः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में नई तारे बिछाने का काम कब तक पूरा हो जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वहां का 21 लाख 30 हजार रुपए का काम है, जो 6 महीने के अन्दर पूरा हो जाएगा।

Travel by Ministers by Haityana Roadways

***816. Shri Ranjit Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the names of the Haryana Government Ministers who have travelled in the Haryana Roadways buses

as per the policy formulated by the Government during the period of one year i.e. upto 31st January, 1989.

Chief Minister (Chaudhri Devi Lal) : The requisite information is laid down on the table of the House.

Information

The requisite information is as under :-

1. Sh. Devi Lal,

   Chief Minister, Haryana.

2. Sh. B.D. Gupta,

   Deputy Chief Minister, Haryana.

3. Sh. Verender Singh,

   Irrigation & Power Minister, Haryana.

4. Sh. Kirpa Ram Punia,

5. Industries Minister, Haryana.

6. Sh. 0.P. Bhardwaj,

   Public Works Minister, Haryana.

7. Sh. Tayyab Hussain,

   Agriculture Minister, Haryana.

8. Sh. Ram Narain,

   Excise &Taxation Minister, Haryana.

9. Dr. Raghubir Singh,

Minister of State for Cooperation, Haryana.

10. Sh. Nar Singh Dhandha,

Minister of State for Social Welfare, Haryana.

11. Sh. Azmat Khan,

Minister of State for Animal Husbandry, Haryana.

11. Sh. Subash Katyal,

Minister of State for Housing and Dairy Development, Haryana.

12. Smt. Kamla Verma, Health Minister, Haryana.

13. Sh. Suraj Bhan,

Revenue Minister, Haryana.

14. Sh. Sita Ram Singla,

Minister of State for Sports Cultural Affairs, Haryana.

15. Sh. Hukam Singh,

Development Minister, Haryana.

16. Sh. Dharamvir Singh,

Minister of State for Transport, Haryana.

17. Sh. Sachdev Tyagi,

Deputy Minister, Irrigation & Power, Haryana.

18. Sh. Rao Laxmi Narain,

Industrial Training & Vocational Education & Fisheries Minister, Haryana.

19. Sh. Sampat Singh

Home Minister, Haryana.

20. Sh. Balbir Singh Saini,

Minister of State for Labour & Employment, Haryana.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या कुछ ऐसे मन्त्री भी हैं जिन्होंने बसों में सफर नहीं किया और मुख्य मन्त्री जी के आदेशों की पालना नहीं की, अगर ऐसे मन्त्री हैं तो उनके नाम. क्या हैं?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, इस बारे में मैंने सारी इन्फर्मेशन सदन की मेज पर रख दी है। डाक्टर साहब थोड़ी तकलीफ करके उसको देख लें।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने तो उन मंत्रियों के नाम पूछे हैं, जिन्होंने इनका आदेश नहीं माना और बसों में सफर नहीं किया।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, इस बारे में मैं इनको बता देता हूं। जिन मंत्रियों ने बसों

में यात्रा नही की उनकी संख्या पांच है और उनके नाम हैं: श्रीमती सुषमा स्वराज, श्री परमा नन्द, श्री राम बिलास शर्मा, श्री अवतार सिंह भडाना और श्री लछमन सिंह कम्बोज। जहां तक श्रीमती सुषमा स्वराज का बस से सफर न करने का ताल्लुक है, इन्होंने लिखित रूप में दिया हुआ है कि इनका आप्रेशन हुआ है and she had been advised not to travel in such a vehicle. बाकी जो चार मन्त्री हैं, उनकी तरफ से हमारे पास कोई लिखित रूप में नहीं आया है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मन्त्रिमण्डल द्वारा बसों से याता करवाने का जो उद्देश्य था, क्या उसमें इनको कोई सफलता मिली है या नही?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, बस्ते सें सफर करने का जो हमारा उद्देश्य था, उसमें हमें बहुत कामयाबी हासिल हुई है। खास तौर से मैं अपने तजुर्बे से बता सकता हू। मैं एक दफा बस से अम्बाला गया था। वहां पर जाते ही मुझे पता लगा कि रैस्टोरैंट नहीं चल रहा था और न ही बस अड्डे की लैटरिन ठीक थी। उनको फौरन ठीक करवा दिया गया।

उप–मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): स्पीकर साहब, बस से यात्रा करने का मैं अपना तजुर्बा भी बताना चाहता हूं। मुख्य मन्त्री महोदय ने एक सप्ताह पहले ही बस से यात्रा की

थी। उस समय रोहतक और पानीपत के बस अड्डों पर चूंकि बाथरूम और यूरिनल साफ नहीं थे इसलिए इन्होंने वहां के कुछ कर्मचारियों को सस्पैडं भी कर दिया था। उसके बाद जब मैंने रोहतक से पानीपत तक बस से सफर किया तो रोहतक, पानीपत, गोहाना के बस अड्डों के बाथरूम और यूरिनल बहुत साफ थे और चमक रहैं थे। मुख्य मन्त्री महोदय ने चूंकि एक सप्ताह पहले ही विजिट किया था इसलिए उसका नतीजा यह था कि वहां के बाथरूम और यूरिनल चमक रहैं थे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा उप मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि उन्होने रोहतक से पानीपत तक बस से सफर क्यों किया और भिवानी का सफर क्यों नही किया?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं डाक्टर साहब को बताना चाहूंगा कि भिवानी का सफर तो मैं करता ही रहता हूं।

श्री हीरा नन्दः आर्य स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि मन्त्रियों द्वारा बसों से जो यात्रा की गई, वह अचानक की गई या पहले सूचना दे करके यात्रा की गई?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सभी मन्द्रियों ने अचानक यात्रा की है।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्त्री जो से जानना चाहता हूं कि मंत्रियों ने जो बसों से सफर किया है, वहं छोटा सफर किया है या लम्बा सफर किया है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः छोटा सफर भी किया है और लम्बा सफर भी किया है।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, पिपली बस अड्डे पर जो रैस्टोरैंट है, उसमें खाने के बहुत ज्यादा चार्जिज लिए जाते हैं। क्या मन्त्री महोदय ने इस तरफ भी कभी ध्यान दिया हैं?

श्री अध्यक्षः भाग मल जी, यह सवाल तो मन्त्रियों द्वारा बसों से सफर करनें के बारे में है। खाने के रेट बताने के बारे में नहीं है।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, जब बसों से सफर करते हैं? तो इनको इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। वहां पर लोगों से खाने के बहुत ज्यादा पैसे चार्ज किए जाते हैं। लोगों को लूटा जा रहा है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य की बात ठीक है कि पिपली बस अड्डे पर खाने के बहुत ज्यादा चार्जिज लिए जाते हैं। जब इस बारे में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब को खबर मिली तो उन्होंने वहां पर छापा मारा और जिन दुकानदारों ने ज्यादा पैसे लिए उनके लाईसैस भी कैंसिल किए और कुछ

कर्मचारियों को भी सस्पैड किया। अभी इस बारे में इंक्वायरी चल रही है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मंत्रियों का बसों में बैठ कर सफर करने का क्या लक्ष्य था? दूसरे, जो लक्ष्य था, उसकी क्या प्राप्ति हुई है? साथ ही साथ मैं मन्त्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि जब कोई मन्त्री बस में बैठ कर सफर करता है तो क्या वह बस में बैठ कर यह डिस्कलोज करता है कि मैं मन्त्री हूं या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इस बारे में तो हमारी आपस में कोई बात नहीं हुई। इस बारे में मैं अपनी बात कह सकता हूं कि जब मैंने बस में सफर किया तो मैंने किसी को नही बताया और यहां तक कि जो मेरा गनमैन था उसे भी मैंने दूर बिठाया ताकि लोय पहचान न पायें। यह मैंने इसलिए किया था ताकि कन्डक्टर औत ड्राईवर का बर्ताव मालूम हो सके कि उनका जनता के प्रति क्या व्यवहार है और लोगों का सरकार के प्रति क्या विचार है। यदि कोई मन्त्री बस में बैठ कर सफर करते समय यह बताये कि मैं मन्की हूं तौ फिर उसका कोई महत्व नही रह जाता। यदि बगैर बताए बस में कोई मन्त्री सफर करता है तभी तो उसे पता लग पाएगा कि चालक और परिचालक का जनता के प्रति कैसा व्यवहार है और जनता का सरकार के प्रति क्या विचार है।

कामरेड हरपाल सिंहः मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन मंत्रीगण ने बसों में सफर किय है, क्या उन्होंने डी–लक्स बस में ही सफर किया है या उन बसों में भी सफर किया है जिनमें सवारियां बहुत अधिक सफर करती हैं और जिनकी छतें टूटी हुई रहती हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह सफर जिन मंत्रियों ने किया है, आर्डिनरी बसों में ही किया है।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री जी ने मंत्रि यों को बस में बैठ कर सफर करने को इसलिये कहा था ताकि लोगों की कठिनाइयों के बारे में सरकार को मालूम हो सके, साथ ही ड्राईवर और कन्डक्टर के व्यवहार का पता चल सके और यह भी पता चल सके कि बस अड्डों और बस स्टैंडों पर सफाई की क्या व्यवस्था है। अब मैं आपकी मार्फत मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसा सफर करने के अनुभव के पश्चात् कोई रिपोर्ट तैयार की गई है' और यदि तैयार की गई है तो क्या रिपोर्ट के आधार पर कोई इन्स्ट्रक्शन्ज जारी की गई हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इसकी रिपोर्ट तैयार करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि जो मंत्री सफर करके आता है और उसे जो कमियां नजर आती हैं या तो वह संबंधित मंत्री को लिख कर दे देता है या उससे मिल कर उन कमियों के बारे में बता

देता है और संबंधित मंत्री उस पर ऐक्शन ले लेता है। इतना ही काफी है।

श्री दुर्गा दत अत्रीः मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हू कि जब मंत्रियों ने बसों में बैठ कर सफर किया है तो क्या कभी किसी मन्त्री की टिकट किसी कन्डकटर ने या इन्सपैक्टर ने चौक की?

श्री बीरेन्द्र सिंहः मैं सभी मंत्रियों की बात तो नहीं कह सकत लेकिन अपनी बात बता सकता हूं। एक दफा जब मैं बस में सफर कर रहा था तो मेरी टिकट किसी ने चौक नही की बल्कि मैंने खुद कन्डक्टर को चौक किया था। उसके बाद मैंने उस कन्डक्टर की शिकायत मन्त्री महोदय फो लिख करके दी जिस कारण उसे सस्पैन्ड रहना पड़ा।

श्री महा सिंहः मैं मंत्री जी से जानना चाहता हू कि मंत्रियों के बसों में सफर करने के बाद क्या किसी कन्डक्टर को या ड्राईवर को किसी अनियमितता के कारण या चिटिंग के कारण स्सपैन्ड वगैरा किया है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैंने बताया है कि मैंने जिस कन्डक्टर को चौक किया था, उसे बाद में सस्पैन्ड किया गया था।

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री धर्मवीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, मैं अपने सभी. साथियों की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि जिन–जिन मंत्रियों ने बस में सफर करने के बाद जिन ड्राईवर्ज

और कन्डक्टर्ज की शिकायत की थी, उन्हैं तो सस्पैन्ड किया गया है और जिनकी तारीफ की गई, उन्हैं ईनाम भी दिया गया है। मैंने भी अपनी चौकिंग के दौरान दो कन्डक्टर्ज को सस्पैन्ड किया है और एक को ईनाम दिया है।

श्री राम लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि जब मंत्रियों के बस में बैठ कर सफर करने की नीति बनाई गई थी, उस समय जो हमारे क्लास–1 अधिकारी हैं, उनके द्वारा भी बसों में सफर करने की नीति थी। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे कितने अधिकारी हैं जिन्होंने बस में बैठ कर सफर किया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः ऐसे अधिकारियों ने भी जरूर सफर किया होगा लेकिन इस समय मेरे पास इसकी लिस्ट नहीं है।

चौधरी कुलबीर सिंहः मलिक मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जब हमारे मुख्यमंत्री जी ने बस में बैठकर सफर किया तो क्या किसी कन्डक्टर ने या ड्राईवर ने उन्हैं पहचाना तो नहीं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी का तो इतना डील–डोल है कि हमारे ड्राईवर या कन्डक्टर तो क्या, इन्हैं तो दूर से ही सारा हिन्दुस्तान पहचान लेता **श्री बलबीर सिंह चौधरीः** अध्यक्ष महोदय, हरियाणा रोडवेज की बस सर्विस सारे हिन्दुस्तान में उत्तम मानी जाती है। मैं मन्त्री महोदय से यह

जानना चाहता हूं कि क्या वे ऐसी व्यवस्था करेंगे कि हरियाणा के मन्त्री अपने सफर का कम–से–कम पांचवां हिस्सा हरियाणा रोडवेज की बसों में करें?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मन्त्रियों के पास समय की कमी होती है इसलिये ऐसा करना मुमकिन नहीं रहैंगा।

Setting-up a Sugar Mill

***795. Er. Jagpal Singh Chaudhri :** Will the Minister of State for Cooperation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of. the Government to set-up a Sugar Mill near Shazadpur in district Ambala; and

(b) if so, the time by which the afore-said Mill is likely to be set-up ?

Minister of State for Cooperation (.Jr. Raghuvir Singh) :

(a) There is no proposal to set-up a Cooperative Sugar Mill near Shazadpur in district Ambala at present.

(b) Does not arise.

ई० जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि आधे से ज्यादा अम्बाला जिले में प्राईवेट कुल्हाडियों वाले किसानों से 18 से 19 रुपये के भाव से गन्ना खरीद रहैं हैं

? अम्बाला जिले में कुल्हाड़ियों को बेचे जाने वाले गन्ने की मिकदार इतनी ज्यादा है कि उससे एक नई मिल लगाए जाने की बात जस्टिफाई होती है। क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि इस ऐरिये में गन्ना मिल लगाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है?

डा० रघुवीर सिंहः शायद मेरे माननीय साथी का सवाल यह है कि इस एरिया में जहां प्राईवेट क्रैशर वाले 18 या 19 रुपये के भाव से गन्ना खरीद रहैं हैं, वहां पर शूगर मिल क्यों नहीं बनाई गई है? मेरे माननीय साथी. ने अपने सवाल में क्वांटिटी नहीं दी कि कितनी क्वांटिटी इस भाव में बिकी है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को यह बताना चाहता हूं कि इस एरिया के लिये एक ऐप्लीकेशन एक प्राईवेट फर्म ने दी थी। फर्म की ऐप्लीकेशन पर केन कमिश्नर ने गवर्नमैंट को लिखा था नारायणगढ़ और शहजादपुर के एरिया में केन पोटेंशियल इतना नहीं है जो शूगर मिल की रिक्यायरमैंट को पूरा कर सके, अण्डरग्राऊंड वाटर भी बहुत डीप है। ऐरिया को डिवैन्प करने पर बहुत खर्च पड़ेगा। इन बातों को मद्देनजर रखते हुए यह ऐम्लीकेशन अभी गवर्नमैंट के पास पैंडिंग पड़ी हुई है। जब इस पर डिसिजन होगा, माननीय सदस्य को बता दिया जायेगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, हमारे काबिल मंत्री जी ने शहजादपुर में मिल न लगाने की बात कही है। मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि शहजादपुर में मिल कहीं इस कारण से तो नही

लगाई जा रही कि इससे यमुना नगर की शूगर मिल प्रभावित होगी?

डा० रघुवीर सिंहः ऐसी कोई बात नही है। पहले तो यह एरिया डिवैल्प हो जाए, अगर यह एरिया डिवैल्प हो भी जाए तो यह एरिया गन्ना एरिया में डिवैल्प होगा या नहीं, इस पर भी जरूर विचार होगा। स्पीकर साहब, शूगर मिल लगाने का एक प्रोसीजर है। अगर शूगर मिल लगनी है, तो उसके लिए पहले कोआप्रेटिव सैक्टर और फिर पब्लिक सैक्टर में देखेगे। यदि दोनों सैक्टर इन्कार कर दें तभी प्राईवेट सैक्टर को दिए जाने बारे विचार किया जा सकता है। यमुनानगर की मिल की वजह से इन्कार नहीं किया गया है। थी भाग मल स्पीकर साहब, शहजादपुर के अलावा सढौरा, नारायणगढ़, कालका और बरवाला एरिया काफी फर्टाइल इलाका है और वहाँ पर गन्ना बहुत होता है। मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हू कि क्या सारे इलाके को देखते हुए बीच में कहीं शूगर मिल लगाने के बारे सरकार विचार करेगी?

डा० रघुवीर सिंहः उस एरिया में आप को–आप्रेटिव सोसाइटी बना लें, उसके बाद विचार कर लिया जाएगा।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिला में गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों को प्राईवेट कुल्हाडियो वाले 18 रुपये गन्ने का भाव दे रहैं हैं। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता है कि सरकार ने किसानों को इस

ऐक्सप्लायटेशन से बचाने के लिये क्या कोई प्रोविजन किया है और सरकार किसान को इस नुकसान से बचाने के लिये क्या कदम उठा रही है?

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, मेरे माननीय साथी यह सवाल पूछ रहैं हैं कि किसानों को ऐक्सप्लायटेशन से वचाने के लिये सरकार ने क्या किया है। इस सम्बन्ध में मैं बताना चाहूंगा कि किसानों को ऐक्सप्लायटेशन से बचाने के लिये शूगर मिल लगाए गए हैं। शूगर मिल के एरिया के बाहृ के किसानों का जो एक्सप्लायटेशन होता है, इसके बारे में मैं सदन के सामने यह मानता हूं कि सरकार के पास इसका कोई भी समाधान नहीं है क्योंकि हमारे शूगर मिल अपनी कैपेसिटी के हिसाब से और पिछले साल के बौण्ड के हिसाब से गन्ना क्रश करते हैं, उससे ज्यादा गन्ना क्रश नहीं कर सकते। दूसरे, फार्मर को इस बात के लिये खुली छूट है कि गन्ना बाहर ले जा सकता है। यू०पी० के मिलों को भीं दे सकता है। इसलिये सरकार के पास इस तरह की समस्या के समाधान का कोई हल नहीं है।

श्री कान्ति प्रकाश भल्लाः मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या आप इस एरिया में इसलिये कोआप्रेटिव मिल नहीं लगाना चाहते हो क्योंकि जो प्राईवेट मिल लगाने की ऐप्लीकेशन आयी है, उसे आप कंसिडर करना चाहते हो? दूसरे मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जब तक वहां पर मिल नहीं लगता तब तक क्या वहां पर कन्डे का इन्तजाम करेंगे क्योंकि

शहजादपुर और कालका का इलाका भी साथ ही लगता है? हमारे हल्के के साथ बरवाले के हल्के में पानी बहुत ज्यादा लगता है, वहां की जमीन भी जरखेज है। मेरा निवेदन है कि बरवाला या शहजादपुर में कोई न कोई कन्डे का इन्तजाम कर दिया जाये ताकि लोग शाहबाद वाली मिल को गन्ना बेच सकें।

डा० रघुबीर सिंहः स्पीकर सर, मेरे माननीय साथी इनडायरैक्टली वही सवाल पूछ रहैं हैं। जहां तक नारायणगढ़ के साथ बरवाला और शहजादपुर का एरिया इन्होंने बताया है और कहा है कि वहां कन्डा लगा दिया जाये, इसके बारे में मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि इस एरिया को फीड यमुना नगर का मिल करता है जो बहुत बड़ा मिल है। उसकी क्रश करने की कैपेसिटी तकरीबन आठ हजार टन रोजाना की है। वह मिल बौडिड आधार पर उस एरिया का गन्ना लेता है। उस मिल में उस एरिया से बाहर का गन्ना नहीं आ सकता। चाहैं शाहबाद का मिल हो या कोई प्राईवेट सैक्टर का मिल हो, मैं अपने माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि वहां के किसानों को यह समझाया जाये कि क्रौपिंग पैट्रन के आधार पर जब किसानों की गन्ने के बारे में ऐक्सप्लायटेशन होती है, उनका गन्ना मिल एरिया में नहीं आता है और वहां पर कन्डे का प्रोवीजन भी नहीं हो सकता तो क्रौपिंग पैट्रन के हिसाब से कमर्शियल क्रौपिंग या दूसरी क्रौपिंग वे कर सकते हैं। जहां तक मिल लगाने की बात है, उसमें आधा एरिया सब–माउनटेनियस है, आधा एरिया पोटैंशियल वाला एरिया है।

वहां पर आधे एरिया के हिसाब से शूगर मिल नहीं लगाया जा सकता। क्रौपिंग पैट्रन के आधार पर वे दूसरी क्रौप बो सकते हैं।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, कुछ जगहों पर कोआप्रेटिव या दूसरे शूगरमिल लगाये हुए हैं और कुछ जगहों पर मिल लगाने की प्रोपोजल है। मैं आपके द्वारा मंडी महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या बाकी हरियाणा के एरिया में सर्वे करा कर देखा गया है कि जिन मिलों की लगाने की प्रोपोजल है या लगी हुई हैं, वे सारे हरियाणा के गन्ने की पिरायी के लिए सफीशियैट होंगी?

डा० रघुवीर सिंहः जहां तक मिल की सफीशियैसी की बात गै, यह डिपैन्ड करता है क्रौपिंग इनटैंसिटी एन्ड इनटैंसिव कल्टीवेशन औफ दि परटिकुलर क्रौप पर एकड़ की क्या ईल्ड है और कितने एकड़ के अन्दर गन्ना बोया गया है। जहां तक मिल लगाने की रिक्वायरमैंट है, वह शूगर फैड्रेशन औफ इंडिया की तरफ से सात कन्डीशन्ज हैं, जिसमें एक कन्डीशन यह भी है कि चालीस किलोमीटर का फासला एक मिल से दूसरे मिल तक होना चाहिए। एरिया के हिसाब से तो सफीशियैंसी नहीं है लेकिन जहां पर शूगर मिल लगे धै वहां के लोगों में इतनी जागरुकता है कि वे अपने आप सोसाइटी बना कर ऐप्लीकेशन भेजते हैं और उस ऐप्लीकेशन के आधार पर प्रोसैसिंग करके सारी कन्डीशन्ज मीट आउट होती हैं, फिर शूगर मिल लगाने के लिये गवर्नमैंट औफ इंडिया से लैटर औफ इनटैन्ट प्राप्त कर लिया जाता है। जिस

प्रकार से अभी हाल में तीन मिल लगाने का प्रावधान है, उनके लिये हम काफी तेजी के साथ आगे बढ़ रहैं हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि तीनों मिलों की 1990 के दिसम्बर तक चलने की पूरी–पूरी संभावना है।

10.00 बजे।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार को पता है कि यमुना नगर, जगाधरी डोर कुरुक्षेत्र के इलाके में गले की बहुत पैदावार है? क्या उसकी फिजीबिलिटी जानने के लिये कोई सर्वे किया गया है और गवर्नमैंट औफ इंडिया को शूगर मिल के लिये ऐप्रोच किया गया है या नहीं किया गया है? अगर नहीं किया गया है तो क्या सरकार उसकी फिजीबिलिटी इन्वैस्टीगेट करके गवर्नमैंट औफ इंडिया को ऐप्रोच करेगी जिससे वहां के किसानों का प्राईवेट मिल वाले ऐक्सप्लायटेशन न कर सकें?

डा० रघुबीर सिंहः स्पीकर सर, जहां तक यमुनानगर के एरिया की बात है, मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिये यह बता देना चाहता हूं कि शूगर मिल ऐस्टैबलिश करने की तीन कंडीशन्ज हैं। पहले कोआप्रेटिव सैक्टर में, फिर पब्लिक सैक्टर में और लास्ट में प्राइवेट सैक्टर में लगाई जाती है। शायद पहले कोई ऐसी कंडीशन नहीं होगी जब यहां प्राइवेट ' सैक्टर में मिल लगी होगी। लेकिन इस मिल की रिक्वायरमैट के हिसाब से

जो मिल एरिया इसने ले रखा है, उसमें किसी भी तरह से फार्मर्ज की ऐक्सप्लायटेशन नहीं होती क्योंकि प्राइवेट मिल को भी वही भाव देना पड़ता है जो हमारा शूगर केन कन्ट्रोल बोर्ड या सरकार तय करती है। इसलिये उनकी ऐक्सप्लायटेशन का कोई सवाल ही नहीं है।

ई० जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि जगाधरी मिल के अलावा जौ एरिया है उसकी फिजीबिलिटी रिपोर्ट कब ली गयी थी और लेटैस्ट फिजीबिलिटी रिपोर्ट कब ली गयी हैय अगर नहीं ली गयी है तो क्या यह रिपोर्ट सरकार लेने के लिये तैयार है।

डा० रघुवीर सिंहः स्पीकर सर, इस एरिया में शूगर मिल ऐस्टैबलिश करने के लिये 10–7– 1987 को हमारे पास यानी केन कमिश्नर के पास ऐप्लीकेशन आयी। केन कमिश्नर से कमिश्नर, कोआप्रेशन के पास 17– 8– 1987 को आयी और फिर कमिश्नर कोआप्रेशन ने जब पूछा उसके तहत रिप्लाई 21– 8– 1987 को आया था। उस हिसाब से नारायणगढ़ एरिया के अन्दर जो एरिया शूगर केन के नीचे है, वह मेरे पास है। उसमें अलग–अलग सालों का अलग–अलग है। मेरे पास सारे सालों की रिपोर्ट है। अगर दें सारी बताऊं –तो सदन का काफी समय नष्ट होगा। मैं आपको 1986– 87 की रिपोर्ट बता देता हूं। 1986– 87 में 5 किलोमीटर के एरिया में 488 हैक्टेयर में गन्ना था, 5 से 10 किलोमीटर के एरिया में 1311 हैक्टेयर में गन्ना था, 10 से 15 किलोमीटर के

एरिया में 1140 हैक्टेयर में गन्ना था और 15 से 20 किलोमीटर के एरिया में 945 हैक्टेयर में गन्ना था। टोटल इस तरह से 25 किलोमीटर के एरिया में 3886 हैक्टेयर में गन्ना था और प्रति हैक्टेयर गन्ना की जो ईल्ड थी, वह 36– 36 टन के हिसाब से थी। इस सर्वे के हिसाब से वहां पर जो कंडीशन है, वह फुलफिल नहीं होती। पोटैशियल को फरदर एन्हांस करने का भी ज्यादा स्कोप नहीं है। जो शूगर मिल लगती है, वह तकरीबन 2500 टन कैपेसिटी डेली क्रशिंग के हिसाब से लगाई जाती है। उस हिसाब से 160 दिन में अगर हम देखे तो 4 लाख टन के करीब गन्ना होना चाहिये। हमारी जो रिक्वायरमैट है, वह. मीट आउट नही होती। चौधरी साहब, इस डायरैक्शन में थोड़ा सा लोगों को समझाएं और ऐ ग्रीकल्चर डिपाट मैट की मदद से लोगों से इस ढंग से खे ती करवायें कि वहां पर केन एरिय डिवैल्प हो जाये और हमारी कंडीशन पूरी हो जाये। अगर हमारी रिक्वायरमैट पूरी हो जाये, तब सोचा जा सकता है।

Construction of Pucca Roads

***724. Shri Maha Singh :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following pucca roads in district Sonipat :

1. Chhatera to Rathdana

2. Kheri Mannagat to Nahri,

3. Safiabad to Manirpur,

4. Levan to Rathdana,

5. Bindroli to Nasirpur,

6. Jajal to Dhani Chann,

7. Manoli to Toki,

8. Raipur to G.T. Road ; and

(b) if so, the time by which the above-said roads are likely to be constructed?

Public Works Minister (Shri Om Parkash Bhardwaj) :

(a) 1. No

2. No.,

3. Yes;

4. Yes;

5. No;

6. No;

7. No;

8. No.

(b), No time limit can be prescribed for the works at Sr. No. 1,2,5,6,7,8, as these are not approved for construction. The work at Sr. No. 3 & 4 will be completed as

early as possible depending upon the availability of funds.

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने नम्बर एक के लिये 'नो' कहा है। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन के दौरान मन्त्री जी का लिखित में उत्तर था कि इसको कम्पलीट कर दिया जाएगा। इस बार इन्का इसके बारे में 'नो' में जवाब है। अध्यक्ष महोदय, यह सड़क आज से दस साल पहले से आधी कम्पलीट है लेकिन उस वक्त एक आदमी ने कोर्ट में केस करके कोर्ट से स्टे ले लिया और. इस झगड़े केकारण अगला काम रुक गया। अब वह स्टे टूट चुका है और अर्थ वर्क भी कम्पलीट है। क्या मन्त्री जी इस सड़क को जल्दी बनाने पर विचार करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, इस सड़क पर लगभग साठ लाख रुपया लागत आने का अनुमान था। प्लान के मुताबिक इन गांवों को सीधी सड़क से जोड़ने के लिये रेलवे क्रौसिंग बनना था और ड्रेन नम्बर छः पर एक पुल बनना था। इसलिये इस रोड का अभी बनना सम्भव नहीं है।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस सड़क पर कोई भी रेलवे ब्रिज नहीं बनना था। मैं आपकी तथा हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हू कि नब्बे लाख रुपया मार्किट कमेटी सोनीपत ने इस सड़क के लिए दिया था, आधी से ज्यादा सड़क कम्पलीट है और इस पर कही भी कोई ब्रिज नही बनना है।

Mr. Speaker : He will look into it.

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, मेरे पास तो इंफरमेशन यही है लेकिन फिर भी मैं इसे चौक करा दूंगा।

श्री अध्यक्षः अगर आपके पास इंफरमेशन गल्त है तो severe action should be taken against the officers who have submitted wrong information.

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, दिल्ली जाते हुए जिला सोनीपत में मूरथल से राई–कुण्डली तक नेशनल हाई वे है और वहां डबल रोड है। लोग कहीं से भी रोड काट देते हैं जिससे ऐक्सीडैटंस हो जाते हैं। क्या मण्डी महोदय बताने की कृपा करेंगे कि रोड कट करने का क्या क्राईटेरिया है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, इसके लिए अलग से नोटिस चाहिए।

उप–मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, जहां तक डा० महा सिंह का प्रश्न है, मैं समझता हूं कि इसमें कोई मिस अन्डरस्टैंडिग है। डा० साहब ने किसी और सड़क के बारे में पूछा है और मन्त्री जी ने किसी और सड़क का विवरण–दें दिया है। इसलिये मैं डा० साहब से प्रार्थना करूंगा कि वे मण्डी महोदय के चौम्बर में चले जाएं और वहां देख लें कि वह कौन सी सड़क है, जिसको वे बनवाना चाहते हैं।

श्री महा सिंहः ठीक है जी। तारांकित प्रश्न संख्या 785

यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य, श्री मनी राम, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Contracts Allotted to. Corporations

***826. Shri Gurdial Singh Saini and Shri Hira Nand Arya :** Will the Chief Minister be pleased to state the details of the contracts allotted to Scientific and Engineering Corporation including Ajay Scientific Corporation and R.M Forma by the Medical College, Rohtak during the last five years?

Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh) : A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Supply orders executed by M/s Haryana Scientific & Engg. Corp. Rohtak from 1984-85 to 1988-89.

Sr. No.	Name of item	Supply order No.	Date	Bill No.	Date	Amount
1	2	3	4	5	6	
						Rs.
	I.V. Set & Syringes.	8881	17-8-84	6725	22-8-84	2,237.72
	IN. Set.	9587	11-9-84	6787	11-10-84	3,182.40
	Dental	9859	14-9-84	1810-16	31-10-84	22,218.22

	Instruments					
	Instruments.	11176	29-10-84	6923	19-12-84	16,659.15
	Instruments.	11176	29-10-84	6924	11-12-84	7,201.19
	Cotton	225	21-1-85	6968	21-1-85	9,860.29
	B.T. Set.	9587	11-9-84	6980	23-1-85	3,642.80
	Instruments.	8180	25-6-85	7525	27-6-85	32,771.99
	Suture needle	8478	2-7-85	7254	25-7-85	12,130.30
	Barbar thread	8478	2-7-85	7260	26-7-85	1,561.20
	Do	Do	Do	7279	9-8-85	22,798.72
	Do	Do	Do	7008	2-9-85	9,664.78
	Do	Do	Do	7321	10-9-85	4,119.49
	Instruments.	9881	12-8-85	7349	3-10-85	23,659.91
15.	Equipments.	2938	28-3-86	7682	28-3-86	6,801.82
16.	Instruments.	2192	14-3-86	7755	5-4-86	39,839.48

	I.V. Sets.	5869	8-7-86	8041	11-8-86	43,71 3.60
	Do	Do	Do	8065	11-9-86	49,958.40
	Barbar Thread	7698	5-9-86	81 32	10-10-86	3,434,64
	Do.	150/HR /GI/86-87/260	15-10-87	8141	23-10-86	36,948.46
	Do	Do	Do	8238	25-11-86	22,637.40
	Instruments.	11736-	30-12-86	8278	2-1-87	6,869.28
	B.P. Blades.	1553	2-2-87	8404	7-3-87	3,994.30
	Do.	2092	24-2-87	8405	7-3-87	6,612.47
	B.T. Set.	5813	4-3-87	8399	4-3-87	29,142.40
	Instrument	3383	22-3-87	8698	16-9-87	6,740.72
	Do.	Do.	Do.	8699	16-9-87	1,305.47
	E.C.G. Rolls	8976	29-9-87	8877	27-11-87	40,366.72
	Instruments.	9902	7-11-87	8883	23-12-87	24,775.89
	Adhasive plaster.	11660	30-12-87	8985	11-2-88	9,787.50
	E.C.G. Paper	4857	30-5-88	9326	26-7-88	5,011.20

	Do.	5588	21-6-88	9328	26-7-88	4,971.26
	I.V Set.	8281	19-9-88	9415	23-9-88	3,915.00
	E.C.G. Papers.	8043	12-9-88	9528	15-12-88	8,149.35
	B.P. Apparatus/ Clinical Therma	meter. 731	24-1-89	974	1-2-89	20,358.00
	Instruments.	9877	13-8-85	7348	3-10-85	21,0400.03
	Do.	2192	17-3-86	7650	24-8-86	5,836.82
	Needles.	2377	17-3-87	7958	25-6-86	3,934.81
	Do.	5927	10-7-86	8009	26-7-86	3,991.48
	Do.	7597	3-9-86	8100	23-9-86	9,176.52
	Do.	843	27-1-87	8351	7-2-87	36,076.72
	Syringes.		-	3133	21-5-87	3,999.80
	Needles.	-		8772	21-10-87 '	3;990.42
	Gloves.	19	11-2-88	8987	11-12-88	3,992.26
	Syrings.	10956	30-11-88	9527	25-12-88	51,948.61
	Chemicals.	9593	11-9-84	6775	10-10-84	8,417.57
	Do.	9941	12-8-85	7284	16-8-85	15,491.56

	Do.	13084	11-8-85	7446	2-12-85	4,704.42
	Do.	9947	12-8-85	7429	28-11-85	3,834.92
	Do.	5807	.5-7-86	7992	15-7-86	943.96
51.	Do.	5566	1-7-86	8038	6-6-86	457.95
	Do.	Do.	Do.	8042	11-8-86	1,946.78
	Do.	5566	1-7-86	8089	13-9-86	6,754.79
	Do.	8075	18-9-86	8162	27-10-86	4,607.44
	Do.	Do.	18-9-86	8205	13-1-87	3,593.50
	Do.	9601	30-10-86	8247	5-12-86	2,472.94
	Do.	11735	30-12-86	8322	16-1-87	1,987.93
	Do.	885	1-1-87	8343	3-2-87	3,979.16
	Do.	810	23-1-87	8344	3-2-87	25,756.15
	Do.	Do.	Do.	8348	3-2-87	13,796.00
	Do.	71	5-1-87	8372	19-2-87	9,718.47
	Do.	1491	6-2-87	8420	. 12-3-87	3,642.80
	Do.	1035	27-1-87	8425 -	12-3-87	8,033.61
	Do.	2265	26-2-87	8461	13-3-87	14,856.38

	Do.	2249	26-2-87	8464	24-3-87	1,679.36
	Do.	1491	6-2-87	8480	25-3-87	416.32
	Do.	3280	23-3-87	8486	29-3-87	6,040.81
	Do.	3280	23-3-87	8407	28-3-87	33,738.03
69.	Do.	4368	15-4-87	8536	22-4-87	3,608.82
	Do.	3377	24-3-87	8546	27-4-87	6,725.64
	Do.	3072	30-3-87	8540	24-4-87	1,417.56
	Do.	3702	30-3-87	8575	11-5-87	2,599.92
	Do.	3280	23-3-87	8578	25-5-87	- 6,630.40
	Do.	7062	27-7-87	8657	3-8-87	978.34
	Do.	8966	9-9-87	8743	12-10-87	1,000.98
	Do.	10399	19-11-87	8834	20-11-87	2,706.08
	Do.	8602	16-9-87	8829	17-11-87	4,113.34
	Chemicals	8742	19-9-87	8881	18-12-87	5,592.22
	Do.	9777	6-11-87	8879	16-12-87	23,890.10
	Do.	913	1-2-87	8891	5-2-87	15,221.52
	Do.	918	1-2-87	8964	7-2-87	21,989.46
	Glass Ware.	8326	9-9-87	9064	1-3-88	4,284.57

	Chemicals	7063	7-3-87	9119	23-3-87	2,701.35
	Do.	3790	19-4-87	9252	1-6-88	1,774.80
	Do.	6167	16-8-88	9844	16-8-88	3,645.64
	Do.	5900	1-7-88	9845	16-8-88	1,828.04
	Do.	6243	18-7-88	9848	16-8-88	3,935.88
	Glass ware	9857	31-10-88	9882	17-11-88	5,220.00
	Chemicals	10292	11-11-88	9533	30-11-88	1,15,612.56
	Do.	11199	7-12-88	9675	5-1989	9,396.00
91.	Do,	11078	2-12-88	9676	5-1-89	9,928.80
92	Do	1256	6-2-89	9732	14-2-89	1,747.65
				Total	Total	11,24,529.67

(B) Supply order executed by M/s Ajay Scientific Agency, Rohtak,

from 1984-85 to 1988-89

Sr. No.	Name of item	Supply order No.	Date	Bill No.	Date	Amount

						Rs.
1.	Glass ware	5787	5-7-87	158	14-7-86	58,883.46
2.	Do.	Do.	Do.	185	14-8-86	27,486.73
3.	Do.	Do.	Do.	200	22-8-86	17,176.25
4.	Do.	Do.	Do.	215-16	18-9-86	22,153.83
5.	Do.	Do.	Do.	254	27-10-86	1,908.80
6.	Do.	Do.	Do.	268	5-9-86	9,140.70
7.	Do.	9075	15-10-86	269	10-11-86	922.10
8.	Do.	Do.	Do.	282	15-11-86	3,773.95
9.	Do.	Do.	Do.	283	15-11-86	1,952.55
10.	Do.	Do.	Do.	335	5-1-87	40,838.86
11.	Do.	Do.	Do.	369	4-2-87	12,695.98
12.	Do.	1220	29-1-87	371	9-2-87	5,065.69
13.	Glassware	Do.	Do.	386	12-2-87	27,725.00
14.	Do.	Do.	Do.	387	18-2-87	3,331.12
15.	Do.	Do.	Do.	388	18-2-87	6,264.77
16.	Do.	3179	30-12-86	389	18-2-87	8,354.78
17.	Do.	Do.	Do.	474	18-2-87	16,944.28
18.	Do.	1747	17-9-86	476	30-3-87	6,290.80

19.	Do.	1220	19-1-87	484	31-3-87	5,405.95
20.	Do.	1419	15-2-87	"645	22-2-88	13,100.70
21.	Do.	Do.	Do.	646-47	25-2-88	45,700.27
22.	Do.	Do.	Do.	676	1-3-88	12,133.68
23.	Do.	Do.	Do.	698	28-3-88	17,881.10
24.	Do.	7594	3-8-88	863	5-9-88	1,29,269.47
25.	Do.	Do.	Do.	865	6-9-88	793.44
26.	Do .	7594	3-8-88	896	9-12-86	36,463.52
27.	Do.	Do.	Do.	898	Do.	2,355.52
28.	C.S.S.D.	10152	10-11-88	902	20-12-88	65,498.47
29.	Do.	2218	10-3-88	697	28-3-88	64,362.60
				Total		6,58,574.36

Supply orders executed by R.M. Forma, Robtak. from 1984-85 to 1988-89.

Sr. No.	Name of item	Supply order No.	Date	Bill No.	Date	Amount
						Rs.
1.	Gauze	5549	11-	156	24-5-85	29,870.00

			5-84			
2.	Do	298.1	19-3-84	154	1-5-84	15,450.00
3.	Do.	6876	15-6-84	176	1-8-84	29,870:00
4.	Phenyle	9090	22-8-84	183	25-8-84	5,151.96
5.	Do.	Do.	Do.	187	10-9-84	5,844.30
6.	Do.	Do.	Do.	192	24-9-84	17,095.14
7.	Gauze	9151	4-9-84	193	24-9-84	28,282.00
8.	Do.	Do.	Do.	196	19-10-84	1,648.00
9.	Do.	Do.	Do.	203	15-11-84	9,682.00
10.	Gauze	Do.	4-9-84	211	3-12-84	20,188.00
11.	Do.	1331	21-12-84	230	4-12-85	55,002.00
12.	Do.	2616	14-2-85	252	2-3-85	30-900-00
13.	Do.	Do.	Do.	251	2-3-85	35,020.00
14.	Bandages.	2119	14-2-85	253	2-3-85	51,600.00
15.	Medicines.	10121	14-8-85	326	9-10-85	29,725.25
16.	Do.	Do.	Do.	335	22-10-85	1,845.34
17.	Do.	13715	2-1-86	347	10-1-86	16,100.38
18.	Do.	1695	28-2-86	370	5-3-86	7,681.10
19.	Do.	Do.	Do.	371	6-3-86	1,311.41

20.	Do	2317	12-3-83	444	26-3-88	19,877.76
					Total	4,12,144.64

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने डिटेल्ड जवाब में जो सूचना दी है, उस सम्बन्ध में मैं उन से यह जानना चाहता हूं कि जो दवाइयां खरीदी गई, क्या वह सारी टैन्डर्ज द्वारा खरीदी गयीं या कोटेशन्ज के आधार पर भी ली गई हैं? जिन– जिन एजेन्सीज /कारपोरेशन्न से ये दवाईयां खरीदी गयीं, क्या इनके अलावा कोई और कंपनियां भी कम्पीटीशन में थीं? अगर और कंपनियां भी कम्पीटीशन में थीं, तो वे कौन–कौन सी थी?

श्री वीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैडीकल कालेज में जिस सामान की जरुरत होती है और जो आईटम्ज 10 हजार से बिलो होती हैं, उसके लिये एक परचेज कमेटी बनी हुई है और उस परचेज कमेटी के चेयरमैन वहां के मैडीकल सुप्रिन्टैन्डैन्ट होते हैं। पांच–सात प्रोफेसर उस परचेज कमेटी के सदस्य होते हैं। 10 हजार से०पर की यदि आईटम्ज परचेज करनी हों, तो उसके लिये एक स्पैशल परचेज कमेटी बनी हुई है जिसके चेयरमैन सैक्रेटरी हैल्थ होते हैं और उसके भी और पांच सात मैम्बर होते हैं। 10 हजार से कम की जो आईटम लेते हैं, वह या तो ऐप्रूवड सोर्स से ले लेते हैं या फिर रेट कंट्रैक्ट से लेते हैं। अगर दोनों से ही अवेलेबल न हों तो उसके लिये टैन्डर काल किये जति हैं।

बाकायदा ऐडवर्टाइजमैंट करायी जाती है और जिनका टैन्डर लोएस्ट हो, उनसे दवाइयां खरीद ली जाती हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि दवाइयां जो खरीदी गई, उनमें से कितनी ओपन टैन्डर से खरीदी गईं और कितनी कोटेशज द्वारा खरीदी गई?

श्री वीरेद्र सिंहः स्पीकर सर, ये पिछले पांच सालों की सूचना मांग रहैं हैं। सैकड़ों आइटम्ज खरीदी जाती हैं। कौन सी आइटम ओपन टैन्डर से और कौन–सी किस तरीके से खरीदी गयीं, इतनी डिटेल्ड इंफमर्शेन देना पौसीबल नही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन तीन एजेंन्सियों या कारपोरेशन्ज से दवाइयां खरीदी गई, क्या इन तीनों का मालिक एक ही परिवार से है? क्या फाइनैन्शियल ऐडवाईजर से उनका कोई रिश्ता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मुझे मालूम नहीं है।

Flood Control Projects

***814. @Shri Harnam Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the number of flood control projects sanctioned in the meeting of State Flood Control Board held on 31-1-89 together with the district-wise details thereof?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : 168 number schemes were sanctioned by Haryana State Flood Control Board in its meeting held on 31-1-89. Districtwise detail is :—

District	No. of schemes approved
Ambala	57
Kurukshetra	15
Karnal	17
Jind	15
Sirsa	4
Hisar	12
Sonipat	11
Rohtak/Bhiwani	16
Faridabad	17
Mohindergarh	1
Gurgaon	3

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इन स्कीम्ज के लिये कितना पैसा रखा गया है और इन पर काम कब शुरू हो जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन स्कीमों पर जो ऐस्टीमेटेड कौस्ट है, वह 24 करोड़ 15 लाख रुपए है। इनके टैंडर इन्वाईट किए जा रहैं हैं। फौरी तौर पर काम शुरू होने वाला है।

ई० जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इन स्कीम्ज में मिनि डैम्ज भी शामिल हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मिनि डैम्ज शामिल नहीं हैं।

श्री रत्न लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि मरे रादौर हल्के के अन्दर यमुना नदी ने जो बाढ़ से विनाश लीला की है, उस पर कितने रुपए खर्च किए जाएंगे ताकि आगे से और नुक्सान न हो?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, कुल ऐप्रूव्ड 168 स्कीमें हैं। मैं इनको लिस्ट दे दूंगा, ये उसमें से देख लेगे। वैसे कवर सारी कर दी हैं।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, अम्बाला के लिए 57 स्कीम्ज हैं, क्या ये अगले रेनी सीजन से पहले कम्पलीट हो जाएंगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन सभी स्कीम्ज की कौस्ट 24 करोड़ रुपए से०पर है लेकिन हमारे पास जो इस समय पैसा अवेलेबल है वह 13 करोड़ रुपया है। हम इन –स्कीम्ज को

शुरू कर रहैं हैं और इनकी प्रायरिटी भी फिक्स करेंगे। जो बहुत जरूरी स्कीमें हैं उनको तो हम कोशिश करेंगे कि रेनी सीजन से पहले कम्पलीट कर दें। जो बहुत जरूरी स्कीमें नहीं हैं उनको सैकिंड फेज में करेंगे।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, मारकंडा पर पहाड़ी पुर के पास कटाव की वजह से सात गांवों को खतरा हैं

श्री अध्यक्षः अगर आप चार या सात गांवों का जिक्र करेंगे तो उसका जवाब देना पौसिबल नहीं है।

श्री भाग मलः वहां पर कटाव है, मैं जानना चाहता हूं कि क्या वे स्कीम में हैं या नहीं?

श्री अध्यक्षः यह बताना पौसिबल नहीं है।

ई० जगपाल सिंहः चौधरी स्पीकर साहब, मैं जानना चाहता हूं कि 24 करोड़ रुपए में से अम्बाला जिला के लिए कितना रूपया रखा गया है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अम्बाला जिला के लिए 2 करोड़ 81 लाख 65 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

श्री महा सिंहः सोनीपत जिले के लिए कितने पैसे हैं?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मन्त्री जी रोहतक के बारे में भी बता दें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं सभी जिलों का बता देता हूं। सोनीपत तीन करोड़ 34 लाख 39 हजार रुपये, अम्बाला मैं बता ही चुका हूं, कुरुक्षेत्र 93 लाख 30 हजार रुपये, करनाल 4 करोड 29 लाख 50 हजार रुपये, जींद 1 करोड़ 10 लाख 21 हजार रुपये, सिरसा 5 करोड़ 42 लाख 38 हजार रुपये, हिसार 2 करोड़ 40 लाख 22 हजार रुपए, रोहतक भिवानी 1 करोड़ 84. लाख 22 हजार रुपए, फरीदाबाद 1 करोड 64 लाख 58 हजार रुपये, महैंन्द्रगढ़ 21 लाख 57 हजार रुपये और गुड़गांव 13 लाख 56 हजार रुपए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जब और जिलों की अलग–अलग राशि दी गई है तो रोहतक और भिवानी को क्यों जोड़ दिया गया है? दूसरे हमें सिरसा के मुकाबिलें पैसा कम क्यों दिया गया है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, रोहतक भिवानी की स्कीम इसलिए इकट्ठी की है कि इसकी जुरिसडिक्शन दोनों जिलों में पड़ती है। बाकी सब अलग–अलग स्कीमें हैं। वैसे भी ये पड़ोस में हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि भिवानी रोहतक पड़ौस में है तो क्या सिरसा वहां से चार सौ किलोमीटर पर है। वहां पैसा ज्यादा क्यों दिया गया **श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, जैसे मैंने पहले बताया है कि इस स्कीम में चूंकि दोनों

जिलों का इलाका आता है इसलिए इसको इकट्ठा कर दिया है। इसके अलावा भिवानी में चूंकि फ्लड नहीं आते, इसलिए सिरसा से इस स्कीम के पैसे कम हैं।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसी बारिश के मौसम में बड़ा भंयकर फ्लड आया और यमुना ने अपना रुख उत्तर प्रदेश की बजाय हरियाणा की तरफ कर लिया जिसके कारण हरियाणा की तरफ बहुत ज्यादा कटाव हुआ। मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं और क्या मन्डी जी आश्वासन देंगे कि अगली बारिश से पहले–पहले इन्तजाम कर दिया जाएगा ताकि हरियाणा की तरफ कटाव की नौबत न आए?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नहीं कि इस बार भंयकर फ्लड आया था। डाक्टर महा सिंह, श्री पीरू राम और श्री लछमन सिंह कम्बोज के हल्कों में फ्लड से बहुत ज्यादा नुक्सान हुआ। डाक्टर महा सिंह जी ने जब मुझे आदेश दिया तो मैं रात के दस बजे यमुना पर गया और जब मैंने यमुना को देखा तो उस समय वहां फ्लड के कारणं बहुत बुरा हाल था। जो 13 करोड़ रुपया हमारे पास अवेलेबल है, इससे हम जो वलनरेबल प्वायंट समझते हैं, उन पर काम शुरू किया जाएगा और वहां पर सरकार जितना ज्यादा से ज्यादा काम कर सकेगी, वह करेगी। इसके अलावा, मैं यह भी बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने जब 1977 में चार्ज लिया था तो 1978–79 में बहुत भंयकर फ्लड आया था और साहिबी नदी ने 100 साल पुराना फ्लड का

रिकार्ड तोड दिया था। उस समय हमने एक मास्टर प्लान बनाई थी। उस प्लान के तहत इस सरकार ने उस समय मेवात के एरिया के लिए काफी पैसे का प्रबन्ध किया था जिसके कारण उस एरिया में आज तक फ्लड नहीं आया है। फिर सवा दो साल के बाद यह सरकार चली गई और नई सरकार आ गई जिसने 8–9 साल तक कोई काम नही किया। अब फिर चौधरी देवी लाल जी की रहनुमाई में यह सरकार आई है और हमने इस काम के लिए 13 करोड़ रुपए रखे हैं ताकि हरियाणा में फ्लड न आएं।

Minor from Chandi to Khadwali

***822. Chaudhri Sri Krishan Hooda :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct minor from Chandi to Khadwali; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

Irrigation and Power Minister (Shri Ye render Singh) : Yes, The Construction work of the minor (Khadwali Minor) from Village Chandi to village Khadwali is in progress. It is likely to be completed by 31st December, 1989, subject to the availability of funds.

चौधरी श्री कृष्ण हुड्डा: स्पीकर साहब, इस माईनर को मुकम्मल करने से चार गांवों को फायदा है। सिर्फ इस पर थोड़ा सा पैसा खर्च होना है। मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या प्रायरिटी दे कर इस माईनर को मुकम्मल किया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस माईनर का 95 परसैंट अर्थ वर्क का काम कम्पलीट हो चुका है। इस माईनर पर एक हैड रेगुलेटर और एक ब्रिज बनना बाकी रहता है। डिपार्टमैंट ने यह काम कम्पलीट करने के लिए 31 दिसम्बर की तारीख दी है लेकिन मैं डिपार्टमैंट को कह करके इस काम को 3– 4 महीने पहले कम्पलीट करवा दूंगा।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मेरी सप्लीमैंटरी फ्लड कंट्रोल के बारे में है। अगर मन्त्री जी उसका जवाब देना चाहैं तो मैं आपकी इजाजत से पूछ लूं?

श्री अध्यक्षः फ्लड कन्ट्रोल के बारे में पिछला सवाल था यह सवाल तो माईनर के बारे में है।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मैंने कहा है कि यदि मन्त्री जी जवाब देने के लिए तैयार हैं तो मैं पूंछ लूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इनको पूछ लेने दें, मैं उसका जवाब दे दूंगा।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मेरे हल्के धिराए में एक गांव सिसाय है। फ्लड के कारण उस गांव की फसलें तबाह हो गईं थीं। वहां पर एक माईनर हैं, उसको मुकम्मल किया जाए ताकि वह गांव फ्लड से बच जाए। इसी तरह से सातरोड और छोटी सातरोड के बीच में एक माईनर को कम्पलीट करने का काम है, उसको भी कम्पलीट किया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हिसार जिले के लिए जो स्कीमें बनाई गई हैं उसमें यह सिसाय और सात रोड की, यानी दोनों स्कीमें शामिल की गई हैं।

Construction of New Roads in Jagadhri Constituency

***853. Dr. Brij Mohan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether any new roads, four lane roads and link roads have been constructed during the year 1988-89 (to-date) in Jagadhri constituency; and

(b) if so, the details thereof togetherwith the length of each road separately ?

Public Works Minister (Shri Om Parkash Bhardwaj) :

(a) Only link roads have been constructed.

(b) The following three number link roads have been completed upto metalling during the year 1988-89 :-

		Length in Km.
(i)	Damla to Kamboj Ka Majra	0.39
(ii)	Kheri Darshan Singh to School.	0.28

(iii)	Sabilpur Jattan to School.	0.43

डा० बृज मोहनः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि 20–3– 1988 को मुख्य मन्त्री जी खुण्डे वाल गांव गए थे और उस समय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी कि खुण्डेवाल से मुसीम्बल गांव तक का जो सवा किलोमीटर का टुकड़ा है, उसे पक्का बना दिया जायेगा। मैं मंत्री जी को यह भी बताना चाहता हूं कि वहां पर एक नौजवान की मृत्यु भी हो गई थी जिसके आधार पर उस रोड का नाम बलकार सिंह रोड रखा हुआ है। इस बारे में मैंने भी लिख कर दिया हुआ है और मुख्य मन्त्री जी की भी घोषणा की हुई है। क्या मन्त्री जी इस सवा किलोमीटर टुकड़े को पक्का करायेंगे त

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, जो मुख्यमंत्री जी की घोषणा है उसका आदर किया जायेगा।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि एक साल के दौरान कितने किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री भगवान सहाय रावतः अधयक्ष महोदय, मंत्री जी ने इस सवाल के उत्तर में बताया है कि मेन रोड से कुछ स्कूलों को

पक्की सड्कों से जोड़ दिया गया है। अब मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि समस्त प्रदेश में जो स्कूल मेन रोड से अभी तक नहीं जुड़े हैं, क्या उन्हैं मेन रोड. से जोडने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः यह सब धन की उपलब्धि पर निर्भर करता है। जब भी हमारे पास धन उपलब्ध होगा, ऐसे स्कूलों को मेन रोड से जोड दिया जायेगा।

Religious Institutions

***873. Shri Kanti Parkash Bhalla : Will** the. Deputy Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a trust of religious institutions in the State ?

राजस्व मन्त्री (श्री सूरज भान): जी नहीं।

श्री कान्ति प्रकाश भल्लाः अध्यक्ष महोदय, कई दफा उप मुख्य मन्त्री महोदय की तरफ से भी और रैवेन्यू मिनिस्टर की तरफ से भी यह घोषणा हुई है कि हरियाणा में जो धार्मिक स्थल यानी रिलिजियस इन्हटीच्यूशन्ज हैं, उनके लिए ट्रस्ट वगैरा बनाये जायेंगे, जैसे जम्बू कश्मीर सरकार ने बनाये हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा में जो रिलिजियस प्लेसिज, जैसे मन्दिर आदि हैं, क्या उनके लिए ट्रस्ट वगैरा बनाये जायेंगे? पहले यह घोषणा थी कि बनाये जायेगे लेकिन अब यह विचार क्यों छोड़ दिया गया है?

श्री सूरज भानः मैंने यह कहा है कि यहां पर ट्रस्ट नहीं बनाया जा रहा है। यह जरूर है कि हमारे यहां पर जो धार्मिक स्थल हैं, जिनकी आमदनी ज्यादा उनका इन्तजाम ठीक हो जाये इस के लिए सरकार कानून बनाने पर बिक रही है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि कई प्राईवेट लोगों ने प्राईवेट ट्रस्ट बनाये हुए हैं और यदि मैं गलती पर नहीं हूं तो शायद मोरनी में भीं किसी ने प्राईवेट ट्रस्ट बनाया हुआ हैं?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, ऐसे जितने भी धार्मिक स्थान है जिनकी आमदनी ज्यादा है और जो पब्लिकली इस्तेमाल होते हैं उनको जरूर कानून में शामिल किया जायेगा।

श्री भाग मलः मैं मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि हमारे यहां पर कपाल मोचन मेले कीर आमदनी भी बहुत ज्यादा होती है और उस पर खर्चा भी बहुत ज्यादा आता है। क्या उसके लिए कोई ट्रस्ट बनाना सरकार के विचाराधीन है?

श्री सूरज भानः फिलहाल तो नहीं है।

श्री मंगल सैनः अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि ऐसे धार्मिक स्थलों के इंतजाम के लिए कानून बनाना सरकार के विचाराधीन है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस कानून के सेलियैंट फीचर क्या हैं?

श्री सूरज भानः मैंने यह निवेदन किया है कि जिन स्थलों की आमदनी ज्यादा है और उनकी इन्कम का ठीक इस्तेमाल नहीं हो रहा, उनको चौक किया जायेगा। इसके लिए हमने हिमाचल प्रदेश, केरल स्टेट, जम्मू एण्ड कश्मीर और राजस्थान आदि राज्यों से ब्यौरा मांगा हुआ है। उसके आने के बाद ही हम कोई अन्तिम फैसला लेंगे।

Mr. Speaker : Question Hour is over.

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी दो कालिंग अटैंशन मोशन थी, उनके बारे में क्या फैसला किया गया हैं?

श्री अध्यक्षः फरीदाबाद में राख से लोगों की हैरासमैट के बारे में आपकी जो कालिंग अटैंशन मोशन है वह 28 फरवरी के लिए ऐडमिट कर ली गई है। दूसरी अभी अन्डर कंसीडेरशन है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, मैंने लोक महत्व के एक विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक कालिंग अटैंशन मोशन दी थी। हरियाणा के फरीदाबाद जिले और यू० पी० के बुलन्द शहर जिले की सीमा पर यू० पी० की पी० ए० सी० ने गोलियां चलाई, हरियाणा के लोगों को घायल किया है और गांव के लोगों को लूटा है । स्पीकर सर, सारे इलाके में बड़ी दहशत है और यह बिल्कुल अनहोनी बात हुई है । सरकार इस मामले पर

वक्तव्य देकर स्थिति स्पष्ट करने की कृपा करे कि यह मामला क्या है ।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपने यह कालिंग अटैंशन मोशन कब दी हे?

श्री मंगल सैनः आज ही दी है ।

श्री अध्यक्षः यह अभी औफिस से ऐग्जामिन हो कर मेरे पास पहुंची नहीं है ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर मैंने आज अखबार में पढ़ा और कालिंग अटैशन मोशन दे दिया आप मुझे ऐप्रिशियेट तो कीजिए ।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं तो आपको हमेशा ही ऐप्रिशियेट करता हूं और ऐप्रिशियेट करने के लिए आपके कमरे में भी जाता हूं । मैं वहां किसी और काम से नहीं जाता हूं । (हंसी)

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, यह तो आपकी जर्रानवाजी है । आपके मेरे कमरे में आने से कमरे की शोभा बढ़ जाती है । लेकिन रिकार्ड को स्ट्रेट रखने के लिए मैं निवेदन कर दूं कि मेरे कमरे में सिवाये पढाई–लिखाई के और कुछ नहीं होता है । (हंसी)

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): इन्हें शक

क्यों हुआ? (हंसी)

श्री मंगल सैनः आप जैसे बिचौलियों के कारण । (हंसी)

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, कंब मैं आपके आदेश से सदन से बाहर चला गया था । मेरी अनुपस्थिति में सदन के काबिल मंती ने मेरे विरुद्ध कुछ आरोप लगाए थे । में उनके बारे में अपनी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं?

Mr. Speaker : Please take your seat.

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, रूल 63 के तहत मैंने इस बारे में लिख कर भी प्रार्थना की है ।

Mr. Speaker : I have rejected that.

श्री रघु यादवः स्पीकर साहब, मेरी बात तो सुन लीजिये ।

Mr. Speaker : No, Mr. Yadav . Please sit down. (Interruptions & Noises).

श्री रघु यादवः स्पीकर सर, ...

Mr. Speaker : This is not the way. I won't allow you. Nothing is to be recorded.

श्री रघु यादवः .....

श्री वीरेन्द्र सिंहः बिना चेयर की परमिशन के किसी को बोलने की इजाजत नहीं होनी चाहिए।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर है।

Mr. Speaker : Even if it is Zero Hour, you cannot speak without my permission. Zero Hour does not mean Halla-gulla. I won't permit you to speak like this. Please take your seat.

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में गोलियां चलने के बारे में मैंने एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया था, उसका क्या बना?

Mr. Speaker : That is under consideration.

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी के सम्बन्ध में और बिजली की कमी के कारण परेशानी के बारे में मैंने कालिंग अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था, उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः वह सरकार को कमैंटस के लिए भेज दिया गया है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों में असन्तोष के बारे में भी मैंने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्षः वह भी गवर्नमैंट को कमैंटस के लिए भेजा हुआ' है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा से बाहर जो पशुओं को ले जाने पर पाबन्दी लगाई गई है, उसके बारे में भी मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था। उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्ष: यह भी गवर्नमैंट को कमैंट्स के लिए भेजा हुआ है।

श्री कैलाश चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, आपकी सेवा में मैंने एक एस० एच० ओ० के खिलाफ डौकुमैंट्स के साथ एक प्रिवलेज मोशन दिया हुआ है, उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्ष: वह अन्डर कंसीड्रेशन है। Let us proceed further.

अनुपस्थिति की अनुमति

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, राव लक्ष्मी नारायण, इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग मिनिस्टर, की ओर से मुझे इटिमेशन मिली है कि वे 27 फरवरी, 1989 तथा 7 मार्च, 1989 से 10 मार्च, 1989 तक निजी कारणों के कारण विधान सभा में नहीं आ सकेंगे तथा उन्हैं लीव ग्रांट की जाए। (विघ्न)

Question is—

That leave of absence be granted to Rao Laxmi Narain, Industrial Training Minister, to remain absent from the sittings of the House on 27th February, 1989 and from 7th March to 10th March, 1989.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried.

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं। आपने अभी कहा कि राव लक्ष्मी नारायण जी इतने दिनो तक गैर–हाजिर रहैंगे। स्पीकर साहब यह एक नयी बात शुरू की जा रही है कि मंत्री या विधायक को आपसे छुट्टी के लिए रिक्वैस्ट करनी पड़ेगी। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह नई बात नही है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब गवर्नर ऐडैरस पर डिस्कशन रिज्यूम की जाती है। कल श्री कैलाश चन्द शर्मा बोल रहैं थे। वे कृपया अपनी स्पीच कन्टीन्यू करें।

श्री कैलाश चन्द शर्मा (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, कल मैं आपके माध्यम से बता रहा था कि सारे देश में हरियाणा सरकार ही एक ऐसी सरकार है जो लोगों की समस्याओं को ढूंढती है और उनका हल करने का प्रयत्न करती है। इसी प्रकार की एक महत्वपूर्ण समस्या हरियाणा में आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा प्रणाली बोर्ड की है। इस बोर्ड के पास अनेक वर्षों से कोई काम नहीं है और दूसरी ओर हजारों की संख्या में ऐसे नौजवान हैं जो बिना रजिस्ट्रेशन के प्रैक्टिस कर रहैं है। (विघ्न)

वाक आउट

श्री रघु यादवः स्पीकर साहब, मेरी गैरहाजिरी में कल इस महान सदन में मेरे चरित्र पर लान्छन लगाये गये हैं। मैं इस बारे में पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहताहूं।

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठिए।

श्री रघु यादवः सर, इस बारे में मैंने आपसे लिख कर भो इजाजत मांगी है।

Mr. Speaker : I have rejected it.

श्री रघु यादवः अगर इस बारे में मुझे रूल 63 के तहत स्पष्टीकरण का मौका नही दिया जाता है तो मैं वाक–आउट करता हूं।

Mr. Speaker : All right. You may do so.

(At this stage Shri Raghu Yadav staged a walk out).

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कैलाश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने बेरोजगारी भत्ता देना शुरू कर दिया है। इस बेकारी को दूर करने के लिए सरकार और भी कदम उठा रही है। जो लोग आयुर्वेदिक की प्रैक्टिस करना चाहते हैं, उन्हैं प्रैक्टिस करने की इजाजत क्यों नहीं दी जाती? वे लोग हरियाणा में प्रैक्टिस करने के लिए बिहार राजकीय आयुर्वेदिक–यूनानी बोर्ड, पटना, भोपाल,

भारतीय चिकित्सा परिषद, जयपुर से अपनी रजिस्ट्रेशन कराने के लिए करोड़ों रुपये बरबाद कर रहैं हैं। जिन जगह ओं से वे रजिस्ट्रेशन करवा रहैं हैं, उन्हैं यहां मान्यता नही है क्योंकि हरियाणा में आयुवैंदिक एंव यूनानी प्रैक्टिशनर्ज ऐक्ट 1963 के तहत उन्हैं प्रैक्टिस करने की मनाही है। वे यहां पर कानून के खिलाफ प्रैक्टिस कर रहैं हैं। अगर हरियाणा में कानून और व्यवस्था बनाये रखन है तो इन 30–35 हजार लोगों पर केस चलायें या इनके खिलाफ केस दर्ज किये जायें या इस बोर्ड को रजिस्ट्रेशन का अधिकार, दिया जाये। जहां हमारी सरकार बेकार नौजवानों को भत्ता देने की बात कर रही है वहां जो 30– 35 हजार नौजवान लोगों की सेवा करने मे लगे हुए हैं, उन्हैं यहां प्रैक्टिस करने की इजाजत दी जाये। उनके०पर कानून की तलवार हर समय लटकती रहती है। बार–बार ड्रग इन्सपैक्टर्ज धमकी देते रहते हैं। उन लोगों को पैसा दे कर अपना पीछा छुड़ाना पड़ता है। 'मेरी आपके द्वारा मंत्री जी से प्रार्थना है कि आयुवैदिक एवं यूनानी प्रैक्टिशनर्ज ऐक्ट, 1963 की धारा 34 को डिलीट करवा दिया जाये ताकि वे लोग प्रैक्टिस कर सकें। उस ऐक्ट की धारा 34 इस प्रकार है –

"The Registrar shall prepare and maintain a list called a 'List of persons in practice belonging to the Ayurvedic and Unani System on such date as may be notified by the State Government."

अध्यक्ष महोदय, जब यह 34 धारा नहीं थी, तब लोगों को सूचीकृत होकर प्रैक्टिस करने का अधिकार होता था।

श्री अध्यक्षः कैलाश चन्द जी, टाईम का ख्याल रखना। आपने 10 मिनट ले लिये हैं। दो–तीन मिनट में वाईन्ड अप कर लें।

श्री कैलाश चन्द शर्माः बहुत अच्छा जी, आज वे 30–35 हजार नौजवान भटक रहैं हैं। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि कानून में परिवर्तन करके उस धारा 34 को डिलीट कराकर इन लोगों को दोबारा रजिस्टर किया जाये, सूचीबद्ध किया जाये जिससे यह लोग आराम से प्रैक्टिस कर सकें। अगर आवश्यक हो तो उनके लिये कोई ट्रेनिंग या कोई इस तरह की व्यवस्था की जा सकती है। सन् 1977 में जब जनता सरकार आयी थी तब भी हमने ग्रामीण जनता की सेवा के लिये इस प्रकार के कुछ रक्षक नियुक्त किये थे जो गांवों में जा कर दवाई बांटते थे। लोगों की सेवा करते थे। हमारे जितने भी एम० बी० बी० एस० डाक्टर हैं, उनकी अगर गांवों में नियुक्ति भी हो जाती है तो वे पूरे समय तक सेवा करने के लिये तैयार नही होते पैं। ग्रामीण जनता की सेवा करने के लिये ये लोग जुटे हुए हैं। इससे एक तो बेरोजगारी की समस्या हल होगी दूसरे इनको काम मिलेगा। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इस ऐक्ट में अमैंडमैंट करके इनको काम पर लगाया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी सेवा में अनेक बार यह बात कह चुका हूं कि जिला महैंन्द्रगढ़ के लोग अब यह महसूस करने लगे हैं कि हम भी

हरियाणा का हिस्सा हैं। पहले महैंन्द्रगढ़ जिला में पानी की भंयकर कमी हुआ करती थी। मैं इस सरकार को और विशेष रूप से जन स्वास्थ्य मन्त्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने डेढ़ साल के छोटे से अर्सें में जिला महैंन्द्र गढ़ के पानी के सैक्स का समाधान किया है। पहले वहां पर लोग कभी टंकियों में पानी लाते थे या काफी दूर–दूर जाकर कुओं पर पानी के लिये इन्तजार करते थे। विशेषकर नारनौल शहर की पानी की जो दुर्गति थी, उसको हल करके इस सरकार ने एक रिकार्ड कायम किया है। इसी प्रकार से अध्यक्ष महोदय, पहली बार लोगों ने यह महसूस किया है कि गांवों की आम जनता हो या शहरों की आम जनता हो, उन्हैं राशन कार्ड के माध्यम से ठीक प्रकार से जरूरी चीजें मिलें मैं इस के लिये मंत्री महोदया का धन्यवाद करता हूं कि इसके लिये उन्होंने समितियां बनाकर चौक करने की कोशिश की है। यह बात ठीक है कि हरियाणा में इस प्रकार से समितियां बनने के बाद, जिला महैंन्द्रगढ़ के लोग –विशेष रूप से, राहत महसूस करने लगे हैं। मगर अब यदि किसी कारण से महैंन्द्रगढ़ जिला की उपेक्षा की जाती है तो वहां के लोगों को महसूस भी होने लगता है। हमारे जिला की एक बड़ी मांग है। वहां के लोगों की यह एक बड़ी पुरानी मांग है। आप जानते हैं कि इस जिले को सैनिकों की खान कहा जाता है। हरियाणा में महैंन्द्रगढ़ जिला सबसे पहले नम्बर पर जिला है जहां से सैनिक अपने देश की सेवा के लिये जाते हैं। विशेष रूप से दूसरे जिलों के मुकाबले में महैंन्द्रगढ जिला के सैनिकों की संख्या ज्यादा है। शायद सबसे ज्यादा होगी।

अध्यक्ष महोदय, 4 सितम्बर, 1983 को भारत के वर्तमान राष्ट्रपति और उस समय के रक्षा मंत्री श्री वैकंटरमन ने नारनौल में भूतपूर्व सैनिकों की एक रैली को सम्बोधित करते हुए एक घोषणा की थी कि यहां पर सैनिक स्कूल बनाया जायेगा। उसके अन्तर्गत आदेश क्रमांक 64/106/824 डिफैसं दिनांक 30– 1– 1983 के तहत पाली कोसला गांव की पंचायत से इसके लिए जमीन मांगी गई थी और, जमीन उस पंचायत ने दे गई दी थी। परन्तु, अध्यक्ष महोदय, आज तक वहां पर सैनिक स्कूल नहीं खुला है और न ही इसके लिये कोई व्यवस्था की गयी है। अभी मातनहैंल में एक सैनिक स्कूल खुला है। उसकी हमें बहुत खुशी है परन्तु मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से और मुख्य मन्त्री जी से यह प्रार्थना करूंगा कि जिला महैंन्द्रगढ की भावनाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिये। वहां पर कोई भी बड़ा उद्योग नहीं है और कोई काम धन्धा भी नहीं है। आम परिवार के लोग, हर परिवार से कोई न कोई नौजवान, देश की सेवा में लगे हुए हैं। यह वहां के लोगों की बड़ी पुरानी मांग है। वहां के लोग इस सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि सैनिक स्कूल वहां खुलेगा। इस मौजूदा सरकार और विशेष रूप से आदरणीय चौधरी देवी लाल जी की सरकार के आने के बाद इस क्षेत्र पर सरकार की विशेष कृपा रही है, इसलिए मेरी यह प्रार्थना है कि वहां पर भी सैनिक स्कूल होना चाहिये। हरियाणा में और सैनिक स्कूल भी बन सकता है क्योंकि सारे देश में हरियाणा प्रान्त ही एक ऐसा है जो देश की सीमाओं की रक्षा करता है और रक्षा करने में अग्रणी रहा है। हर युद्ध के मोर्चे में

हरियाणा के सैनिकों ने भारत माता की रक्षा की है। इसलिये इस महत्वपूर्ण सवाल पर गम्भीरता से सरकार को विचार करना चाहिये। आदरणीय उप मुख्य मन्त्री जी यहां पर बैठे हैं। उनसे भी मेरा विशेष रूप से आग्रह है कि जिला महैंन्द्रगढ की इस मांग पर विचार किया जाये।

श्री अध्यक्षः आप वाईन्ड–अप करें।

श्री कैलाश चन्द शर्माः बहुत अच्छा जी, अध्यक्ष महोदय, मैं एक मामले पर सरकार को फिर बधाई देना चाहता हूं कि नारनौल में पौलीटैक्निक कालेज की बात सरकार ने अपने इस अभिभाषण में स्वीकार करके वहां पर यह कालेज बनाने की स्वीकृति दी है। इसके लिये मैं सरकार को और मंत्री महोदय को बधाई देना चाहत हूं। मुझे जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इस बजट ईयर में 4 लाख रुपया खर्च करने के लिये सरकार को दिया गया था परन्तु अभी तक चूंकि कोई प्लान नहीं बनाया गया, ठीक ढंग से कोई व्यवस्था नहीं हो पायी, इसलिये वह पैसा खर्च नहीं हो सका है। मेरी यह प्रार्थना है कि यह उस इलाके की एक महत्वपूर्ण मांग है। उसकी तुरन्त टैक्नीकल ऐंप्रूवल देकर वहां पर काम शुरू करवाया जाये जिससे लोगों की इस मांग को पूल समर्थन मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी सेवा में एक बात और कहना चाहता हूँ। इस सरकार ने पिछड़े हुए इलाके और पिछड़े वर्ग के

लोगों को काफी सुविधाए दी हैं। पिछड़े वर्ग के लोगों को नौकरियों में सुविधा दी है उनके बच्चों को शिक्षा में सुविधा दी है। सरकार इन लोगों को इकौनोमिकली वीकर सैक्शन निगम, हरिजन कल्याण निगम तथा बैकवर्ड क्लासिज निगम के द्वारा सुविधा देती है। हरिजन कल्याण निगम और इकौनौमिकली वीकर सैक्शन निगम के द्वारा जिन लोगों की सहायता की जाती है उनको सबसिडी दी जाती है लेकिन बैकवर्ड क्लास निगम के द्वारा जिन लोगों की सहायता की जाती है उनको मार्जिनल मनी दी जाती है। मेरी प्रार्थना है कि मार्जिनल मनी न देकर उनको भी सबसिडी दी जाए

श्री अध्यक्षः अब आप समाप्त करें।

श्री कैलाश चन्द शर्माः बस, मैं एक मिनट में खत्म करता हूं।

श्री अध्यक्षः नही अब आप खत्म करें।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अच्छा जी, अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाषण पढ़ा और डा० महा सिंह ने उसके लिए जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा, मैं उसका अनुमोदन करता हूं। धन्यवाद।

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेड़ी): स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने 21 फरवरी को इस सदन में अपना भाषण पढ़ा, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। स्पीकर

साहब, हमारी सरकार जो जनता दल और बी० जे० पी० की मिली– जुली सरकार है, की जो उपलब्धियां हैं, उनके बारे में बहुत से साथियों ने बहुत विस्तार से कहा है। स्पीकर साहब, ये उपलब्धियां चाहैं कर्जा माफी की हैं, चाहैं बुढ़ापा पैन्शन की हैं और चाहैं बेरोजगारी भत्ते की हैं, ये ऐसी उपलब्धियां हैं जो हिन्दुस्तान के बाकी प्रदेशों में नहीं हैं। इसलिए चौधरी देवी लाल जो हमारे मुख्य मन्त्री हैं बधाई के पाल हैं और मैं आज उनको इस सदन में बधाई देता हूं। चौधरी देवी लाल ने अपने शासनकाल में हरियाणा के लिए इतने अच्छे काम किए हैं कि आज तक इससे पहले किसी और सरकार ने न इस प्रदेश में और न ही दूसरे प्रदेशों में वहां की सरकारों ने किए हैं, चाहैं वह किसी भी पार्टी की सरकार रही है। स्पीकर साहब, एक समस्या ऐसी है जो केवल इस प्रदेश की ही नही है बल्कि सारे हिन्दुस्तान की समस्या है। मैं सरकार का ध्यान उसकी तरफ दिलाना चाहता हूं। वह समस्या बेरोजगारी की है। बेरोजगारी की समस्या हम केवल नौकरी देकर हल नहीं कर सकते क्योंकि यह समस्या बहुत बड़ी है। इतनी नौकरियां नही हैं कि हम सब लोगों को नौकरी दे सकें और जो सर्विसिज हैं भी, वे कुछ लोगों तक सीमित हैं। उन नौकरियों को केवल प्रभावशाली लोग ही ले जाते हैं। जिनका राज्य के अन्दर प्रभाव है उन तक ही ये नौकरियां सीमित रह जाती हैं। नौकरी की सुविधा आम जनता तक नहीं पहुंच पाती। इसलिए मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि बेरोजगारी की समस्या के हल के लिए औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार किया जाए और उद्योग के क्षेत्र में

भी लघु उद्योग को प्रोत्साहन देना चाहिए जिससे आम आदमी और गरीब आदमी जो देहात में रहता है उसको लाभ मिल सके। अधिक से अधिक उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में लग सकें, इसके लिए मेरा एक सुझाव है और यह सुझाव मैं आपके माध्यम से सरकार को देना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इस समय बड़े उद्योगों और छोटे उद्योगों के लिए एक ही डायरैक्टोरेट है। जो बड़े लोग हैं और जो बड़े–बड़े उद्योग लगाते हैं उनकी तो सब बातें इस डायरैक्टोरेट से पूरी हो जाती हैं। वे बड़े लोग अपनी बात मनवाने में सफल हो जाते हैं लेकिन जो लोग लघु उद्योग लगाना चाहते हैं और जो लोग ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग लगाना? चाहते हैं, उनकी बात नहीं सुनी जाती। इसलिए मेरा सरकार को सुझाव है कि इस डायरैक्टोरेट को दो हिस्सों में बांट दिया जाए जिससे कि आम आदमी सुविधा प्राप्त कर सके। लघु उद्योग का डायरैक्टोरेट अलग कर दिया जाए और बड़े उद्योग का डायरैक्टोरेट अलग कर दिया जाए। यह मेरा सुझाव है।

अध्यक्ष महोदय, इससे अगली बात मैं कन्याओं की शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। हमारे मुख्य मन्त्री जी और हमारी सरकार कन्या शिक्षा को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए विशेष अनुदान राशि का प्रावधान किया गया है। कहा गया है कि तीन गुणा मैचिंग ग्रांट कन्याओं की शिक्षा के लिए दी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में कहना चाहता हू कि गवर्नर के

अभिभाषण में कन्याओं की मैट्रिक तक की शिक्षा के बारे में जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, दसवीं क्लास पास करने के बाद कन्याओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई आती है। खासतौर से देहात की लड़कियां दसवीं से आगे नहीं पढ़ सकती क्योंकि 10 वीं तक तो दो–तीन–चार किलो– मीटर की दूरी पर स्कूल्ज मिल जाएंगे लेकिन उच्च शिक्षा के लिये कोई कालेज नहीं है। इसलिये मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि ग्रामीण क्षेत्रो में कम से कम कन्याओं के लिये कालेज खोले जाएं जिस से कि देहात की लड़कियां–लड़के उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें।

स्पीकर सर, एक बड़े खेद की बात है। मुझे बड़े ही दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि हमारे प्रदेश के नेता चौधरी देवीलाल जी खुद एक किसान हैं ओर वे किसानों की हर दिक्कत को अच्छी प्रकार से जानते हैं लेकिन किसानों के साथ पिछले जीरी के सीजन में बड़ी ज्यादती हुई है। उसको वे रोक नहीं पाये। बासमती के०पर ऐन ठीक उस वक्त लैवी लगायी गयी जबकि किसान की फसल बिल्कुल तैयार थी और वे यह उम्मीद लगाये बैठे थे कि हमारी फसल पिछले साल की तरह 600– 650 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकेगी। स्पीकर साहब, आप भी उसी ऐरिया से सम्बन्ध रखते हैं जिस एरिया में बासमती का रिकार्ड तोड़ उत्पादन होता है। हमने भाव के बारे में कई बार सरकार से अनुरोध भी किया और सुझाव भी दिये लेकिन किसानों के साथ फिर भी ज्यादती हुई। पिछले साल बासमती का रेट

600— 650 रुपये पर क्विंटल रहा था लेकिन इस बार बासमती का रेट केवल 450 रुपये पर किवंटल तक ही सरकार फिक्स करवा पाई। इस वजह से 200 रुपये 'पर क्विंटल के हिसाब से किसानों को नुक्सान उठाना पड़ा। इसलिये स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करुंगा कि इस किस्म के फैसले अगर सरकार ने लेने हों तो उस वक्त लें जबकि बिजाई हो रही हो और किसानों को यह बताया जाए कि इस बार बासमती पर लैवी लगाई जाएगी और हमारी राईस पालिसी यह होगी। इस तरह की सरकारी नीति से न तो किसानों को ही फायदा हुआ और न ही मिलों को ही इस से कोई लाभ हुआ लेकिन जो बम्बई और दिल्ली में ऐक्सपोर्टर बैठें हैं, वही इस नीति का सारा फायदा उठा गये। इसलिये मेरा कहना है कि जो किसान अपनी मेहनत की कमाई से पैदावार करता है, उसके साथ इस किस्म की ज्यादती नही होनी चाहिये क्योंकि इस सरकार से और आदरणीय चौधरी देवी लाल जी से किसानों को बड़ी उम्मीदें हैं।

उप मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): यह लैवी तो भारत सरकार ने लगाई हैं।

श्री जय सिंह राणा: गुप्ता जी, हो सकता है कि भारत सरकार ने यह लैवी लगाई होगी लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने कभी केन्द्र सरकार से इस के लिये विरोध नहीं किया। मेरा यह कहना है कि इस तरह की सरकारी नीति से

आज हरियाणा का किसान खुश नहीं है क्योंकि इस सरकार ने केन्द्र के आगे कोई आवाज नहीं उठाई।

राजस्व मन्त्री (श्री सूरज भान): हमने काफी विरोध किया लेकिन वे माने नहीं।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मैं तो पिछले साल का जिक्र करुंगा जब मुख्यमन्त्री महोदय ने किसानों के अनुरोध पर पंजाब नं० 1 की लैवी हटा ली थी। उसी तरह से इस दफा भी किसानों ने सरकार से इस बारे काफी अनुरोध किया लेकिन किसानों को उनकी मेहनत का सही दाम नहीं मिला।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं स्थिति को जरा साफ कर देता हूं। गत वर्ष पंजाब नं० 1 से जो लैवी हटायी गयी थी वह इसलिये हटाई गई थी कि पंजाब नं० 1 को भी बासमती के समान मान तिया गया था। बासमती में उस समय लैवी नहीं थी।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मैं सरकार का विरोध नहीं कर रहा हूं बल्कि मैं तो किसानों के साथ हुई ज्यादती का जिक्र कर रहा हूं। हमारे किसानों और मजदूरों को तकलीफ हुई है इसलिए हम उनकी बात कहने के लिए यहां पर आए हैं।

श्री बनारसी दास गुप्ताः आपकी बात ठीक है लेकिन वह ज्यादती सैंटर ने की है।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मैं सरकार से अनुरोध करुंगा कि आगे से इस किस्म की जब लैवी जगे तो किसानों को फसल की बीजाई से पहले बता दिया जाए ताकि वे अपनी मर्जी से कोई और फसल बीज सकें जिसमें उनको दस पैसे मिल सकें।

(इस समय थी उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री सूरज भानः उपाध्यक्ष महोदय, जिस समय यहां प्रधान मन्त्री जी आए थे तो उन्होंने यह शर्त लगाई थी कि जब तक आप लैवी नही लगाओगे, मैं ग्रांट नही दूंगा।

श्री जय सिंह राणाः तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं ज्यादा कुछ न कहते हुए छोटी सी बात कह कर अपना स्थान लूंगा। मैं पी० डबल्यू० डी० के बारे में कहना चाहूंगा कि बरसात के बाद सड्कों की हालत बहुत खस्ता हो गई है। मेरे हल्के गे कई सड़कें ऐसी हैं जिन पर पिछले 6 महीने से बसें चलनी बन्द हैं। तो मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन सड्कों को जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए। इन शब्दों के साथ मैं इस अभिभाषण का समर्थन करता हूं।

श्री मांगे राम (बहादुरगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, 21 फरवरी को जो गवर्नर साहब ने अपना ऐड्रैस पढ़ा, में उसका समर्थन करने के लिए और उस पर अपने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरी सरकार ने आने के बाद हरियाणा के अन्दर

कानून की ऐसी अच्छी व्यवस्था की है जो सारे भारत वर्ष के अन्दर कही भी नहीं है। पिछले टाईम में जब कॉंग्रेस की सरकार होती थी तो सरे आम लोगों को बेइज्जत किया जाता था। पुलिस के सिपाही सरे आम शराब पीते थे लेकिन हमारी सरकार आने के बाद चण्डीगढ़ से महैंन्द्रगढ़ तक किसी बस या ट्रक वाले को चौक नही किया जाता। यहां पर बड़ी ईमानदारी के साथ काम चल रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह जी 1982 से लेकर 1987 तक पिछले बैचों पर बैठते थे लेकिन हमारी सरकार आने के बाद आज वे शेर की कदर बोलते हैं और सब से आगे बिठा रखे हैं। इसलिए उनको भी हमारी सरकार का समर्थन करना चाहिए। हमारी स्टेट के अन्दर कानून की व्यवस्था इतनी अच्छी है कि कोई लाख रुपया लेकर रात को चण्डीगढ़ से रोहतक तक चला जाए उसको रास्ते में कोई नहीं छेड़ेगा। बहिन बेटियों की इज्जत यहां पर बहुत सुरक्षित है। कांग्रेस के टाईम में हमारे बहादुरगढ़ में स्कूलों, कालेजों और मार्किट के अन्दर गुंडे आ जाते थे जो चोरी करते थे और डाके डालते थे लेकिन हमारी सरकार ने कानून की इतनी अच्छी व्यवस्था कर दी हैं कि दिल्ली से गुंडे आने बन्द हो गए हैं। हमारी सरकार ने आने के बाद तुरन्त नगरपालिकाओं के चुनाव करवाए जबकि पिछली सरकार ने 24 साल तक चुनाव नही करवाए थे। इस सरकार ने शहर की जनता को शहर का काम सौप दिया है। पहले हम जब भी गांव में जाते थे तो लोग कहते थे कि हमें बिजली और, पानी चाहिए लेकिन आज हमारी सरकार और हमारे मुख्य मन्त्री की वजह से हमारा

सिर हो जाता है क्योंकि हमें आज कोई नहीं कहता कि हमें बिजली या पानी चाहिए। मेरा क्षेत्र बिल्कुल टेल पर है। चालीस साल में पहली बार वहां टेल पर पानी गया है जिससे हमारे लोंगों ने राहत महसूस की है।

11–00 बजे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अगर मैं अपनी सरकार के सारे काम गिनाऊ तो 6– 7 बजे जाएंगे। चौधरी देवी लालू जी के नेतृत्व में चल रही हमारी सरकार ने 65 साल के बूढ़ों की पेंशन करके उनका बहुत मान सम्मान बढ़ाया है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब घर में बटेऊ आ जाता था तो सास अपनी बहू से दो रुपए मांग कर उसको देती थी लेकिन अब सास को अपनी बहू से दो रुपये मांगने की जरुरत नही है क्योंकि उसको 100 रुपए पेंशन के मिलते हैं। अब की बार मेरे क्षेत्र में बूढ़े बुढ़ियो को 800 और 900– 900 रुपये पेंशन के मिले हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में जब सी० एम० साहब गए थे तो वहां के बूढ़े–बुजर्गों ने 10–10 रुपए इकट्ठे करके सी० एम० साहब को एक लाख रुपए की माला पहनाई। बूढ़े बुढ़ियो का घर में इतना मान सम्मान हो गया है कि उनकी बेटा–बहूं सेवा करने लग गए हैं। यह भी देखते हैं कि यदि बूढा–बुढ़िया बीमार हो जाए तो फौरन डाक्टर को बुलाते हैं, कही वह मर न जाए और 100 रुपए पेंशन के बंद न हो जाएं। हमारी सरकार ने मुक्ति द्वार प्रशासन लागू करके देश के अन्दर एक मिसाल कायम की है। पहले जब पटवारी के पास फर्द लेने के

लिए जाते थे तो वह 100 रुपए तक मांग लिया करते थे। जब से यह मुक्तिद्वार प्रशासन लागू किया गया है उस समय से पटवारी, तहसीलदार और एस० डी० एम० गांवों में जाते हैं और गितवाड़े में लोग उनके सामने अपना दोलड़ा बिछा कर बैठ जाते हैं। अब यदि किसी आदमी को फर्द लेनी होती है तो 8 आने में मिल जाती है। पहले किसानों को टैक्ट्रों के लाईसेंस बनवाने में बड़ी भोरी प्रौब्लम होती थी क्योंकि ..... उनसे पैसा लेते थे। लेकिन हमारी सरकार के आने के बाद मेरे हल्के में ट्रैक्टरों के 475 लाईसैसं बने हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में 1952 के अन्दर लाइट आई थी लेकिन उस समय खम्भे और तार' पूरी 'तरह से नहीं बिछाए गए थे। हमारी सरकार ने अब वह काम पूरा कर दिया और कर भी रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, या तो ऐसे काम राम चन्द्र के राज में होते थे या चौधरी देवी लाल जी के राज में होते हैं इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मैं मिनि–बसों की सर्विस के बारे में कहना चाहूंगा।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य ने ..... शब्द इस्तेमाल किए हैं। ये सदन की कार्यवाही से ऐक्सपंज होने चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, ये शब्द ऐक्सपंज कर दिये जाएं। (शोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, राजीव गांधी हर रोज कहता है सत्ता के दलाल। राजीव गांधी खुद 'सत्ता के दलाल' शब्द इस्तेमाल करता है (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, कल मेरे कुछ शब्दों पर इनकी तरफ से आपत्ति की गई थी और उन शब्दों को रिकार्ड नहीं किया गया हालांकि वे शब्द इससे ज्यादा अन–पार्लियामैटरी नहीं थे। आज जब मैं ऐसे शब्दों को ऐक्सपंज करवाने के लिए प्रार्थना कर रहा हूं उस पर ये एतराज करें और उन्हैं न निकाला जाए तो यह कहां का न्याय हुआ? मेरे द्वारा बोले गए शब्द तो सदन की कार्य– वाही से निकाल दिए जाएं और इन शब्दों को रखा जाए यह न्याय की बात नहीं होगी। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः मैंने पहले ही उन शब्दों को ऐक्सपंज करने के लिए कह दिया है। (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि गुप्ता जी आप भी गलत पार्टी में जा करके गलत बातों की पैरवी करने लग गए हैं, कुछ तो लिहाज करो। (शोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने दोस्त को बताना चाहता हूं कि जब कांग्रेस पार्टी गलत बन गई तो मैं गलत पार्टी को छोड़ कर सही पार्टी में आ गया। भाई महैंन्द्र प्रताप पहले सही पार्टी में थे लेकिन दल बदल कर गलत

पार्टी में चले गए। जहां तक अन–पार्लियामैंट्री शब्दों की बात है, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जब हिन्दुस्तान का प्रधान मन्त्री हर रोज 'सत्ता के दलाल' शब्द इस्तेमाल करता है तो इन शब्दों का इस्तेमाल यदि हमारे सम्माननीय सदस्य ने कर दिया तो कौन सा बुरा हो गया? (शौर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः गुप्ता जी, जेब तक आप कांग्रेस पार्टी में रहैं तब तक कांग्रेस के बहुत गीत गाए। जब आपको कांग्रेस पार्टी से कुछ मिलने की गुंजाइश नजर नहीं आई तो पार्टी बदल कर उधर चले गए। (शोर) जब आपको कांग्रेस पार्टी सूत नहीं आई तो आप दल बदल गए। (शोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः जब आप तेजाखेड़ा फार्म पर छिपे पड़े थे तब आपको क्या सूत आ रही थी? (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः मैं तेजाखेड़ा फार्म पर कभी नहीं ठहरा और न ही मैं परवाणू ठहरा। (शोर)

श्री मांगे रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं और महैंन्द्र प्रताप दोनों तेजाखेड़ा फार्म पर एक खाट पर सोये हुए थे, यह. उठ कर भाग गया। (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः आप बिल्कुल गलत कह रहैं हैं। (शोर)

श्री मांगे रामः क्या आप मेरे साथ तेजाखेड़ा फार्म पर नहीं थे? आपका कुर्ता, पाजामा और चादर अब भी मेरे पास रखे हैं। आप मेरे साथ एक ही कमरे में थे। अगर डिप्टी स्पीकर साहब कहैं तो मैं कुर्ता पाजामा कल ही सदन में पेश कर सकता हूं। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः यह कोई बात नहीं है। (शोर)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, ये बिल्कुल गलत बात कह रहैं हैं। (शोर)

श्री मांगे रामः डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं मिनि बस सर्विस के बारे में कहना चाहता हूं। यह काम करके भी हमारी सरकार ने देश में एक रिकार्ड कायम किया है। पहले जब गांवों के अन्दर स्कूलों में मास्टरनियां टैम्पों में बैठ कर जाती थीं, तो उनका बहुत बुरा हाल होता था। अब मिनि बसों में बैठ कर जाती हैं और बड़े आराम से जाती हैं। हमारी सरकार ने अपने प्रदेश में मिनि बस सेवा शुरू करके सारे देश में एक मिसाल कायम की है। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं मैचिंग ग्रांट के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे हल्के में लोगों ने सी० एम० साहब को 13 लाख रुपए के हार पहनाए और सी० एम० साहब ने उन पैसों में 13 लाख रुपए और मिला करके उन लोगों को वापिस लौटा दिया। इसके अलावा, मैं सड़कों के बारे में कहना चाहूंगा और पी० डब्ल्यू० डी० मिनिस्टर साहब को बधाई दूंगा कि उन्होंने प्रदेश में

इतना सूखा पड़ने के बाद और इतना फ्लड आने के बाद सड्कों को मुकम्मल किया है। पिछली सरकार के समय में मैं और. भाई धीर पाल जी यहां सदन में सड़कें बनवाने के लिए भौंक भौंक कर रह गए लेकिन सड्कों का कोई काम नहीं. किया गया। मैं 1977 से 1982 तक छारा से मांडोठी तक दो किलोमीटर सड़क बनवाने के बारे में कहता रहा लेकिन वह सड़क नहीं बनाई गई। वह केवल दो किलोमीटर का टुकड़ा था, उसको उस समय पूरा नहीं किया गया। मेरे हल्के में एक भराई गांव है। उस गांव में चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला गए थे उनको उस गांव के लोगों ने जब 5 हजार रुपए की माला पहनाई थी तब उन्होंने कहा था कि आपके यहां पुल बना दिया जाएगा। उन्होंने वह पुल तो नहीं बनवाया लेकिन वह 5 हजार रुपए अपनी जेब में डाल कर आ गए। हमारी सरकार ने उस पुल के लिए 4 लाख 75 हजार रुपया मंजूर किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब से देश आजाद हुआ है यानी 1947 के बाद मेरे हल्के में जितने भी सरकारी दफतर हैं, वे सभी प्राइवेट बिल्डिंगों में किराये पर हैं। लेकिन मेरी इस सरकार के आने के बाद टूरिज्म डिपार्टमैंट ने अपनी बिल्डिग खुद बनानी शुरू कर दी है, मैं इसके लिए टूरिज्म डिपार्टमैंट को बधाई देता हूं क्योंकि हमारी सरकार ने मात्र 20 महीनों में ही यह काम आरम्भ कर दिया है।

डिप्टी स्पीकर साहब, जब हमारी सरकार सत्ता में आई तो उस समय हमारे प्रदेश की 11 सहकारी संस्थाओं में से केवल

2 संस्थाएं ही मुनाफा दे रहीं थीं और 9 संस्थाएं घाटे में चल रहीं थी। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद जो ये 9 सहकारी संस्थाएं घाटे में चल रही थी, मुनाफे में आ गई हैं और अब ये करोड़ों रुपये का मुनाफा दे रही है। मैं हरको बैक का चेयरमैन हूं। मेरे बैक ने एक साल में 2 करोड़ 95 लाख रुपये का मुनाफा कमाया है। इसी प्रकार से दूसरी जितनी भी हमारी सहकारी संस्थाएं हैं, वे सभी अब फायदे में चल रही हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, परसों यहां पर एक साथी ने गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए यह बात कह दी कि हमारी सहकारी संस्थाओं ने करनाल से लाला राम गुप्ता की प्रिंटिंग प्रैस से कलैण्डर छपवाये हैं। वे गलती से ऐसी बात कह गए हैं। मैं उस सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि ये कलैण्डर हमारे शासन के दौरान नही छपवाये गए बल्कि पिछली सरकार ने यानी महैंन्द्र प्रताप सिंह की सरकार ने अपने समय कैं दौरान लाला राम गुप्ता प्रिंटिंग प्रैस, करनाल से कलैण्डर छपवाये थे। वे सदस्य गलत समझ गए होंगे इसलिये उन्होंने हमारी सरकार का समय बता दिया।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने दुबारा सत्ता में आने के बाद हरिजनों के लिए काफी नई चौपालें बनाई हैं और पुरानी चौपालों की मुरम्मत कराई है। मेरे हल्के में 17 हरिजन चौपालों पर काम चल रहा है। कई चौपालों की 10– 10 हजार

रुपये देकर रिपेयर कराई गई है और कराई जा रही है। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री उदय भान (हसनपुर–अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, इस समय हाउस में डाक्टर महा सिंह द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस चल रही है। मैं चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार बनने के बाद उनका यहां पर आकर, भाषण देने पर धन्यवाद करता हूं। हमारी सरकार ने चुनाव से पहले जनता के साथ जो भी वायदे किए थे सरकार में आने के बाद वे सभी के सभी पूरे कर दिये हैं। इसके अलावा कई ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं जो आज तक किसी दूसरी सरकार ने कायम नही किए हैं। जैसे वृद्धावस्था पैन्शन लागू करना और कर्जे माफी करना आदि। इसी प्रकार से जो लड़के इन्टरव्यू देने के लिए आते–जाते हैं उन्हैं अब किराये के रूप में कोई पैसा नही देना पड़ रहा। ऐसी सुविधा हिन्दुस्तान की किसी भी प्रान्तीय सरकार ने अपने लोगों को नहीं दी है। यह अपने आप में एक मिसाल है। हमारी सरकार ने अपने किसानों को गन्ने का भाव 35 रुपये प्रति क्विंटल तक दिया है। ऐसा करके सरकार ने बहुत बड़ा कदम उठाया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने सिंचाई और बिजली की व्यवस्था प्ले भी सुचारु रूप से लागू किया है। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद बिजली में काफी सुधार हुआ है। ऐसा काम करके हमारी सरकार ने बहुत ही सराहनीय काम किया है। हमारे मुख्य मन्त्री चौधरी

देवी लाल जी के मन में हरिजनों और पिछड़ी जातियों के प्रति कितना सम्मान है, उसका इस बात से पता लगता है कि ये ही ऐसे पहले मुख्य मन्त्री हैं जिन्होंने हरिजनों की चौपालों की स्कीम लागू करके हरिजनों को इस समस्या से मुक्ति दिलाई है। आज के दिन तकरीबन हर गांवों में हरिजनों की चौपाले बन रही हैं या बन चुकी हैं। जैसा कि इस अभिभाषण में बताया गया है, जो हरिजन बच्चे पढ़ते हैं, उनका वजीफा दो गुणा से अढ़ाई गुणा कर दिया गया है। मकान ग्राण्ट योजना में 2 हजार से 5 हजार तक जो भी हरिजनों बोर पिछड़े वर्गों के कर्जे थे, वे सभी के सभी माफ किये गये हैं। इन सब बातों से पता चलता है कि हमारी सरकार हरिजनों और पिछड़े वर्गों के लिए कितनी संवेदनशील है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस प्रगतिशील सरकार से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि हरियाणा में सरकारी नौकरियों में क्लास–1 तथा क्लास–2 में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। हरियाणा में नौकरियों में पंजाब पैट्रन ही लगता है। पंजाब उत्तर प्रदेश, सैन्टर और कई अन्य प्रदेशों में क्लास–1 और क्लास– 2 में आरक्षण है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करुंगा कि हरियाणा में भी क्लास–1 तथा क्लास–2 की नौकरियों में हरिजनों और पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया जाए ताकि अनुसूचित जाति तथा पिछड़े वर्गों के शिक्षित वर्ग की आकांक्षाएं पूरी हो सकें और वे सरकार को अपना पूरा समर्थन दे सकें। हालांकि सरकार ने सारे प्रदेश में रोस्टर प्रणाली लागू की हुई है लेकिन सरकारी महकमों में इस रोस्टर प्रणाली का सही ढंग से पालन नहीं हो रहा

है। यहां तक कि एस० पुस० एस० बोर्ड के द्वारा जो सिलैक्शन्ज की जाती हैं, उनमें भी इसका सही पालन नहीं होता है। अभी एस० एस० एस० बोर्ड द्वारा 1517 कण्डक्टर लगाए गए थे जिनमें हरिजनों के 142 कण्डक्टर लगाए गए जबकि चयन की संख्या के मुताबिक करीब 300 हरिजनों को रखा जाना चाहिए था। रोस्टर के मुताबिक सिलैक्शन 4— 8— 18 के हिसाब से होता है। बोर्ड द्वारा जो पहला हरिजन उम्मीदवार चुना गया है, उसका सीरियल नम्बर 36 है और जो दूसरा उम्मीदवार चुना गया है उसका सीरियल नम्बर 88 है। इस प्रकार एस० एस० एस० बोर्ड द्वारा आरक्षण की व्यवस्था का मजाक उड़ाया गया है। इस सम्बन्ध में सरकार ने एक हिदायत भी जारी की हुई है जिसको पढ़ना तथा माननीय सदस्यों के नोटिस में लाना, मैं जरूरी समझता हूं। यह पत्र है —

Copy of letter No. 1016-4WGI-66, dated 16-2-1966 from the Secretary to Government , Punjab, Scheduled Castes and Backward Classes Department addressed to all Heads of Departments, Commissioners of Divisions, District and Sessions Judges, Deputy Commissioners and Registrar, Punjab High Court. The subject of this letter is 'Grant of protection to Scheduled Castes/Tribes and other Backward Classes Employees against reduction/retrenchment in view of their lean representation in services.

इस पत्र का एक पैरा मैं पढ़ कर सुनाना चाहता हूं जो कि इस प्रकार से है:—

"The members of the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Backw ard Classes who are in service and are otherwise qualified and suitable and against whom there are no complaints, should not be reduced in rank and retrenched so long as their total strength does not exceed the prescribed limits of reservation in a cadre."

उपाध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इन हिदायतों की बिल्कुल भी पालना नहीं की गई है। कान्फैड में भी ऐसा ही हुआ है और हरियाणा रोडवेज में भी ऐसा ही हुआ है। मैंने पिछली बार क्वैश्चन नम्बर 386 के तहत यह कहा था कि यहां पर आरक्षण पूरा नहीं है। असैम्बली क्वैश्चन के जवाब के चक्कर में वहां पर 18 अनुसूचित जाति के लड़कों को दिनांक 26— 2— 1988 को कण्डक्टर लिया गया था लेकिन दूसरे जनरल मैनेजर ने जाति भावना से प्रेरित हो कर 31— 8— 88 को जब वे लड़के सातवें महीने पर चल रहैं थे, बगैर किसी कारण से उनको निकाल दिया तथा इन हिदायतों का कोई ध्यान नहीं रखा। इनको नौकरी से निकालने की वजह यह बताई गई कि इनको मेले के लिये लगाया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि मेले के लिये तो और लड़कों को भी लगाया जा सकता था। वे केवल अनुसूचित जाति का कोटा पूरा करने के लिए रखे गये थे। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करता हूं कि इन हिदायतों की पालना सख्ती से की जाएं।

इस के अलावा मैं इस माननीय सदन से यह भी अनुरोध करुंगा कि हरियाणा एक हिन्दी भाषी राज्य है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार मध्य प्रदेश तथा अन्य हिन्दी प्रांतों में सरकारी काम काज की भाषा हिन्दी है लेकिन मुझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि हरियाणा के औफिसिज में और यहां तक कि हरियाणा विधान सभा में भी काम इंगलिश में होता है। (व्यवधान) मैं यह अनुरोध करुंगा कि हिन्दी को प्रोत्साहन देने के लिए, हिन्दी का सम्मान करने के लिए सरकार राज्य की भाषा हिन्दी बनाए, मेरा ऐसा अनुरोध है।

उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद तथा गुड़गांव जिलों में सारी सिंचाई आगरा कैनाल पर आधारित है लेकिन इस नहर का सारा कन्ट्रोल उत्तर प्रदेश सरकार के हाथ में है। इन जिलों को इससे दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ तो हमें पानी पूरा नही मिलता तथा दूसरे पानी के जो रेट्स हैं वह यहां से दो गुणा तथा तीन गुणा ज्यादा है। मैं चाहता हूं कि इस अन्तर को दूर किया जाए और जो फालतू पैसा हमें देना पड़ता है, सरकार उसको कम्पनसेट करे। इस समय पलवल इतर मिल की गन्ना पेरने की क्षमता 23 लाख टन है। गवर्नमैंट ने जो गन्ने की मात्रा के बारे में मिल एरिया का सर्वे करवाया है, उसके मुताबिक वह 45 लाख टन से भी ज्यादा है और इसके आगे भी बढ़ने की उम्मीद है। 23 लाख टन से०पर किसान का जो गन्ना है, उसके बारे में किसान का शोषण हो रहा है। मैं सरकार से अनुरोध करुंगा कि इस शूगर

मिल की गन्ना पेरने की क्षमता शीघ्रातिशीघ्र दुगुनी करवाई जाए जिससे किसानों को शोषण से बचाया जा सके। यह बहुत ही मूल समस्या है। जो गन्ना उत्पादक किसान हैं, सरकार उनका ध्यान करे। उपाध्यक्ष महोदय, आयुर्वेदिक चिकित्सा के बारे में श्री कैलाश चन्द शर्मा. ने जो बिन्दु उठाया है, मैं उसका समर्थन करता हू और यह अनुरोध करुंगा कि आयुवैंदिक चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए इस चिकित्सा प्रणाली में रजिस्ट्रेशन खोली जाए। उपाध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए आपका धन्यवाद करता हू तथा अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

ई० जगपाल सिंह चौधरी (नारायणगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा गया हैंय उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं और कुछ सुझाव भी देना चाहता हूं जिन्हैं यदि इनक्लूड कर लिया जाये तो और भी ज्यादा हरियाणा के हित में होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, आज ही यहां हाउस में बताया गया कि ड्रेनेज वर्कस के लिए 13 करोड़ रुपया दिया गया है लेकिन यदि फलड्ज आते हैं तो इस तरह का रुपया सारा बरबाद हो जाता है। मेरा सुझाव है कि मेरे सारे सब माउनटेनियस एरिया में मिनी डेम्ज बना दिये जाएं जिससे फल्ड्ज भी बच जायेंगे और पैसा भी बच जायेगा। फलड्ज मे जो पानी बह जाता है वह भी इस्तेमाल हो जायेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, इस काम के लिये डिफरैन्ट एजैन्सियां काम कर रही

हैं जैसे ऐग्रीईकल्चर, फौरेस्ट और इरीगेशन? डिपार्टमैंट। मेरे विचारानुसार इस काम को करने के लिये इरीगेशन डिपार्टमैंट ठीक रहैंगा क्योंकि यह इंजीनियरिंग डिपार्टमैंट है। यही डिपार्टमैंट इस काम को ठीक से कन्ट्रोल कर सकता है। कोआप्रेटिव शूगर मिल का भी यहां जिक्र आया है ओं शूगर मिल के बारे में मेरे इलाके में दुबारा से सर्वे कराया जाये। वहां पर जमींदारों का शोषण हो रहा है। अगर वहां पर शूगर मिल लग जाये तो जमींदारों का शोषण बच जायेगा। शूगर मिल लग जाने से हमारी चार कास्टीचुऐसजि कालका, सढौरा, मुलाना और नारायणगढ़ को बहुत लाभ होगा। इसलिए वहां पर शूगर मिल लगाने के बारे में दुबारा से सर्वे कराया जाये क्योंकि इसके सर्वे कराने में कहीं न कहीं गलती है। शुरू से ही यह सब–माउनटेनियस और हाइली रैन फाल एरिया है। वहां चालीस–पचास साल से गन्ने की पैदावार होती रही है। इस शूगर मिल के लित सब से जरुरी बात यहं है कि जो हथनीकुंड बैराज बनना शुरू हो गया है, इसके लिये फाइनैशीयल ईयर मे एक करोड़ रुपया दिया गया था और आगे भी प्रावधान किया गया है जिससे उस एरिया में सिंचाई का प्रबन्ध होगा और गन्ने की उपज ज्यादा बढ़ेगी। मैं यह भी प्रार्थना करुंगा कि इस बैराज के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाये। मैं आपके जरिए एक और भी अर्ज करना चाहूंगा कि ताजेवाला हैडवर्क्स की उम्र पूरी हो चुकी है। वह कभी भी बह सकता है। इसलिये हथनी कुंड बैराज को जल्द से जल्द बनाया जाये और साथ ही नारायणगढ़ नहर को भी बनाया जाये। जहां पर यह नहर बननी है, उस एरिया

में कम–से–कम दफा चार की नोटिफिकेशन की जाये। अगर उस एरिया में दफा चार कें तहत लैन्ड ऐक्यूजीशन के नोटिस हो जायें तो लोग सोचेगे कि यहां भी नहर आने वाली है। उम्मीद है कि तीन साल में नहर उस इलाके में आ जायेगी। जब वहां नहर आ जायेगी तो गन्ने की ज्यादा पैदावार होगी जिससे शूगर मिल कामयाब हो जायेगी। इसी प्रकार से मैं सायल कन्जर्वेशन वर्क्स के बारे में भी बात करना चाहता हूं। छछरौली से कालका तक को सब–माउनटेनियुस एरिया है। वहां पर दरड हैं। दरड के लिए ऐग्रीकलचर महकमा सॉयल कश्वर्वेशन का काम करता है यानि बटबन्दी करता है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पैसे का प्रावधान किया जाये। उस इलाके में बहुत ज्यादा जमीन खराब पड़ी है। इसी तरह से मैं एक बात और सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं। हरियाणा में पिछले सैशन में चार जे० थी० टी० स्कूल मंजूर, हुए थे। इनमे से एक नारायणगढ़ के लिए भी मंजूर हुआ था लेकिन वह घारला इलाके में चला गया। घारला गांव मोरनी हिल्ज के एरिया में पड़ता है। मोरनी हिल्ज से कम से कम पांच किलोमीटर पैदल जाना पड़ता है। वहां पर केवल एक कमरा है। उस स्कूल में विद्यार्थियों के रहने के लिऐ भी जगह नही। जो वहां पर टीचर लगेगे, वे कहां रहैंगें और लड़के–लड़कियां कहां पर रहैंगे। उन्हैं उस पहाड़ी क्षेत्र में जाने में भी कठिनाई होगी। मेरा सुझाव हैं, जैसे कि सब की डिमांड भी है, जहां यह स्कूल पहले नारायणगढ़ में रखा गया था, वहीं पर उसे रखा जाये। अगर मोरनी हिल के लिये कुछ सीट्स की रिजर्वेशन करनी हो तो वह

नारायणगढ़ में ही कर दी जाये। इसके साथ ही मिनि बसिज की भी यहां बात आयी। 60–61 मिनि बसिज खरीदी गयी हैं। सबसे ज्यादा हमारे इस क्षेत्र को उनकी जरूरत हैं। वहां पर नदियां नाले जगह–जगह है। मिनि बस उनमें से निकलकर एक जगह से दूसरी जगह आसानी से जा सकती है। वहां के लिये अभी तक मिनि बसिज की अलौटमैंट बिल्कुल भी नहीं हुई है। हमारे क्षेत्र में तो यह ज्यादा से ज्यादा और जल्दी से जल्दी मिलनी चाहियें। एम० आई० टी० सी० का भी यहां जिक्र आया। जो टयूबवैल्ज हैं, वे सारे ही, मुलाना, सढ़ौरा और नारायणगढ़ क्षेत्र में हैं। वहां पर सिंचाई के दूसरे कोई साधन नहीं हैं। एम० आई० टी० सी० की पोजीशन यह है कि वहां पर सामान नहीं होता। और तो और वाइंडिंग वायर तक नहीं होती। उनके लिये ऐसा प्रबन्ध किया जाये ताकि जो ट्यूबवैल खराब हों, वह 7–8 या 10 दिन में ठीक हो जायें। वे सालों–साल तक खराब पड़े रहते हैं। थोड़े से सामान की जरूरत के कारण वे खराब पड़े रहते हैं। इस तरफ भी ध्यान दिया जाये। अगली बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इस सारे ही क्षेत्र में, जगाधरी से लेकर चंडीगढ़ तक कोई भी रेलवे लाईन नहीं है। आज से कोई 10– 12 साल पहले रेलवे लाईन के लिये एक सर्वे हुआ था। पता नहीं क्यों, किस कारण से वहां पर अभी तक रलवे लाईन नहीं बनी है? अगर सरकार की तरफ से भारत सरकार को इसके लिये लिखा जाये तो रेलवे लाईन बनाई जा सकती है। रेलवे लाईन बनाने से इस क्षेत्र में खास तौर पर इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा शहजादपुर और रायपुर रानी

में बिजली के सबस्टेशन्ज मंजूर हो चुके हैं लेकिन उन पर काम शुरू नहीं हुआ है, उसको भी जल्दी से शुरू किया जाये?। टूरिस्ट काम्पलैक्स का जिक्र भी आया। हरियाणा में पहले ही बहुंत टूरिस्ट काम्पलैक्स बने हुए हैं। मैंने पिछली दफा भी कहा था कि चंडीगढ़ से यदि पौंटा साहब या नाहन जायें तो रास्ते में कोई भी टूरिस्ट काम्पलैक्स नहीं है। नारायणगढ़ सब डिवीजन में किसी भी जगह पर अगर इसको अगले साल में मंजूर कर दिया जाये, तो बड़ी कृपा होगी। इसके अलावा नयी अनाज मंडियां कुछ एरियाज में मंजूर हुई हैं। मेरी प्रार्थना यह है कि कम से कम रायपुर रानी में तो नयी अनाज मडी शुरू कर दी जाये क्योंकि वहां की यह 3–4 साल पुरानी मांग है। इससे वहां के लोंगों को कुछ फायदा हो सकता है। अगली बात यह है कि वहां पर हौस्पिटल बहुत अच्छा बना हुआ है। रायपुर, सढौरा कास्टीचुऐंसी, मुलाना और कालका के कुछ हिस्से को यह हौस्पिटल सर्व करता है। वहां पर स्टाफ की बड़ी दिक्कत है। खास तौर पर लेडी डाक्टर वहां पर काफी दिनों से नहीं है। अगर कोई लेडी बीमार हो जाती है तो उस का कोई इलाज वहां संभव नहीं है। मेरी मांग यह है कि वहां पर जल्दी से जल्दी पूरा स्टाफ भेजा जाये। जहां तक एस० वाई० एल० की कम्पलीशन की बात है, मैंने पहले भी कहा है, हर दफा इसमें इसका जिक्र आता है, इसको जल्दी से जल्दी सैटर सरकार पर जोर देकर कम्पलीट कराया जाये। जहां तक ऐनवायरनमैट की बात है, उसका इसमें कोई जिक्र नहीं आया। वाटर एण्ड एयर पौल्यूशन बोर्ड की ऐक्टीविटीज का इस ऐड्रैस में कोई जिक्र होना चाहिये।

एनवायरनमैंट एक जरूरी सब्जैक्ट है। यह बड़ा इम्पौर्टेंट सब्जैक्ट है। नारायणगढ़ में जुडीशियल कोर्ट का कोई प्रोवीजन नहीं है। इसल लोगों को बड़ी दिक्कत होती है। लोगों को छोटे–छोटे काम के लिये अम्बाला जाना पड़ता है। अगर वहां पर जुडीशियल कोर्ट्स हो जायें तो बहुत ही बेहतर होगा। इसके अलावा बस–स्टैड्ज का भी इसमें जिक्र आया है। शहजादपुर और रायपुर रानी के बसस्टैंड बड़े पुराने हैं, वहां पर भी नये बस–स्टैड्ज बनने चाहियें। अन्त मे मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): उपाध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं आपका ही धन्यवाद कर दूं क्योकि कल से बड़ी लम्बी इन्तजार के बाद अब मुझे समय मिला हैं।

श्री उपाध्यक्षः इन्तजार तो अच्छा होता है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः ठीक है जी, इन्तजार का कुछ फायदा ही होता है। कुछ इसमें भी भला ही होगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से माननीय गवर्नर महोदय के ऐड्रैस पर चर्चा हो रही है। उपाध्यक्ष महोदय, जैसे कि आप जानते हैं और सभी जानते हैं कि गवर्नर का अभिभाषण किसी सरकार की पिछली उपलब्धियों और अगले साल की विकास की रूप रेखा होता है उसका एक दपर्ण होता है। उपाध्यक्ष महोदय, परसों से इसपर चर्चा हो रही है, माननीय सदस्य जो सत्ता पक्ष के हैं, अभी तक

तकरीबन उन्हीं लोगों ने बहस में भाग लिया है। उस बहस को अगर गौर से सुना या समझा जाए तो आधे से ज्यादा सदस्यों ने पार्टी का अनुशासन होते हुए भी अपनी बहस के दौरान यह ऐडमिट किया है कि हमारे हल्कों में विकास कार्य सारा ठप्प पड़ा है और उन विकास कार्यों की प्रगति न के बराबर हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धीर पाल सिंह): क्या आप कांग्रेस के समय की बात कर रहें हैं?

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः यह सारा रिकार्ड पर है। मैं रिकार्ड की बात कर रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बात का सब से बड़ा सबूत मेरे माननीय सदस्य रघु जी का कहना आज हाउस के सामने है और हरियाणा की जनता के सामने है। जब तक उन्होंने कुछ एक सरकार की जो उपलब्धियां समझीं उनका जिक्र किया तब तक शान्ति रही और उसके बाद उनको अनुशासन विरोध का सामना करना पड़ा है।

श्री उपाध्यक्षः आप गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं उसी पर बोल रहा हूं। यह इस बात का सबूत है कि उनको निलम्बित किया गया है। इससे बड़ा सबूत और कोई नहीं हो सकता (शोर एवं व्यवधान) मैं रैफरैन्स देकर बजट के०पर ही तो बोल रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः यह बजट नही है यह तो गवर्नर ऐड्रैस है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः सौरी, मैं गवर्नर ऐड्रैस पर बोल रहा हूं। मैं रैफरैन्स देकर अपनी बात को जस्टीफाई कर रहा हूं। इससे बड़ा सबूत और कोई नही है। अगर हम कोई बात कहैं तो विपक्ष की बात मानी जाती है लेकिन जब सत्ता पक्ष का सदस्य कोई बात कहैं तो इससे बड़ा सबूत और क्या हो सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, ज्यादातर मैम्बर्ज, ने कुछ उपलब्धियों का जिक्र करते हुए यह कहा कि कांग्रेस शासन में कुछ नहीं हुआ, हल्कों को तबाह कर दिया, कोई तरक्की का काम नहीं हुआ। मतलब यह है कि कांग्रेस शासन के०पर बहुत दोष मढ़ दिया। इस बारे में काफी कुछ कहा गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथियों को बहुत समय से विरोध करने की ट्रेनिंग रही है इसीलिए वे कांग्रेस की उपलब्धियों को नही देख पा रहैं हैं या जानबूझकर इस तथ्य से अलग हो जाते हैं। हरियाणा में कांग्रेस को विकास सम्बन्धी दोष देने से या इस सदन में गल्त बात कहने से हरियाणा की जनता या देश की जनता पर कोई असर नही पड़ता। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त ही नहीं बल्कि सारा देश जानता हैं कि जो प्रान्त कभी देश में तरक्की के मामले में ग्यारहवें या बारहवें नम्बर पर था, वही प्रान्त कांग्रेस शासन में विकास होने के कारण आज दूसरे नम्बर पर गिना जाता है। वे उपलब्धियां चाहैं बिजली की हैं, चाहैं सिंचाई की हैं, चाहैं पशुपालन की हैं, चाहैं हरित

क्रान्ति सम्बन्धी हैं और चाहैं श्वेत क्रान्ति की हैं और जिनका जिक्र आप भी अपने गवर्नर ऐड्रैस में पिछले दो साल की अवधि में बड़ी छाती खोल कर कर रहैं हैं उनके बारे में आप यह भूल जाते हैं कि वह सारा आधार, वह सारा ढांचा किसने तैयार किया था? वह सारा ढांचा, वह आधार जिसके बलबूते पर आज यह सरकार खड़ी है कांग्रेस सरकार ने ही तैयार किया था। उपाध्यक्ष महोदय, दूसरे प्रान्तों मे भी कांग्रेस की, विरोधी पक्ष की सरकारें रही हैं और आज भी वे सरकारें मौजूद हैं लेकिन आज भी वे सभी सरकारे हरियाणा के विकास को क्रौस नही कर सकी। किसी भी मामले को आप ले लीजियेगा। कांग्रेस सरकार ने ही सब कुछ हरियाणा को दिया है। सड्कों की बात आप ले लीजिए, बिजली की बात आप ले लीजिएगा। कांग्रेस शासन में हरियाणा का कोई गांव ऐसा नही था जहां पर कि बिजली न पहुंचायी गयी हो। कोई गांव ऐसा नहीं था जिसको सड्कों से न जोड़ा गया हो। हरित–क्रान्ति कितनी तेजी से की गयी थी। श्वेत क्रान्ति के बारे में तो औपको बताऊँ उस समय हर हरियाणा वाली के हिस्से आधा किलो दूध आता था। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि ये पहले कांग्रेस के शासन को भूल जाते हैं जिस की बदौलत आज हरियाणा भारतवर्ष में सभी प्रान्तों से अग्रणी है। दूसरे प्रदेशों की जनता हमारे पूर्व मुख्य मन्त्री चौधरी बंसीलाल जी को याद करती थी कि अगर विकास के लिये कुछ समय के लिये चौधरी बसी लाल जी हमारे प्रदेश को दे दिये जाएं तो हमारे प्रदेश भी हरियाणा की बराबरी पर आ जाऐंगे। (शोर एवं व्यवधान), उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहने

का मतलब यह है कि कांग्रेस सरकार ने जितना भी आधार बनाया, जो भी ढांचा उसने तैयार किया, आज यह सरकार उसी के बलबूते पर खड़ी काम कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं आईटमवाईज कुछ बातों का जिकर कर दूं। यह सरकार अपने आपको किसानों रुकी हितैषी कहती है। कुछेक उपलब्धियों को आशिक रूप से अगर मान भी लिया जाए तो कोई पार्टी या पक्ष अगर जनता के लिये कोई अच्छा काम करता हैं तो उसकी प्रशंसा भी करनी चाहिये। मैं विरोध स्वरूप यह नहीं कह रहा लेकिन मैं तो आकड़ों के आधार पर यह कह रहा हूं बजट के मुताबिक बिजली और सिंचाई के लिये केवल 295.95 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गयी है लेकिन कांग्रेस के राज्य में 1987–88 का जो बजट प्रोवीजन था, इन दोनों के लिये 357.79 करोड रुपये था। इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि बिजली और पानी जो किसानों के लिये एक प्रकार की जीवन रेखा है इसका पिछली कांग्रेस सरकार ने पूरा–पूरा ध्यान रखा है जिस कारण से आज हरियाणा की जनता कांग्रेस के शासन काल को याद करती है। इस राशि निर्धारण से आप यह भी अन्दाजा लगा सकते हैं कि किसान का असल हितैषी कौन हैं? (शोर एवं व्यवधान) जहां तक बिजली की बात है, उसके लिये यदि मैं आशिक तौर पर थोड़ी बिजली मन्त्री की तारीफ कर दूं तो अच्छा है। (विघ्न) मैं वही कहूंगा जो सत्य व सही नजर आयेगा। उपाध्यक्ष महोदय चाहैं वह व्यवस्था में सुधार करके या

अपने हिस्से की कुछ बिजली रोक करके या दूसरे कारणों से सुधार हुआ है, इससे तो इन्कार नहीं किया जा सकता। लेकिन आज जब कि फसल का मौका है फिर बिजली की हालत देहातों में खराब है। तीसरे दिन बिजली मिलती है। इस बात से भी इन्कार नही किया जा सकता। उपाध्यक्ष महोदय, यह हालत पुराने समय यानी 1987–88 में भी बी। 1987– 88 में जब जाड़े के महीनों में बिजली दी गई तो उस समय बिजली देने में बहुत सुधार किया गया था और तीसरे दिन किसानों को बिजली की कमी नहीं रहने दी गई। हालत सुधारने के बाद आज फिर आप येसी पर पहुंच रहैं हैं। जो सुधार हुआ, उसका अगर सही श्रेय दिया जाए तो मैं वह अफसरान को दूंगा। जनरेशन की जो स्कीम शुरू की गई है, उसकी वजह से यह सुधार हुआ है और उसको मेनटेन रखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसका ज्यादा क्रैडिट कांग्रेस सरकार को जाता है जिसने पावर हाउस और सारा ढांचा उस समय तैयार किया। अगर आपको रुखा सूखा हरियाणा मिल जाता तो आप अपने कदमों पर खड़े न रह पाते और आप जैसा कि लोग हरियाणा बनने पर कहते थे कि हरियाणा अपने कर्मचारियों की तनख्वाह भी नहीं दे पायेगा, हरियाणा को खत्म ही कर देते।

श्री धीर पाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। कांग्रेस के शासन में बिजली का बुरा हाल था और किसान बहुत दुखी थे उनको पता नहीं था कि बिजली किस टाईम

आएगी और किस टाईम जाएगी। उस समय इस का नाम आई और गई से मशहूर था। उस समय यह हालत थी।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह सारा आधार, ढांचा कांग्रेस का था। उसने 1987–88 में बिजली का इतना सुधार किया था कि किसान को बिजली की कमी महसूस नही हुई थी। उस समय सूखे के बावजूद ईल्ड इतनी बढ़ी जो लोगों के सामने है। अगर आप इसी ढोल को बजाते रहैं, तो इसे कोई बहुत बड़ी उपलब्धि नही कहा जा सकता। उपाध्यक्ष महोदय, सड्कों का जहां तक ताल्लुक है, सड्कों के लिये पिछले बजट यानी 1987–88 में 403 किलोमीटर नई सड़कें बनाने का प्रावधान था लेकिन आज नई सड़कों के लिये मन्त्री महोदय ने जवाब दिया है और पिछले सैशन में भी दिया था कि बजट उपलब्ध होने पर सोचेगे। कई सड़कों कें बारे में तो आज भी 'न' में जवाब आया है। 1988–89 में 220 किलोमीटर सड़कें बनाने का इसमें जिक्र आया है जबकि दो साल पहले 403 किलोमीटर सड़क बनानी थीं। तो इसको प्रोग्रैसिव प्रस्ताव नहीं कहा जा सकता।

एक आवाजः 403 करोड़ रुपए वाली बात भी बता दो।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, 403 करोड़ रुपये के लिए कह रहैं हैं, इनको कुछ भी नजर नहीं आता। जब इनको चारों तरफ से लताड़ा जाता है तो ये कांग्रेस को दोष देने लगते हैं। इनकी तो वह बात है कि नाच न जाने आगन टेढ़ा

(विघ्न) पहले इसी हाउस में पिछले साल आप लोगों ने बिल्कुल इन्कार किया था कि कुछ नहीं मिला। वह बिल्कुल गलत ब्यान था कि 403 करोड़ रुपए में से कुछ भी पैसा नहीं दिया लेकिन उसके बाद यहां औन दि फ्लोर औफ दि हाउस इनको ऐडमिट करना पड़ा कि पैसा आया है। भले ही इस बारे में किसी सीनियर औफिसर का जब अखबार में व्यान आया तब सरकार को मानना पड़ा कि तकरीबन 300 करोड़ से कुछ कम रकम पहुंच चुकी है। यह तो इन लोगों की आदत बन गई है कि कुछ न हो तो हमें दोष देने लग जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चाहैं पानी है, चाहैं वन हैं और चाहैं पशु पालन है, सब जगह यही हालत है। पशु पालन के बारे में तो मैंने जिकर कर दिया है। शिक्षा के बारे में बहन जी ने खुद ऐडमिट किया है कि चूंकि कांग्रेस सरकार के समय में स्कूल बहुत ज्यादा अपग्रेड कर दिए गए थे इसलिए अब अपग्रेड करने की जरुरत नहीं है। यह कांग्रेस सरकार की नीति का ही फल है। वन के बारे में इस अभिभाषण में जिकर आया है। वन हमारे राजस्व में निरन्तर वृद्धि कर रहैं हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको मानना चाहिए कि एक या डेढ साल में तो वनों की तादाद या पैदावार नहीं बढ़ी। यह कांग्रेस शासन की ही देन है जो राजस्व में निरन्तर वृद्धि कर रहैं हैं और प्रदेश को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बना रहैं हैं। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, बुजुर्गो को पैंशन देने के बारे में बहुत जिकर किया गया है।

श्री धीर पाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आज केन्द्रीय सरकार ने हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल द्वारा बूढ़ों को पैंशन देने की योजना से प्रभावित हो कर रेल बजट में 65 साल के बूढों को रेल द्वारा सफर करने में कुछ सुविधा दी है। केन्द्रीय सरकार भी बहुत चिन्तित हो गई है और उन्होंने भी एक तरह से इस बुढ़ापा पेंशन योजना को माना है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पेंशन का ताल्लुक है, 100 रुपया महीना बुढ़ापा पेंशन की गई है। यह ठीक है कि जो आदमी बेसहारा हो और जिसको जरूरत भी हो, उसको पेंशन मिले। यह सरकार का भी दायित्व है कि ऐसे लोगों को सम्मान दे।

गृह मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने उनको मान सम्मान दिया है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने सम्मान ही तो कहा है लेकिन क्या दिया है मैं उसी पर आ रहा हूं।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, यह पेंशन की ही देन है कि आज गैलरीज में पगड़ियां ही पगड़ियां नजर आ रही हैं। (तालियां)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात है कि गैलरीज में पगड़ियां नजर आ रही हैं। ये हमारे बुजुर्ग

हैं। ये पहली बार यहां आए हैं। मैं इनका अपनी पार्टी की ओर से और अपनी ओर से स्वागत करता हूं। ये बुजुर्ग इज्जत और' स्वागत करने योग्य हैं। कांग्रेस शासन में भी विधवाओं और अपाहिजों को पेंशन देने का प्रोविजन किया हुआ था चाहैं वह थोड़ी माता में थी। ये मान सम्मान की बात कह रहैं थे। में उसका थोड़ा जिकर कर दूं। बुजुर्गों को पैसा दिया और मान सम्मान दिया, यह बहुत बड़ी उपलब्ध है। लेकिन अखबारों में इस बारे में बड़े–बड़े लोगों के व्यान आए। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। कहा गया कि तुम लोगों ने हमें एक रुपया और वोट दिया, हमने तुमको 100– 100 रुपये दे दिए।

उपाध्यक्ष महोदय यह मान सम्मान की बात है या कं कं कं की बात हो सकती है। (विघ्न) मैं जो कह रहा हूं अपनी तरफ से नहीं कह रहा बल्कि जो अखबारों में छपा, वह कह रहा हूं। (शोर) अब ये लोग कहते हैं कि हमें 10– 10 रुपये दो। (शोर एवं विघ्न)

श्री बलबीर सिंह चौधरीः आन ए प्वायंट औफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, पब्लिक ने इनको चुनावों के दौरान पहले ही बिल्कुल साफ कर दिया है। अगर ये कोई गलत बाते कहना चाहते हैं तो उसकी जिम्मेदारी उसी की होगी जो गलत बात कहैंगा। (व्यवधान व शोर) मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि जब कोई सदस्य बोलता है तो किसी को बीच में टोका टोकी नहीं करनी चाहिए, इससे हाउस का समय खराब होता है। आज गवर्नर

महोदय के अभिभाषण पर बोलने का आखिरी दिन है। आप इस टोका–टोकी को बन्द करवाइये क्योंकि अभी और सदस्यों ने भी बोलना है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि 10–10 रुपया प्रति व्यक्ति फिर ..... लिया जा रहा है। (शोर एवं विघन) मैं अपनी तरफ से कुछ नहीं कह रहा, यह तो अखबारों में छपा है। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये गलत ब्यानी कर रहैं हैं। कोई किसी से नहीं ले रहा। इस ..... शब्द को आप कार्यवाही से निकलवा दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः यह शब्द ऐक्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः आप मेरी बात तो सुनिये।

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि बुढ़ापा पैंशन के जो 100 रुपये दिए जा रहैं हैं उसमें से कोई पैसा नहीं काटा जाता यह पैसा लोगों को बजरिये मनीआर्डर भेजा जा रहा है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः मैं तो अखबारों की बात कर रहा हूं। (शोर एवं विघ्न) इन्होंने पब्लिक मीटिंग में लोगों से 10–10 रुपये की मांग की है।

प्रो० सम्पत सिंहः जैसा कि मैने बताया है कि 100 रुपये में से एक पैसा भी नहीं काटा जा रहा बल्कि मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मनी– आर्डर पर जो खर्चा हो रहा है, उस खर्चे को भी सरकार स्वयं वहन कर रही है। उसका कोई पैसा लोगों से नहीं लिया जा रहा। जहां तक ये 10– 10 रुपये की बात कह रहैं हैं उस बारे में मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि आज सुबह जब मैं अपनी कोठी से आ रहा था, तो रास्ते में चीफ मिनिस्टर साहब की कोठी पड़ती है। उस समय वहां पर कोई 500 बूढ़े आदमी खड़े थे। उन सभी ने चीफ मिनिस्टर को 10– 10 रुपये के हिसाब से पैसे इकटठे करके खुद दिए हैं। इस प्रकार उन्होंने तकरीबन 5 लाख रुपये चीफ मिनिस्टर को दिए हैं और कहा कि इस पैसे से अपि कांग्रेस पार्टी को हराओ और इसे पार्टी फण्ड के लिए इस्तेमाल करो। वहां पर अखबार वाले भी थे। उन्होंने लोगों से पूछा कि आप ने ये 10– 10 रुपये किस लिए चीफ मिनिस्टर साहब को दिए हैं तो वे कहने लगे कि चौधरी देवी लाल जी की पार्टी फण्ड के लिए दिए हैं ताकि इन पैसों से वे अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार कर सकें और इस देश के शासन से कांग्रेस पार्टी को हटाया जा सके। साथ ही वे यह कह गए हैं कि आप अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार करो, यदि और पैसे की जरुरत होगी तो हम और पैसा भी देंगे लेकिन इस देश से इस कांग्रेस पार्टी को हरवा दो।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह बात मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा बल्कि अखबारों के अन्दर जो छपा है, वह कह रहा हूं। इन्होंने पब्लिक मीटिंग में लोगों से 10– 10 रुपये की मांग की है। जहां तक इन्होंने जिकर किया कि कुछ लोग आज अपने आप पैसा देकर चले गए, मैं कहना चाहूंगा कि ये तो हमारे बुजुर्ग हैं। इनसे आप जितना मांगोगे दे देंगे। जब आपने 100– 100 रुपये दिए हैं तो फिर ये 10– 10 रुपये देने से क्यों इंकार करने लगे। ये लोगों से डायरैक्ट नही तो इन–डायरैक्ट रूप में पैसा इकट्ठा करने में लगे हुए हैं। ये खुद मान रहैं हैं कि लोगों ने पार्टी फण्ड के लिए पैसा दिया है। (शोर एवं विघ्न) जो पैसा आप मांग रहैं हैं वह आम जनता का पैसा है। उसके लिए अनेकों टैक्स लगाए गए हैं उसे आप पार्टी फण्ड कैसे कह सकते हैं। (शोर एवं विघ्न) आप आम जनता का पैसा ले रहैं हैं। (शोर एवं विघ्न) मैं कोई गलत बात नहीं कहूंगा। आप मेरी बात को ध्यान से सुनिये तो सही। (शोर एवं विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, अभी इन्होंने पैसे की बात की है। पोलिटिकल पार्टीज को, पोलिटिकल वर्कर्ज और उनमें आस्था रखने वाले लोग, उनके नेता में आस्था रखने वाले लोग, हमेशा चन्दा देते रहैं हैं। चौधरी देवी लाल हमेशा आम आदमी से गरीब आदमी से चन्दा लेते रहैं हैं और वे खुद कहते भी हैं कि मैं आम आदमी का चन्दा लेता हूं, गरीब आदमी से चन्दा लेता हूं. और उसी के लिए मैं काम करता हू। चाहैं बिजली देने

की बात हो या पानी देने की बात हो अथवा कोई और सुविधा जुटाने की बात हो, उसे मैं गरीब आदमी के लिए जुटाता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की यह प्रथा रही है कि यह धन्ने सेठों से चन्दा लेती रही है। जो लोग काला बाजारी करते हैं, कैपिटेलिस्ट लोग हैं, उन घूसखोरों से यह पैसा लेती रही है। चौधरी देवी लाल की वह नीति कतई नहीं है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः मुझे इस बारे में पता नही। लेकिन' उपाध्यक्ष महोदय, यदि धनवान लोगों से पैसा लिया जाता है और उसको जनता में बांटा जाता है, विकास के कार्यों में लगाया जाता है, तो मैं समझता हूं इसमें कोई बुराई नही है। जनता का पैसा इस तरह से बांटना–खाना, यह गरीब जनता के लिए अच्छा नहीं है। मैं इस बात में नहीं जाना चाहता हूं। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता का जो कीमती पैसा है उसे इस तरह लुटाया जाए यह कहां तक उचित है, यह आप देखें। आज ये केन्द्र के०पर आरोप लगाते हैं, चाहैं बाढ़ का मामला है या दूसरी बाते हैं, ये अपनी कमियों को केन्द्र पर डालना चाहते हैं और कहते हैं कि केन्द्र पैसा नही देता है, यह नही करता, वह नही करता है। केन्द्र ने पैसा दिया है और केन्द्र को इस बात का पता है कि लोगों का रुपया यहां से कहां इस्तेमाल हुआ है। यह एक मिसाल है कि गधी मरी पड़ी है और कुम्हार भाड़ा कर रहा है। हरियाणा में तो यह पैसे की मांग कर रहैं हैं और उधर लाखों रुपया दूसरे प्रदेशों को अपनी ओर से दे रहैं हैं।

हां, देना चाहिए, अगर अपने पास साधन हैं, फालतू पैसा हैं, उसको जन हित की भावना से कहीं भी दिया जा सकता है। लेकिन राजनैतिक भावना से पैसा नहीं दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे मालूम हुआ है कि. लाखों रुपया यू० पी० स्टेट के एक व्यक्ति विशेष को, हरियाण की जनता का पहुंचाया गया। यह पैसा कहां से आ रहा है। (व्यवधान एवं शोर)

श्री उपाध्यक्षः प्लीज आप वाइंड अप करिये। आप को बोलते हुए आधे घण्टे से भी ज्यादा समय हो गया है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह बोफोर्स का मसला नहीं है। अगर आप इजाजत दें तो कह दू जितना मुझे मालूम है। अभी–अभी मन्त्री महोदय ने हाउस के फ्लोर पर एक बात कही। मैं किसान की बात कह रहा हू (विघ्न) मैं आज तक गैलरी में जा कर नहीं बैठा। मैंने कभी नहीं सोचा कि उनको प्रैस वालों को यह दिखाया जाए। वे खुद समझदार व्यक्ति हैं, प्रजातन्त्र के रक्षक हैं, वे खुद फैसला करेंगे। ये छोटी बातें आपका तरीका हो सकती हैं। (विघ्न एव शोर) (घंटी)

Shri Manphool Singh : Deputy Speaker Sir, on a point of order please.

Mr. Deputy Speaker : No, point of order please and let him continue. Please sit down.

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः चूंकि ये ज्यादा दुःखी हो रहैं हैं इसलिए दूसरी बातों को अब मैं छोड़ देता हूं उपाध्यक्ष महोदय,

इस सरकार ने डेढ़ साल के दौरान हमें क्या दिया, मैं इसकी तरफ थोड़ा सा ध्यान दिलाना चाहता हूं। इन्होंने माना है कि पेंशन के लिए अभी तक हमने 39–40 करोड़ रुपये पिछले साल और 80 करोड़ रुपये के लगभग इस साल दिए हैं। इसकी ऐवज में जनता के०पर कितने टैक्स डाले हैं? बिजली की दरें बढ़ाई हैं, मीटरों की सिक्योरिटी बढ़ाई गई है, बसों का भाड़ा बढ़ाया गया है और पानी की दरें तीन गुणा से ले कर 5 गुणा तक बढ़ाई हैं। इसका असर आम गरीब जनता के०पर पड़ रहा है। इसलिए इस सरकार ने जनता को क्या दिया? (व्यवधान व शोर)

श्री उपाध्यक्षः सिर्फ डेढ़ घण्टा बाकी है और चूंकि दूसरे सदस्यों को टाईम देना है इसलिए अब आप वाईंड–अप करें। वाक आउट

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये मेरी बारी में बीच में क्यों बोलते हैं ये अपनी बारी पर बोलें। ये मेरा टाईम क्यों बरबाद कर रहैं हैं? (शोर)

श्री उपाध्यक्षः आप अपना समय सवाल जवाब में क्यों खराब कर रहैं हैं? (विघ्न)

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः मैं सही बात कह रहा हूं कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं। इस सरकार ने हमें क्या दिया है, मैंने आपको बता दिया है। 150 करोड़ के करीब रुपया कलैक्ट किया है। (विघ्न एवं शोर)

श्री उपाध्यक्षः महैंन्द्र प्रताप जी, अब आप बैठे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः इन्होंने बीच में टोका टाकी करके मेरा आधा समय नष्ट किया है और मुझे पूरी बात कहने नहीं देना चाहते। .....

श्री उपाध्यक्षः यह बात रिकार्ड न की जाए। महैंन्द्र प्रताप जी अब आप बैंठें। अब श्री हरपाल सिंह जी बोलेंगे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने दीजिए।

Mr. Deputy Speaker : No, no. Not allowed .
(Interruptions & Noise)

अब श्री हरपाल सिंह जी की बात के इलावा कोई और बात रिकार्ड न की जाए।

Chaudhri Mahender Partap Singh : * * * * * *

Mr. Deputy Speaker : Not allowed, not at all allowed.

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः .....

Mr. Deputy Speaker : Please take your seat. You are defying the orders of the Chair and wasting the time of the House. You should know the rules of procedure.

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अगर मुझे बोलने नहीं देना चाहते तो हमारे यहां बैठने का क्या फायदा है?

Mr. Deputy Speaker : You may go, if you want.

जितना समय आपको मिला है, उतना किसी को नहीं मिला।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अगर हमें यहां बोलने की इजाजत नहीं है, तो हम वाकआउट करते हैं।

(इस समय चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह श्री मोहम्मद असलम खां सहित सदन से बाहर चले गए)

राज्यपाल के अभि भाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

कामरेड हरपाल सिंह (टोहाना): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस अभिभाषण में कानून और व्यवस्था का भी सवाल उठाया गया है। हरियाणा के अन्दर हरियाणा सरकार ने आतंक– वादियों की घटनाओं को रोकने के लिए काफी कुछ कदम उठायें हैं। हरियाणा के अन्दर जुलाई महीने में जब दरियापुर और लालडू में घटनायें हुई तो उसके बाद साम्प्रदायिक घटनायें भी घटी और साम्प्रदायिक दंगे भी हुए। मैं इस बात के लिए आदरणीय मुख्य मंत्री और हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं कि उनकी उसके बाद पुनरावृति नहीं हुई। वे घटनायें दुबारा से नहीं हुई लेकिन अभी भी यह खतरा बना हुआ है। क्योंकि जब तक पंजाब समस्या हल नही हो जाती तब तक पंजाब में ये घट– साये रहैंगी। वहां के उग्रवादी चाहते हैं कि पंजाब के बाहर बैठे हुए माइन्योरिटी लोगों पर लोग अटैक करें ताकि वह माइन्योरिटी पंजाब के अन्दर शिपट

करे और उन्होंने जो पालिसी बनायी हुई है, उसे कम्पलीट कर पायें। अभी भी उनकी यही कोशिश बनी हुई है और इसी कड़ी के तहत उन्होंने दुबारा से कैथल के अन्दर यह कान्ड किया है। इन सारी घटनाओं को देखते हुए हमारी सरकार को चौकस रहना पड़ेगा। हरियाणा के अन्दर ये साम्प्रदायिक दंगे न हो पायें, उसके लिए सन् 1987 में एक कमेटी बनी थी।

श्री उपाध्यक्षः हरपाल सिंह जी, आप केवल दस मिनट ही बोलेंगे।

कामरेड हरपाल सिंहः सर, मैं तो गवर्नर ऐड्रैस पर काम की बातें कर रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि उन साम्प्रदायिक दंगों की जांच करने के लिए हमारे आदरणीय सदस्य डाक्टर मंगल सैन जी को अध्यक्ष बनाया गया था। इस बारे में सरकार से दरखास्त करूंगा कि उन घटनाओं के लिए जो जांच कमेटी बनायी गई थी, उस कमेटी ने जो जांच की है, वह सदन की टेबल पर ले की जाये। लोगों के सामने लाया जाये कि वे कोन लोग हैं जो साम्प्रदायिक दंगों के लिए जिम्मेदार हैं ताकि ऐसी घटनाओं के लिए ठोस कदम उठाये जाये, उपाय किये जायें और लोगों को जागरूक किया जा सके। उग्रवादी पंजाब के अन्दर या बाहर जो भी घटनायें करते. हैं, उनके पीछे उनकी मन्शा क्या है। इसके लिए सरकार को कुछ करना चाहिए। मैं समझता हूं कि यह साम्प्रदायिक भावना बरकरार रखने की बात है। जहां तक आतंकवादी घटनाओं को रोकने की बात है, वे कानून व्यवस्था का

नाम ले कर प्रशासनिक उपायों से नही रोकी जा सकती हैं बल्कि इन्हैं आम जनता को जागरूक करके ही रोका जा सकता है। इसके लिए सरकार को प्रयत्न करने चाहिए। लेकिन इसके लिए सरकार प्रयत्नशील दिखायी नही देती है। इसके अलावा इस अभिभाषण में एक बात का और भी जिक्र किया है कि कारखाने के मजदूरों/कर्मचारियों की कहीं हड़ताल नहीं हुई है। मैं एक बात की और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पलवल शूगर मिल के अन्दर यह घटना घटी है। कोओप्रेटिव शूगर मिल जनता के पैसे से बना हुआ है। वहां पर हड़ताल हुई ..... हमारी यह जो जनता की सरकार है, यह ऐसा करे क्या यह ठीक है? (व्यवधान व शोर)

12.00 बजे

श्री मनफूल सिंहः ऐसी कोई बात नही हुई है।

कामरेड हरपाल सिंहः आपको भी बोलने का मौका मिलेगा, आप जवाब दे लेना। (व्यवधान व शोर) बी० एस० टी० फैक्टरी को बन्द करवा दिया गया और बहाना यह किया है कि वहां पर घाटा हो रहा है। कोआप्रेटिव शूगर मिल पलवल के अन्दर ..... (व्यवधान व शोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन में किसी भी सम्मानित सदस्य को गलत बात नहीं कहनी चाहिए। यह कहना कि ..... ऐसी

कोई बात किसी अखबार में नहीं आई और न ही इस किस्म की कोई रिपोर्ट हमारे पास आई है। ऐसी गलत और निराधार बातें इस हाउस में जो कही जा रही हैं, इनको रोकना चाहिए।

श्री प्रदीप कुमार चौधरीः ये शब्द ऐक्सपंज होने चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, ये शब्द ऐक्सपंज किये जायें।

कामरेड हरपाल सिंहः हरियाणा के अन्दर बी० एस० टी० फैक्टरी में क्या लौक–आउट सरकार की इजाजत से हुआ है? अभी मेरे साथी ने जिक्र किया कि हरियाणा में 7 टैक्सटाईल मिल्ज बन्द पड़ी हैं। क्या सरकार वहां के 6,000 वर्कर्ज के बारे में कोई निश्चय कर रही है कि उनका क्या होगा। (व्यवधान व शोर) इसके साथ ही हरियाणा में नयी नौकरियां देने का सवाल भी आता है। नयी नौक– रिया देने के बारे में सरकार ने चुनाव के दौरान कमिट किया था। 240 दिन से कम की नौकरी वाले जितने भी कर्मचारी कान्फैड में थे, उनको निकाला जा रहा है। यह तो पुरानों को भी निकाल रहैं हैं। नयी नौकरियां कहां से देंगे? हमारे आदरणीय सदस्य यहां पर बैठे हैं। कल सदन में इस बात की भी चर्चा हुई थी कि 500 से कुछ ज्यादा ऐसे लोग लगे हुए थे, उनको 200 रुपये महीना पर रखा हुआ था, उनको हटा दिया गया मिनिमम वेजिज ऐक्ट के तहत उनको आप 200 रुपये पर रख ही नहीं सकते। आपने किस आधार पर उनको 200 रुपये महीना के हिसाब से रखा हुआ था? (व्यवधान व शोर)।

सहकारिता राज्य मन्त्री (डा० रघुवीर सिंह): आन ए प्यायंट आफ आर्डर, सर। मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को यह बताऊंगा कि 200 रुपये महीना पर हमने पार्ट–टाईम बेसिज पर रखे हुए थे। उनकी कोई रैगुलर एप्वायंटमैंट नहीं थी। पार्ट–टाईम में घंटे, दो घंटे या तीन घंटे के लिये 100 रुपये या 200 रुपये के हिसाब से किसी को भी रखा जा सकता है, इस पर बैन नहीं है। (व्यवधान व शोर)

.....

.....

.....

.....

.....

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैठिये। श्री दुर्गादत्त अली।

कामरेड हरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो पूरी होने दीजिये। इसके अलावा, मेरे साथी ऐबसैन्ट हैं। उनके स्थान पर भी मुझे बोलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आपके और साथियों ने भी बोलना है। इसलिये अब आप कृपया बैठें।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। अभी कामरेड साहब ने बोलते हुए एक ऐसी गलत बात कही जिससे सदन की अवमानना होती है। यह एक औगस्ट हाउस है। उन शब्दों को कार्यवाही में से निकाला जाना चाहिये। Deputy Speaker, Sir, there are certain rules and regulations for being followed in the House. आनरेबल मैम्बर को उन्हैं फौलो तो करना चाहिए।

Mr. Deputy Speaker : Yes, that should not come on record.

श्री दुर्गा दत्त अत्री (राजौंद): उपाध्यक्ष महोदय आपका बहुत–बहुत धन्यवाद क्योंकि आपने मुझे बोलूने का समय दिया है। आज यहां हाउस के अन्दर राज्य पाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव जोकि डाक्टर महासिंह जी ने इस हाउस में रखा हैं, पर बहस हो रहीहै। मैं उसके समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)। यह जो अभिभाषण इस सदन के अन्दर माननीय राज्यपाल महोदय ने पढ़ा है, उसमें सरकार की कुछ उपलब्धियो, और जो काम सरकार आगे करने जा रही है, उसका विस्तार से वर्णन किया गया है। हमारे राज्य में जो उपलब्धिया हुई हैं, वे सारी हमारे माननीय लोकप्रिय नेता चौधरी देवी लाल जी और उनके मंत्रिमण्डल व कुशल अधिकारियों की वजह से ही हैं। इस छोटे से अर्से में हमारी इस लोकप्रिय सरकार ने राज्य के अन्दर क्या कुछ कर दिखाया है, यह

सब लोगों के सामने है। इसके लिये मैं अपने मुख्य मन्त्री महोदय, मंत्रिमण्डल के सदस्यों व कुशल अधिकारियों को बधाई देता हूं। गवर्नर ऐंडैरस में भिन्न–भिन्न मुद्दों पर बड़े ही विस्तार से जिक्र किया गया है। वृद्धावस्था पेंशन और कई प्रकार की दूसरी जन कल्याणकारी नीतियों का जिक्र भी इस अभिभाषण में किया गया है, जोकि हमारी, सरकार ने लोगों की भलाई के लिये चलायी हैं। इन सब बातों पर यहां विस्तार से चर्चा हो चुकी है और भविष्य में हमारी सरकार जो–जो उपलब्धियां केरने जा रही हैं, उन मुद्दों पर भी विस्तार से यहां पर विचार हुआ है। मेरे से पूर्व वक्ताओं ने खुल कर सरकारी नीतियों की प्रशंसा की है लेकिन कुछ एक बातें रह गयी हैं, जिनके लिये मैं कुछ कहना चाहूंगा। सबसे पहले मैं शिक्षा के बारे में कहूंगा कि सरकार को शिक्षा के स्तर को०पर उठाने के लिये सही और समय पर कदम उठाने चाहिये ताकि बच्चों का स्तर०ंचा हो सके। प्राईमरी स्कूलज और हाई स्कूलज वगैरह और– महाविद्यालय के डायरैक्टोरेटस को सरकार ने अलग– अलग कर दिया है। यह एक बहुत अच्छी बात इस सरकार ने की है लेकिन मैं यह कहूंगा कि प्राईमरी स्कूलों का शिक्षा का जो स्तर है, उसमें हम अभी तक कोई खास इधार नहीं कर पाये हैं। अगर हम प्राईमरी स्कूलों में शुरू से ही कोई इस तरह की शिक्षा का प्रोवीजन कर दें कि जब भी बच्चा 10वीं, 11वीं, 12वीं, या एम० ए० तक पहुंचे, तो वह उस शिक्षा के आधार पर अपने पांव पर खुद खड़ा हो सके। इसका कारण यह हैं कि इस समय हमारी शिक्षा नीति में कमी है। इसलिये शिक्षा नीति में भी सुधार

की आश्यकता है। लेकिन अगर उस बच्चे के पास शुरू से कोई ऐसी शिक्षा नहीं होगी तो वह बी० ए०, एम० ए० पास करने के बाद रोजगार कार्यालय के चक्कर काटता रहैंगा और नाम दर्ज करवाने के लिये लाईन में खड़ा रहैंगा। रोजगार कार्यालयों में बच्चों का नाम बरसों तक यूंही पड़ा रहता है। इसलिये अगर सरकार शुरू में बच्चों की शिक्षा इस ढंग से करेगी कि वे आगे चलकर कोई न कोई अपना काम धन्धा कर नके तो बेहतर रहैंगा। अगर बच्चे के पास अपनी कोई टैक्नीकल क्वालिफिकेशन होगी तो वह निश्चिन्त रहैंगा उसे नौकरी के लिये रोजगार कार्यालयों में भागना नहों पड़ेगा। आजकल गलत शिक्षा नीति के कारण उनके नाम काफी लम्बे अरसे तक रोजगार कार्यालयों में पड़े रहते हैं। वे ओवर एज हो जाते हैं। वे न तो अपना काम कर पाते हैं और न ही उनको रोजगार मिल पाता है। इसके बारे में मेरा एक सुझाव है। जब रोजगार विभाग में कोई आसामी अपना नाम दर्ज करवाने के लिए आए, चाहैं वह अंडर मैट्रिक हो, या मैट्रिक हो, बी० ए०, एम० ए० या डिप्लोमा अथवा डिग्री होल्डर हो तो वहां पर उसे गाईड करने के लिए कोई गाईड ब्यूरो स्थापित करना चाहिए ताकि आसामी की काबलियत के मुताबिक उसका वहीं पर साक्षातकार हो जाए और वह जिस काम के योग्य हो, उसे उसी तरह के काम की गाईड लाइन दी जाए। अगर उन्हैं दस्तकारी की तरफ बढ़ावा देना है तो हमें साथ–साथ कुछ ऐसे ट्रेनिंग सैंटर भी खोलने होंगें, जहां वे ट्रेनिंग ले सकें। ऐसा करने से वे अपना काम सफलतापूर्वक कर सकेंगे। लम्बे समय तक अगर यह

बेरोजगारी इसी तरह से बढ़ती रही तो एक समय ऐसा आएगा कि यह एक भयंकर रूप धारण कर लेगी। बेरोजगारी के बारे में मेरे भाई जय सिंह राणा ने एक बात रखी थी कि हमें उद्योग धन्धों पर जोर देना चाहिये। उद्योग धंधे भी दो किस्म के हैं। एक तो वे हैं जिन के पास लाखों करोड़ों रुपए पहले ही हैं, उनको सरकार असिसटैंस देती है, उनको कर्जा मिलता है लेकिन दूसरी तरफ जब छोटे धंधों के लिए लोग दफ्तरों से सम्पर्क करते हैं तो कागज नीचे दबे रह जाते हैं। उसके लिए मैं सरकार से पुरजोर प्रार्थना करूंगा कि इस' बेरोजगारी को दूर करने के लिए इन लोगों के लिए अलग से डायरैक्टोरेट स्थापित की जाए ताकि इन लोगों को भी उत्साह मिल सके। अगर ऐसा होगा तो दूर दराज के इलाकों में जहां बेरोजगारी पूरी तरह से भंयकर रूप धारण कर रही है, वहां भी छोटे उद्योग धंधे लग सकेंगे और उनकी समस्या का हल होगा। आज कल जब हम देहात में लोगों को मिलने के लिए जाते हैं तो वे लोग एक ही मांग सामने रखते हैं कि हम अपनी औलाद से तंग आ गए हैं, हमारे बच्चों को कहीं नौक्री पर लगवा दो। इन बातों को देखते हुए मैं समझता हूं कि इस मसले पर गौर करना बहुत जरूरी हो गया है। इसके साथ–साथ यहां पर आरक्षण की बात आई। यह भी वास्तव में एक बहुत महत्वपूर्ण बात है। मेरे माननीय साथी भाई उदय भान जी ने हरिजनो के लिए एक बात रखी थी। मैं उसमें एक एडीशन अपनी तरफ से करना चाहूंगा। जो लोग देहात में रहते हैं, वास्तव में वे अपने दादा पड़दादाओं की जमीन पर निर्वाह कर रहैं हैं। स्थिति ऐसी आ गई है कि वह

जमीन छोटे–छोटे टुकड़ों में बंट गई है और लोग एक तरह से भूमि हीन हो गए हैं। मैं चाहता हूं कि जब आरक्षण की नीति पर विचार किया जाए तो गरीबी की रेखा से जो लोग नीचे चले गए हैं उनका भी सरकार सर्वे करवाए। उसमें एक लाइन यह ज ओड दी जाए कि जो आर्थिक तौर पर पिछड़ गए हैं चाहें वे किसी भी जाति से संबंध क्यों न रखते हों, वे भी आरक्षण की सूची में आएंगे। जो हर लिहाज से काबिल हैं और जिनको शिक्षा के क्षेत्र में कहीं दाखिला लेना हो या जिनको कही पर सर्विस का मौका मिले, उस समय उनका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। स्पीकर साहब, जिस तरह से शहरों के अन्दर बड़े–बड़े पार्क बना दिए जाते हैं, उसी तरह से गांवों के अन्दर भी खेल के मैदान बनाए जाएं ताकि गांवों के लड़कों को खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। जो अच्छे खिलाड़ी हैं, जो राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, जो विदेशों में भी खेलने के लिए जाते हैं उनमें आम तौर से देहात के लडके होते हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से अपनी लोकप्रिय सरकार से अनुरोध करूंगा कि शहरों में जिस तरह के पार्क और खेल के मैदान बनाए जाते हैं, उसी तरह के देहातों में भी बनाए जाएं। जो अच्छे स्तर के खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है और जिन्होंने विदेशों में अपने देश का नाम रोशन किया है, जब उनको कोई लाभ का मौका आए या सर्विस का मौका मिले, तो उस समय उनका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों पर उसका असर पड़े। स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं

कि जिस वक्त हम चुनाव लड़ रहैं थे, उस वक्त हमारे साथी कर्मचारी हमारे साथ बड़े जोश और खरोश के साथ मैदान में उतरे थे। उस समय जितना जोश हमारे अन्दर था, उससे कहीं ज्यादा कर्मचारियों में था। मैं अपने हल्के की बात कहूंगा। मैं चुनाव के क्षेत्र में एकदम नया आया था। मैं राजनीति के मामले में बिल्कुल नया था लेकिन आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने मुझे चुनाव के मैदान में उतार दिया। मुझे चुनाव के लिए पार्टी का टिकट देने का भी जिक्र नहीं था लेकिन जब आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने मुझे जिम्मेदारी सौपी तो मैं चुनाव मैदान में उतर गया था। चुनाव के समय कर्मचारियों ने मेरी बहुत मदद की थी और बहुत काम किया था मुझे किसी चीज की चिन्ता नहीं थी। इसलिए स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा अपनी लोकप्रिय सरकार से कहना चाहूंगा कि कर्मचारियों के दो–चार प्रतिनिधियों को बुला करके उनके साथ सहानुभूतिपूर्वक बात कर लें और उनकी जो– जो मांग मानने वाली हैं, वह मान लें। इसमें कोई हर्ज की बात नही है। कर्मचारी सरकार के साथ तह दिल से जुड़े हुए हैं। उनकी भी यह मंशा है कि यह लोकप्रिय सरकार बहुत लम्बे अर्से तक चले। यदि सरकार उनकी जायज बातों को मान ले तो इसमें कोई हर्ज की बात नहीं है। जब भी चुनाव होंगे तो वे साथी भी तह दिल से हमारे साथ होंगे। स्पीकर साहब, मुझे मालूम है कि हमारी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है। 19 महीने पूर्व ज्यों ही हमारी सरकार सत्ता में आई उस वक्त प्रदेश में सूखे का वक्त था। किसानों के पास पशुओं के लये चारा नहीं था। पशुओं को पीने का पानी नही मिल

रहा था। लोगों के पास काम नहीं था और खाने के लिए अनाज नही था। बहुत सी जरुरत की चीजें लोगों के पास नहीं थी। हमारी लोकप्रिय सरकार ने लोगों के पास जो चीज नहीं थीं, वह बड़े हौंसले के साथ मुहैया करवाई। कोई ऐसी रिपोर्ट नहीं आई कि प्रदेश में भूख के कारण कोई आदमी मरा हो। सूखे के दौरान लोगों को जिस चीज की जरूरत थी वह हमारी सरकार ने दी। ऐसी कोई बात देख ने को नही मिली क हमारी सरकार आर्थिक तौर से या किसी और तरह से लोगों को कोई चीज नहीं दे पाई। ऐसी स्थिति होने के बावजूद भी हमारी सरकार ने तरह–तरह की कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं और उनको कामयाब किया। इन शब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल): आदरणीय स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर डाक्टर महा सिंह द्वारा मूव किए गए धन्यवाद प्रस्ताव, जिसकी ताईद श्री शिव प्रसाद जी ने की थी, के समर्थन में मैं बोलने के लिए खड़ा हु आ हूं। राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर बोलते हुए सदन के एक माननीय सदस्य ने किसी सरकारी अफसर को मेरा 5वां बेटा कहा था। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरा कोई 5वां बेटा नहीं है। मेरा कुनबा 90 व्यक्तियों का है, जो इस सदन के माननीय सदस्यगण हैं। (तालियां) इसमें बहुत से मेरे भाई– बहन है और जो माननीय सदस्य मेरे बेटों की आयु के बराबर के हैं, वे मेरे को अपने बेटों

की तरह प्यारे हैं। मेरा कुनबा तो यही है और इसी सदन में हैं, बाहर कोई नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों द्वारा उठाये गए प्वायंटस के बारे में जब मैं इन्फर्मेशन ले रहा था तो एक औफिसर ने कहा कि फलां माननीय सदस्य ने आपकी सरकार की पालिसी को क्रिटिसाईज किया है तो मैंने उस औफिसर को कह कि आप मेहरबानी करके अपनी अंग्रेजी को सुधार लें। उसने सरकार की पालिसी को क्रिटिसाईज नहीं किया बल्कि मुझे गाईड किया। सदन में जो बात कही जाती है उससे सरकार को गाईडैसं मिलती है और इसी भावना के साथ मैंने सब के विचार सुने हैं। हम आपके सुझावों पर अमल करेंगे।. मैं यह बात भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब कोई एम० एल० ए० कोई बात कहता है तो मैं उसकी बात को एक मन्त्री से कम महत्व नहीं देता। अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ ही माननीय सदस्यों द्वारा उठाये गए प्वायंट्स के बारे में ही बोल पाऊंगा। लेकिन इसका मतलब यह' नही कि जिन प्वायंटस पर मैं बोल नहीं रहा, उसका कोई जवाब नहीं। उन प्यायंट्स के बारे में भी मेरे औफिसर्ज नोटिस ले रहैं हैं। उन उठाये गए प्वायंट्स का भी इन्तजाम जरुर किया जायेगा। हमारे औफिसर्ज उन पर गम्भीरता से विचार करेंगे और मुझे रिपोर्ट भेजेगे। जहां भी आवश्यक कार्यवाही जरूरी होगी, वह की जायेगी। राज्यपाल के ऐडैरस पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर बोलते हुए माननीय सदस्य श्री हरनाम सिंह ने पानी और फ्लड के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये हैं।

मैं उनके विचारों के साथ सहमत हूं। हमने इस दिशा में काम किया है। मारकण्डा नदी पर धनौरा गांव में और टांगरी नदी पर हसनपुर गांव में बैराज बनाने के लिये मैंने एक स्कीम 1977 में जब मैं पहली बार मुख्य मन्त्री था, बनवा कर भारत सरकार के पास भिजवा दी थी लेकिन मेरे बाद के मुख्यमन्त्री इसे भारत सरकार से क्लीयर नही करवा पाये। अब महकमे ने उनके मौडल टैस्ट करने हैं। अब भारत सरकार से इसे क्लीयर कराने की कोशिश की जायेगी। दादूपुर नलवी कैनाल का प्रोजैक्ट बना कर भारत सरकार को भेजा जा चुका है। ताजेवाला हैड वर्क्स पुराना है। उसकी जगह पर हथनी कुंड बैराज बनाने के लिए काम चल रहा है और इसके लिये हमने इस वर्ष 3 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। क्योंकि यमुना नदी के पानी पर यू० पी० सरकार का भी हिस्सा 'है इसलिए उनसे भी पैसा लेने की बात चल रही है। मैं उम्मीद करता हूं कि यह मामला जल्दी से जल्दी निपटा दिया जायेगा और इस पर काम शुरू हो जायेगा। एस० वाई० एल० नहर के बारे में जो चिन्ता यहां पर प्रकट की गई, उसे भी मैं बिल्कुल अच्छी तरह समझता हूं। पंजाब के एरिया में एस० वाई० एल० नहर जल्दी बनवाने के लिए मैं प्रधान मन्त्री जी से मिल चुका हूं और मेरे दूसरे मन्त्री साहैंबान भी मिल चुके हैं। इसी सिलसिले में मैंने पिछले 7 दिसम्बर को एक लैटर प्रधानमन्त्री जी को लिखा कि मैं और मेरे इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर एस० वाई० एल० नहर के बारे में आपसे मिलना चाहते हैं, आप हमें टाईम दो। लेकिन इस देश की बदकिस्मती कि इस देश को प्रधान मन्त्री राजीव गांधी

जैसे मिले हुए हैं जिन्होंने हमारी चिट्ठी का जवाब तक नही दिया। दुबारा फिर रिमाईन्डर दिया गया हैं अरि फिर मांग की है कि आप हमें इस सिलसिले में टाईम दो। मैं आप को विश्वास दिलाता हूं कि हम इस नहर को पूरा कराने के लिए पूरी तरह से चिन्तित हैं और हम बहुत जल्दी ही इसे पूरा करवा कर दम लेंगे। (तालियां)

अध्यक्ष महोदय, डा० मंगल सैन जी ने राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर बोलते हुए मांग की कि बढ़ी हुई चुंगी की दर, पीने के पानी की दर और डिवैल्पमैंट चार्जिज की दर को वापस लिया जाये। मैं इस बाबत हाउस की जानकारी के लिये अर्ज करना चाहूंगा कि दरों की यह बढ़ौतरी पहले से ही स्टे की जा चुकी है और इस बारे में दुबारा गौर करने के लिए कैबिनेट की एक सब–कमेटी बना दी गई है। जहां तक चीफ ऐग्जैक्टिव औफिसर्ज का सवाल है, उनेका स्थान प्रशासनिक कुशलता के लिये जरुरी है मगर म्यूनिसिपल कमेटी के लैवल पर प्रजातान्त्रिक ढांचे कौ मजबूत बनाने के लिंए हम प्रधानों की शक्तियां बढ़ायेंगे और उन्हैं पूरी पावर देंगे। (तालियां)

एक माननीय सदस्य ने कान्फैड में फालतू मुलाजिमों की भर्ती के बारे में एतराज उठाया हैं। सदन की जानकारी के लिए मैं यह अर्ज करना चाहूंगा कि कन्फैड के 694 मुलाजिमों को, जिनको हटाया जा सकता था, हटा दिया गया है मगर कान्फैड के मैनेजिंग डायरैक्टर को सस्पैंड इस बारे में कर दिया गया है। इस अधिकारी के काम ही ऐसे थे, उनकी रिवायत ही इस किस्म की थी कि वह

अप्वायंटमैंट लैटर अपनी जेब में रखता था। उसने मिनिस्टर साहैंबान और एम० एल० ए० साहैंबान को भरमाने के लिए, उन्हैं करप्ट करने के लिए बहुत कोशिश की। लेकिन मैं मुबारिकवाद देता हूं कि हमारे साथी उससे बचे रहैं। कान्फैड पर करप्शन के जो वाईल्ड ऐलिगेशन्ज लगाए गए हैं, वे गलत तथा बेबुनियाद हैं। सारे मामले की पूरी छानबीन की जा रही है। यहां मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि किसी भी आदमी की क्रप्शन किसी भी हालत मैं बर्दाश्त नही को जाएगी चाहैं वह कोई भी क्यों न हो और चाहैं कितना बड़ा आदमी ही क्यों न हो। मुझ से ज्यादा तो क्रप्शन का विरोधी कोई नही है। मगर पार्टी डिस्पिलिन बरकरार रखना जरुरी है और हाउस की मर्यादा कायम रखना भीं हमारा फर्ज है।

डा० साहब ने सरकारी कर्मचारियों की ऐजिटेशन का जिक्र किया है। सरकार अपने कर्मचारियों का पूरा ध्यान रखना चाहती है। जिन कर्मचारियों को बोनस देना बनता था, उनकों 27 दिन का बोनस दिया गया है जिस पर करीब 22 करोड़ रुपया सालाना सरकार का खर्च होगा। फिक्स मैडिकल अलाउंस 200 रुपये से बढ़ा कर 360 रुपये सालाना कर दिया गया है। इससे सरकार पर 5 करोड़ रुपये सालाना का बोझ पड़ा है। डेली अलाउंस जो पहले कम–से कम 8 रुपये था उसे बढ़ा कर मिनिमम 20 रुपये कर दिया गया है और मैक्सीमम की हद को 35 रुपये से बढ़ा कर 50 रुपये कर दिया गया है। इस अकेले अलाउंस से 2 करोड़ रुपये सालाना का खर्चा बढ़ा है। सरकारी कर्मचारियों की

तन्खवाह की बाबत जो एनोमलीज थीं, उनको दूर करने के लिये बाबू मूल चन्द जैन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। ऐस कमेटी की रिपोर्ट बहुत जल्दी आपके सामने आने वाली है। हम अपने कर्मचारियों की मांगों पर निहायत हमदर्दी से गौर करते हैं और करते रहैंगे। उनकी वाजिब तकलीफों को दूर किया जाएगा। मैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि वे ऐजिटेशन का रास्ता छोड़ कर भाई चारे के तरीके से चीफ सैक्रेटरी साहब के साथ बैठ कर बाकी मामले निपटाएं। सदन में गवर्नर महोदय के ऐड्रैस पर चर्चा करते हुए माननीय सदस्य श्री रणजीत सिंह और श्री हजार चन्द ने कांग्रेस के अपने आप को पंजाबियों का ठेकेदार होने के दावे की पोल बहुत अच्छे तरीके से खोली है। दरअसल चन्द कांग्रेसी जो कि पंजाबियों में से सिर्फ एक जात बिरादरी से सम्बन्ध रखते हैं और इलैक्शन में हारे हुए खिलाड़ी हैं, वे तमाम पंजाबियों के ठेकेदार बन कर हरियाणा के पंजाबियों को कांग्रेस के हाथों सस्ते भाव बेचकर अपनी रोजी– रोटी बनाना चाहते हैं। वे लोग तो श्री हजार चन्द को भी पंजाबी नहीं मानते हैं। इस बारे में मैं आपको कुछ इन्फर्मेशन देना चाहता हूं जिससे आपको ठीक अन्दाजा हो जाएगा। हमारे पिछली दफा जाट एम० एल० ए० 28 थे और अब 26 हैं। जहां तक पंजाबियों का ताल्लुक है, इस वक्त 17 पंजाबी एम० एल० ए० हैं जब कि उस वक्त पंजाबी एम० एल० ए० 18 थे। सबसे मजेदार चीज जो मैं आपको बताना चाहूंगा वह यह है कि उन 16 एम० एल० एज० में से 11 एम० एल० एज० एक ही बिरादरी के थे लेकिन इस समय जो 17 एम० एल० एज० बने हैं,

उनमें माली भी हैं, काम्बोज भी हैं, हरिजन भी हैं और सिख भी हैं और जिन में से एक हमारे माननीय स्पीकर साहब भी हैं। जहां तक पंजाबियों का सवाल है, मेरा चीफ सैक्रेटरी पंजाबी है, मेरा डी० जी० पंजाबी है, मेरा विजिलैन्स डी० जी० पंजाबी है, मेरा प्रिंसिपल सैक्रेटरी पंजाबी हैं मेरा पब्लिक रिलेशंज डायरैक्टर पंजाबी हैं और मेरा प्रैस सैक्रेटरी भी पंजाबी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि ज्यादातर काम की जिम्मेदारी और राज चलाने की जिम्मेदारी पंजाबियों पर ही है। इन लोगों ने हारे हुए खिलाड़ियों की तरह से बावेला मचा रखा है। ये चाहते हैं कि किसी तरह से पंजाबियों को अपने हक में कर लें इसलिये पंजाबी–पंजाबी का बावेला मचा रहैं हैं। आपको मालूम है कि हमारी पार्टी के और बी० जे० पी० मेम्बरान को मिला कर कुल 17 पंजाबी हैं और जहां तक राज पाट में पंजाबियों के हिस्से का सम्बन्ध है वह मैं आपके सामने पहले ही व्यान कर चुका हूं। तमाम पंजाबी बगैर भेदभाव के इस वक्त हमारे साथ हैं। इस बात का अन्दाजा इन लोगों को फतेहाबाद और करनाल के उप–चुनाव में हो गया था। इन लोगों को अपनी सारी शक्ति का पता चल गया था।

माननीय सदस्य श्री किशन सिंह सांगवान ने सदन में राजा भजन लाल के बेटे की शादी का जिक्र किया था और उनपर करप्शन के इल्जाम लगाये थे। इस सम्बन्ध में आपको केवल इतना ही बता सकता हूं कि दो करोड़ रुपये इस शादी पर खर्च हुए हैं।

पांच सौ कारें हिसार से चल कर जयपुर पहुंची हैं। दो घंटे तक जयपुर शहर में ट्रैफिक बन्द रहा। एक अंगूठी 35 लाख रुपये की आकी गई है और जो शादी का मंडप बना था उसमें तीन लाख रुपये के फूलों की सजावट की गई थी और तब शाही महल में जा कर उनका ठिकाना हुआ है। मैं आप लोगों को इस वास्ते बताना चाह रहा था कि उनके नुमाइन्दे जो इस वक्त हाउस में मौजूद नहीं हैं, श्री भजन लाल की तारीफ करते हैं। जहां तक बिजली का ताल्लुक है वह आप लोगों ने सुन लिया है कि हम कितनी लोगों को बिजली दे रहैं हैं और पहले कितनी दी जा रही थी (विघ्न)

गृह मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह): सुनने में स्पीकर साहब यह भी आया है कि वहां से काफी दहैंज मिलने के बाद भी श्रीमती जसमा देवी वापिस आ गई कि कम दहैंज मिला है। चौधरी देवी लाल स्पीकर साहब हैं बता रहा था कि जहां इस किस्म की शादियां हों, और अजीब तमाशा हो वहां लोगों को शक होना जायज है। चीफ मिनिस्टर मैं भी हूं और जमीन जायदाद मेरे पास भी है लेकिन इतना पैसा जो खर्च किया गया, इसके बारे में तो पता लगना ही चाहिए। चोक मिनिस्टर होते हुए कितनी तन्खाह मिलती है यह सभी को पता है। मेरी तन्खाह अरब शायद हजार रुपये बढ़ी है, पहले तो यह कम ही थी। हमारे सैक्रेटरी की तन्खाह तो शायद साढ़े आठ हजार है लेकिन मेरी उनसे बहुत कम है जब वे चीफ मिनिस्टर थे उस वक्त तो उनकी तन्खाह लगभग

अढ़ाई हजार रुपये थी। 'आप इस बारे में सोचिए कि जहां 75–75 लाख की कोठियां बनें और चार मुख्तलिफ प्लाटों पर बने तो इतना पैसा कहां से आया? हमने इस बारे में केस दायर किया था और केस दर्ज भी हुआ था लेकिन वह बदकिस्मती से स्टे हो गया। हम यह मानते हैं कि वह चीफ मिनिस्टर था लेकिन उससे पहले जो उसकी पोजीशन थी, वह हरेक आदमी को पता है। वह पाकिस्तान से बहावलपुर जिले के कोड़ावाली गांव से आया था। यह धर्मापुनिया बिशनोई के यहां रोटी पकाया करता था और इनके फादर साहब उनके डगर पशु चराया करते थे। यह पता नहीं कहां तक गलत है या सही है लेकिन इन्कम टैक्स विभाग क्या करता है? मैं इन्कम टैक्स विभाग से यह दरख्वास्त करता हूं कि जहां इतनी ऐलीगेशन्ज अखबारों में आयें, कम से कम उसकी इन्कवायरी करें या पता तो करें। हमारी तो खैर मजबूरी है मुझे समझ नही आता कि इन्कम टैक्स विभाग क्या कर रहा है? भजन लाल का 50 लाख का महल हिसार में बना है। उसकी फोटो भीं सारे अखबारों में छपी थी। अब दो करोड़ रुपया शादी पर खर्च किया है। इन्साफ का तकाजा है कि इन्कम टैक्स विभाग यह पता करे कि यह' सारी रकम कहां से आयी? श्री कैलाश चन्द शर्मा, एम० एल० ए० ने ऐडैरस पर बोलते हुए हाउस के नोटिस में यह बात लायी कि दूसरे प्रान्तों से अन–क्वालीफाईड लोग आर० एम० पी० की रजिस्ट्रेशन लेकर हरियाणा में प्रैक्टिस कर रहैं हैं। जहां भी ऐसा होने की शिकायत हो, वहां बोर्ड और स्वास्थ्य विभाग दोनों इसकी चौकिंग करते हैं। अब यह जो नये सिरे से

रजिस्ट्रेशन की मांग की गयी है, इससे कई तरह की मुश्किलात पैदा होंगी।

श्री हजार चन्द, एम० एल० ए० ने ओटू हैड वर्क्स को कमजोर बताया। यह हैड वर्क्स पुराना जरूर है लेकिन अभी थोड़ा समय पहले इसके ब्रिज स्लैब नये बनाये गये हैं। दरियाए – घग्गर के किनारों को मजबूत करने के लिये उन्होंने जो तजवीज रखी है, उसका काम आज ही शुरु हो जायेगा क्योंकि मैं दोपहर के बाद वहां जाऊंगा और फाउंडेशन स्टोन रखूंगा और खरेका कलां गांव से ही इस काम को शुरु करने के लिये मैं खुद जा रहा हूं।

श्री टेक चन्द नैन, एम० एल० ए० ने दूबैल ड्रेन की खुदवाई की मांग कीं। 31 जनवरी को यह स्कीम मंजूर हो चुकी है। इस परं 3 लाख रुपये खर्चें जायेंगे। इस पर भी काम जल्दी ही शुरु हो जायेगा।

हरियाणा सरकार ने प्रान्त में जो डिवैल्पमैंट के काम किये हैं, अगर मैं उनको गिनवाने लगू तो कई घंटे लग जायेगे। गरीबों और मजदूरों का हम कितना ध्यान रखते हैं, इसकी सिर्फ एक मिसाल दूंगा। पहली जनवरी, 1989 से हमने कारखाना मजदूर की मजदूरी कम से कम 24 रुपये रोजाना और खेत मजदूर की मजदूरी कम से कम 25 रुपये रोजाना करने का फैसला किया है। मेरे ख्याल में कामरेड हरपाल सिंह की पार्टी की पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा भी इतनी मजदूरी नहीं दी जाती होगी। इस बारे में

कानूनी कार्यवाही मुकम्मल करने के लिये 60 दिन का नोटिस जारी कर दिया गया है और बड़ी हुई दरें पहली जनवरी से लागू होंगी। यह मजदूरी की दरें देश भर में सबसे ज्यादा हैं। दिल्ली और पंजाब से– भी ज्यादा हैं। वहां 23 रुपये रोजाना है राजस्थान में 14 रुपये, यू० पी० में 12, रुपये और कामरेड हरपाल सिंह के बंगाल में केवल 18 रुपये रोजाना मजदूरी है। सारे यही मजदूरी के भाव हैं। गरीब मजदूर के लिये आपकी सरकार की कितनी हमदर्दी है, आप इससे अन्दाजा लगा सकते हैं। गांव में चौपालों की पुरानी परम्परा को बनाये रखने के लिये और भाई चारे को बढ़ावा देने के लिये हमने मूढे और फर्नीचर खरीदने के लिये बहुत सी जगह पंचायतों को 10 हजार और 20 हजार की ग्रांट दी है। हमारा प्रोग्राम सभी गांवों की चौपालों में मूढ़े रखवाने का हैं। यहां तक कि मेरी अपनी कोठी में भी हुक्का घर बनाया गया है और वहां पर भी मूढ़े टेक दिये नए हैं।

श्री महैंन्द्र प्रताप सिंह द्वारा उठाए गए प्रश्न पर मैं बाद में बोलूंगा। ओल्ड एज पैन्शन पाने वाले जो दस रुपया हर छः माह बाद भेजते हैं उसको यहां गल्त बताया गया है। मैं कहना चाहता हूं कि यह लोगों की श्रद्धा है और आज ही सारी प्रैस के सामने बाकायदा लोगों ने आकर कोई साढ़े चार लाख रुपया मुझे दियां. है। मैं उनकी वाकफियत के लिये यह बताना चाहना हूं कि यह पैसा लोग किसी के कहने से नहीं देते। जब मैं अपने चौम्बर में बैठा था तब यह 17 हजार रुपया गांव के लोगों ने दिया है

और इसमें लिखा है 'फ्लड रिलीफ फण्ड'। यह रुपया कोई लोगों को मजबूर करके नही लिया जा रहा है। गांव के लोग इकट्ठे होकर यह पैसा दे रहैं हैं। जहां मैं जाता हूं, हर जलसे में मुझे देते हैं। मैं उनसे यह कहता हूं कि मुझे जलसे में न दें इससे जलसे का सारा काम रुक जाएगा। आप मुझे वहां रुपया दें जहां मेरी प्रैस कांकैंस हो रही हो या जहां मैं आराम करता हूं। यही सब से बड़ी चीज है जो हमारी सरकार की दिल्ली सरकार को चुभती है। मैं चाहता हूं कि ऐसा इन्तजाम किया जाए जिससे पूंजीपतियों के हाथ में इलैक्शन का खेल न रह सके। सब जगह हिन्दुस्तान में जहां कहीं मैं जा रहा हूं, यही कहता हूं कि हरियाणा में जो 'एक वोट और एक नोट' का रिवाज डाला गया है आप भी यह रिवाज डाल दो। जैसे हरियाणा ने एक वोट और एक नोट का रिवाज डाला गया और सरकार हमारे हाथ में आ गई, ऐसे ही आपके हाथ में भी आ सकती है। इस रिवाज को डालने के लिए और बाहर जाने के लिए पार्टी के पास भी फण्डज होने चाहिएं। इस सम्बन्ध में हम पार्टी के नाम से लोगों से दरखास्त करते हैं। हम सरकारी तौर पर पैसा इकट्ठा नहीं करते हैं।

एक माननीय सदस्य ने करनाल में आयल रिफाईनरी न लगाने का सवाल उठाया। उनकी बात वाजिब है। करनाल आयल रिफाईनरी लगाने का प्रोजैक्ट 1984 के इलैक्शन से पहले ऐप्रूव हुआ था और 1987 के इलैक्शन से पहले प्रधान मन्त्री ने मार्च में इसका शिलान्यास करनाल में कर दिया था। अब भारत सरकार

इस पर दोबारा गौर कर रही है। इसका मतलब है कि कांग्रेस सरकार का वह एक इलैक्शन स्टण्ट था। मगर हम इस प्रोजैक्ट के लिये आखिर तक लड़ेंगे।

श्री जगपाल सिंह ने अम्बाला जिले के कंडी क्षेत्र में एक सायल कंजरवेशन प्रोजैक्ट की बात कही। स्पीकर साहब, हमने पहले ही उस इलाके के लिए चालीस करोड़ रुपए का वर्ल्ड बैक प्रोजैक्ट बनाकर भेजा हुआ है।

एक मांग यह भी आई कि इंडस्ट्री डिपार्टमैंट में छोटी इंडस्ट्रीज के लिए अलग से डायरैक्टोरेट बनाया जाए। हम इस पर गौर कर रहैं हैं। मगर वैसे भी इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर के पास नव्वे परसैन्ट से ज्यादा काम स्माल इंडस्ट्रीज का है। इससे पहले कि मैं अपना भाषण समाप्त करूं, मैं अर्ज करुंगा कि हमारी पुलिस ने ला एंड आर्डर को कायम रखने के लिये बहुत ज्यादा मेहनत और हिम्मत से काम किया है। इस सम्बन्ध में आपके सामने मैं सही हालात रखना चाहता हूं। साल 1988 में हरियाणा पुलिस ने बढ़ते हुए उग्रवाद को रोकने के लिए काबिले तारीफ काम किया है। जैसा कि आपको मालूम है कि जब पडौस के घर में आग लगी हो तो अपने घर को सम्भालना बड़ा मुश्किल होता है। लेकिन हमारी राज्य पुलिस की होशियारी और काबलियत के कारण उग्रवाद को राज्य के अन्दर सिर नहीं उठाने दिया गया। जुलाई 1987 से दिसम्बर 1988 तक राज्य में पंजाब के बढ़ते हुए उग्रवाद का साया पड़ना कुदरती था क्योंकि उग्रवादी पंजाब से

आते हैं और वहीं वापिस जाकर पनाह ले लेते हैं। इसलिये पिछले साल अम्बाला, शाहबाद, पानीपत, कुरुक्षेत्र, पेहवा, पंचकूला और कैथल में उग्रवाद की घटनाएं हुईं। उन सभी घटनाओं में बहुत से बेकसूर लोग मारे गए और जख्मी हुए। हमारी होशियार पुलिस ने इन वारदातों में काफी दौड़ धूप करके इनमें शामिल 107 उग्रवादियों और उनको पनाह देने वाले लोगों को पकड़ लिया और इन मुकामात में दस उग्रवादियों को मुख्तलिफ पुलिस मुकाबलों में मार गिराया। इन मुकाबलों में हरियाणा पुलिस का एक बहादुर सब इंस्पैक्टर श्री राम प्रकाश और सी० आर० पी० का एक बहादुर जवान श्री दौलत राम भी वीरगति को प्राप्त हो गए। स्पीकर साहब, कानून व्यवस्था को मुकम्मल कायम रखने के लिये राज्य सरकार पूरी तरह से मजबूत और चौकस है। सरकार ने तमाम उग्रवादी घटनाओं में मारे गये और जख्मी हुए बेगुनाह लोगों को 20–20 हजार 10– 10 हजार और 5– 5 हजार फी आदमीं की दर से माली इमदाद की है। इसके इलावा पुलिस बन्दोबस्त को और भी मजबूत करने के लिये कई एक ठोस कदम भी उठाये हैं। एक डी० आई० जी० (रेलवे तथा आपरेशन) की आसामी बनाई गई है और उसके नीचे उग्रवाद विरोधी नई फोर्स का गठन किया गया है जिसमें 2 एस० पी० 5 डी० एस० पी०, 21 इंस्पैक्टर्ज, 69 एन० जी० ओज और 500 दूसरे कर्मचारी तैनात किये गये हैं जिसमें चार कमांडो कम्पनियां भी शामिल हैं। उग्रवाद निरोधक स्पैशल ट्रेनिंग का भी बन्दोबस्त किया गया है। कमांडोज को खुफिया विभाग ट्रेनिंग स्कूलों में स्पैशल ट्रेनिंग दी जा रही

हैं। राज्य पुलिस को आधुनिक और मजबूत बनाने की खातिर भारत सरकार को 35 करोड़ रुपये की स्कीमें भेजी है। हमने भारत सरकार से 30 कम्पनियां सी० आर० पी० तथा बी० एस० एफ० मांगी थीं लेकिन 16 कम्पनियां मिली हैं, जिनको राज्य में तैनात कर दिया गया है। भारत सरकार से 762 सैल्फ लोडिंग राइफलज मांगीं थीं मगर उन्होंने 500 सैल्फ लोडिंग राइफलज दी हैं और एस० एल० आर० नहीं दीं। मांगे गये पिस्तौल और रिवाल्वर्ज अभी तक नहीं मिले। यात्रियों की सुरक्षा के लिये बसों तथा रेल गाड़ियों में हथियार बन्द पुलिस लगाई गई है। वी० आई० पी० सुरक्षा का बन्दोबस्त भी किया गया है। हर नाजुक संस्था की सुरक्षा का बन्दोबस्त किया है और पुलिस गश्त को भी तेज कर दिया गया है। बड़े फख्र की बात है कि उग्रवादी घटनाओं में शामिल तमाम उग्रवादियों को या तो हमारी बहादुर पुलिस ने गिरफतार कर लिया है या मुकाबले में मार गिराया है। उग्रवादियों को पनाह देने वाले अपराधियों को भी गिरफतार किया गया है। स्पीकर साहब, इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाह रहा हूं कि पंजाब के साथ राजस्थान भी लगता है जिसका गंगानगर जिला सिख डौमीनेटिड जिला है 1 इधर हमारे साथ हिमाचल प्रदेश लगता है। न ही कोई हिमाचल में और न ही कोई राजस्थान में वारदात हुई है। पंजाब की वजह से हरियाणा के अन्दर 6–7 वार उग्रवादी वारदातें हुई जिसका हमें शक है और शक को सैन्टर गवर्नमैंट को दूर करना चाहिये।

स्पीकर सर, कुल मिलाकर सभी माननीय सदस्यगण ने राज्यपाल महोदय के ऐडैरस पर बोलते हुए सरकार के कामों की सराहना की है। हमें इससे बहुत उत्साह मिला है। जो सुझाव सदन के माननीय मैम्बरान ने दिये हैं, वे भी बहुत कीमती हैं और उन पर हर अमल करने की कोशिश की जाएगी। इन अलफाज के साथ मैं अब सदन से यह' दरखास्त करूंगा कि माननीय राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर डाक्टर महासिंह द्वारा जो धन्यवाद प्रस्ताव सदन में रखा गया है उसे सर्व सम्मति से पास करने की कृपा करें। इस प्रस्ताव का समर्थन श्री शिव प्रशाद एम० एल० ए० ने किया है और पिछले तीन दिनों में बोलने वाले सभी माननीय सदस्यगण ने भी इसका समर्थन किया है। मैं एक बार फिर डाक्टर महा सिंह जी के प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करता हूं और सदन से इसे पास करने की प्रार्थना करता हूं। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर मतदान

श्री अध्यक्ष अब मैं मोशन पुट करता हूं। प्रश्न है –

कि गवर्नर साहब को एक ऐड्रैस फौलोइंग टर्मज में प्रैजैन्ट किया जाए –

"That the Members of Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 21st February, 1989".'

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस 27–2–1989 बाद दोपहर 2 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

12. 55 बजे।

तत्पश्चात सदन सोमवार, दिनांक 27–2– 1989 बाद दोपहर 2 बजे तक स्थागित हुआ।)